ELARIS CONSULTING
Beyond The Visible

की तरफ से
आप सभी को दीपावली
की शुभकामनाएं

(An India Newspaper)

यूथ ऑरा
YOUTH AURA
इनोवेशन.ट्रांसफॉर्मेशन.ऑटोमेशन

(Sponsored by)
SPYeye SOLUTIONS
TRANSFORMATION AUTOMATION INNOVATION

वर्ष:01 | अंक : 11 | मंगलवार, 21-27 अक्टूबर 2025 | हिन्दी साप्ताहिक | मुल्य 02 रुपये | मुख्य सम्पादकः लव जैन | RNI. NO.: HRBIL/25/A1127 | पृष्ठः 8

रामनगरी अयोध्या ने दीपोत्सव पर दो विश्व कीर्तिमान गढ़े, 26 लाख दीये और 2100 वेदाचार्यों की सरयू आरती

अयोध्या (एजेंसी)। भगवान राम के घर वापस अयोध्या पहुंचने के उपलक्ष्य में, इस बार दिवाली पर पूरी अयोध्या रोशनी से जगमगा उठी। इस भव्य दीपोत्सव पर अयोध्या के नाम एक नहीं, बल्कि दो विश्व कीर्तिमान दर्ज हुए।

दीयों का विश्व रिकॉर्ड (लगातार 9वीं बार)

राम की पैड़ी के 56 घाटों पर 26 लाख 11 हजार दीये जलाए गए। ड्रोन से दीयों की गिनती करने के बाद, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की ओर से स्वप्निल दंगारीकर और कंसल्टेंट निश्चल बरोट ने इस नए कीर्तिमान की घोषणा की। यह अयोध्या का लगातार नौवां विश्व रिकॉर्ड है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अद्भुत और अविस्मरणीय पल के साक्षी बने।

सरयू पर आरती का रिकॉर्ड

दूसरा रिकॉर्ड सरयू आरती का रहा, जिसमें एक साथ 2100 वेदाचार्यों ने हिस्सा लिया। योगी सरकार ने यह अनोखा रिकॉर्ड दूसरी बार हासिल किया है।

सीएम योगी का सपा पर तीखा हमला

दीपोत्सव मनाने शहर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर का उपयोग समाजवादी पार्टी पर निशाना साधने के लिए किया। उन्होंने कहा कि सपा ने शहर को वर्षों तक अंधेरे में रखा।

आदित्यनाथ ने सपा के विरोधियों और बीजेपी की तुलना करते हुए एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, 'जिन लोगों ने (राम मंदिर आंदोलन के दौरान कारसेवकों पर) गोलियां चलाईं, वे 2024 में राम मंदिर के अभिषेक के लिए कभी नहीं आए।'

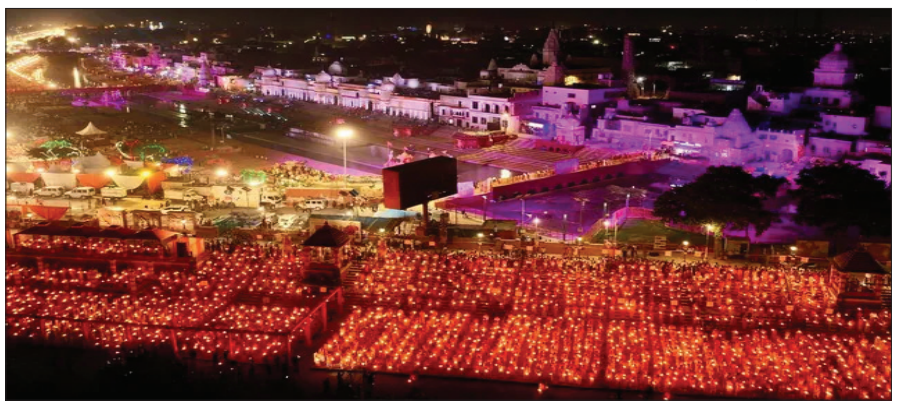

संत प्रेमानंद महाराज के स्वस्थ होने को लेकर मुस्लिमों ने दरगाह में चढ़ाई चादर

हरिद्वार (एजेंसी)। वृंदावन के प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज के स्वास्थ्य को लेकर लगातार दुआएं की जा रही है। जहां मंदिरों में उनके स्वस्थ होने की कामना की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी उनके चित्र को हाथों में लेकर दरगाह साबिर कलियरी पाक में चादर और फूल पेश कर प्रेमानंद महाराज की लंबी आयु और उनके जल्द स्वस्थ होने की दुआ मांगी। वृंदावन के संत प्रेमानंद महाराज का स्वास्थ्य ठीक न होने से देशभर में उन्हें चाहने वाले मायूस और परेशान हैं। उनकी सेहत के लिए दुआएं मांगी जा रही हैं। दुआओं का असर है कि संत प्रेमानंद महाराज के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। इसको लेकर साबिर कलियरी पाक दरगाह में भी मुस्लिम समाज के लोग ने भी प्रेमानंद के दीर्घायु और जल्द स्वस्थ होने की दुआ मांग रहे हैं। मुस्लिम समाज के लोगों ने हाथों में संत प्रेमानंद महाराज की तस्वीर लेकर दरगाह साबिर कलियरी पाक ने चादर और फूल पेश कर हुए उनके जल्द स्वस्थ होने की दुआ मांगी। इस दौरान सिंगर राजा तुर्क, शफीक साबरी, इस्तेखार साबरी आदि मौजूद थे। प्रेमानंद महाराज की सेहत पिछले कई दिनों से खराब चल रही है। उन्हें पॉलीसिस्टिक किडनी डिजीज नामक गंभीर किडनी की बीमारी है, जिसके कारण उन्हें नियमित डायलिसिस करानी पड़ती है। 2006 में पेट दर्द के बाद यह बीमारी सामने आई थी। हाल ही में उनकी तबीयत खराब होने के कारण उनकी तीर्थयात्रा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है। वे अब वृंदावन में भक्तों से मिलने लगे हैं और स्वास्थ्य सुधार की दिशा में हैं।

पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। यह दिन 1959 में लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में चीनी सशस्त्र टुकड़ी के घातक हमले में शहीद हुए 10 वीर जवानों की याद में मनाया जाता है। पुलिस स्मृति दिवस पुलिसकर्मियों के बलिदान और राष्ट्रीय सुरक्षा में उनकी भूमिका को सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष मनाया जाता है। बता दें कि पीएम मोदी ने 2018 में चाणक्यपुरी, नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक को देश को समर्पित किया था। यह स्मारक पुलिस बलों के लिए राष्ट्रीय पहचान, गर्व और एकता का प्रतीक है। स्मारक में एक केंद्रीय शिल्पकृति, 'शौर्य की दीवार' और एक संग्रहालय मौजूद हैं। 30 फुट ऊंची ग्रेनाइट की केंद्रीय शिल्पकृति पुलिस कर्मियों की शक्ति, विनम्रता और निःस्वार्थ सेवा का प्रतीक है। शौर्य की दीवार पर उन पुलिसकर्मियों के नाम अंकित हैं जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी। संग्रहालय में भारतीय पुलिस व्यवस्था के इतिहास और विकास की झलक मिलती है।

पीएनबी घोटाला: प्रत्यर्पण मामले की सुनवाई में सनसनीखेज घटनाक्रम देखने को मिलेंगे

-भगोड़े भारतीय व्यवसायी नीरव मोदी का दावा- मिलेगी जमानत या होंगे बरी

लंदन (एजेंसी)। भगोड़े भारतीय व्यवसायी नीरव मोदी ने ब्रिटेन की अदालत को बताया है कि अगले महीने जब उनके भारतीय प्रत्यर्पण मामले की सुनवाई फिर से शुरू होगी, तो उसमें सनसनीखेज घटनाक्रम देखने को मिलेंगे। यह बयान उन्होंने 6,498 करोड़ रुपए के पीएनबी धोखाधड़ी के आरोपी के रूप में लंदन के रॉयल कोर्ट्स ऑफ जस्टिस में दिया। यह टिप्पणी बैंक ऑफ इंडिया के 80 लाख डॉलर के बकाया कर्ज से संबंधित एक अलग कार्यवाही के दौरान की गई। नीरव मोदी मार्च 2019 में गिरफ्तारी के बाद से ही लंदन की जेल में हैं। वह धोखाधड़ी और धन शोधन के आरोपों में भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ मुकदमा लड़ रहे हैं। खुद को व्यक्तिगत रूप से वादी बताते हुए, मोदी ने अदालत में एक घिसी-पिटी सफेद टी-शर्ट और गुलाबी ट्रैक पैंट पहने हुए अपने हस्तलिखित नोट पढ़े। उन्होंने तर्क दिया कि कानूनी प्रक्रिया उनके लिए अनुचित है क्योंकि उनकी दृष्टि कमजोर है और जेल में उन्हें कंप्यूटर तक पहुंच नहीं मिल रहा है। नीरव मोदी मार्च 2019 में गिरफ्तारी के बाद से ही लंदन की जेल में हैं। वह धोखाधड़ी और धन शोधन के आरोपों में भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ मुकदमा लड़ रहे हैं। खुद को व्यक्तिगत रूप से वादी बताते हुए, मोदी ने अदालत में एक घिसी-पिटी सफेद टी-शर्ट और गुलाबी ट्रैक पैंट पहने हुए अपने हस्तलिखित नोट पढ़े। उन्होंने तर्क दिया कि कानूनी प्रक्रिया उनके लिए अनुचित है क्योंकि उनकी दृष्टि कमजोर है और जेल में उन्हें कंप्यूटर तक पहुंच नहीं मिल रहा है।

नासिक रोड के पास कर्मभूमि एक्सप्रेस से तीन लोग गिरे, दो की मौत, एक की हालत गंभीर

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक रोड इलाके में शनिवार रात एक भयानक हादसा हुआ जब मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस से बिहार के रक्सौल जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस से तीन युवक नीचे गिर गए। इस हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है। उसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। बताया गया है कि शनिवार रात कर्मभूमि एक्सप्रेस नासिक रोड स्टेशन से खुली और कुछ देर बाद ओढ़ा रेलवे स्टेशन के स्टेशन मैनेजर आकाश ने नासिक रोड रेलवे प्रशासन से संपर्क कर बताया कि जेल रोड पर हनुमान मंदिर के पास ढिकलेनगर इलाके में तीन युवक ट्रेन से गिर गए हैं। सूचना मिलते ही नासिक रोड थाने के वरिष्ठ निरीक्षक जितेंद्र सपकाले के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक माली और कांस्टेबल भोले एक टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। भुसावल जाने वाली पटरी पर किलोमीटर 190/1 और 190/3 के बीच दो युवक मृत पाए गए और एक युवक गंभीर रूप से घायल था। घायल युवक को तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतकों और घायल युवकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। चूँकि दीपोत्सव के मद्देनजर उत्तर भारत जाने वाली ट्रेनों में भारी भीड़ होती है, इसलिए पुलिस ने अनुमान लगाया है कि दरवाजे के पास खड़े युवक भीड़ के कारण अपना संतुलन खो बैठे और चलती ट्रेन से नीचे गिर गए। यह पता लगाने के लिए जाँच चल रही है कि युवक त्योहार मनाने अपने गृहनगर जा रहे थे या बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान करने। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रेन से गिरे मृतक और घायलों के पास अपनी पहचान के लिए कोई दस्तावेज नहीं थे।

चंद्रयान ने भेजी खुशखबरी! सूर्य और चंद्रमा के बीच के रिश्तों को खोजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली से पहले चंद्रयान ने भी खुशखबरी भेजी। इसरो के मुताबिक चंद्रयान-2 मिशन ने अपने वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से पहली बार पता लगाया कि सूरज से निकलने वाली कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) का चंद्रमा पर क्या असर पड़ता है। सूर्य और चंद्रमा के बीच रिश्ते को लेकर यह बड़ी खोज मानी जा रही है। इसरो ने कहा कि इस जानकारी से चंद्रमा के बाह्यमंडल, चंद्रमा के बहुत पतले वायुमंडल और उसकी सतह पर अंतरिक्ष मौसम के प्रभाव को समझने में मदद मिलेगी। श्रीहरिकोटा से 22 जुलाई 2019 को जीएसएलवी-एमके3-एम1 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किए गए चंद्रयान-2 में आठ वैज्ञानिक उपकरण थे और 20 अगस्त 2019 को चंद्रयान-2 सफलतापूर्वक चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा था।

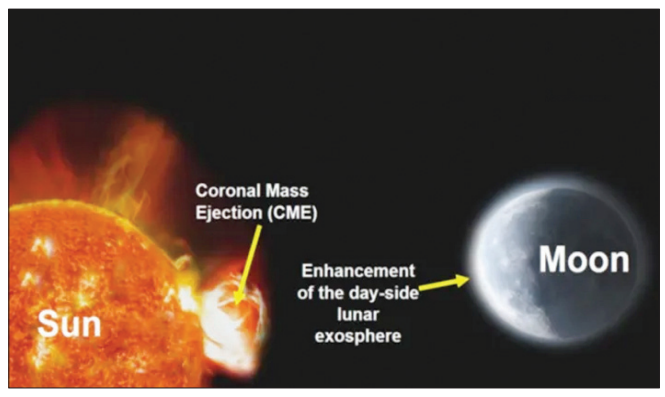

इसरो की एक विज्ञप्ति के मुताबिक चंद्रयान-2 पर लगे उपकरणों में से एक 'चंद्राज एटमॉस्फेरिक कॉम्पोजिशनल एक्सप्लोरर-2' ने सूरज से निकलने वाली कोरोनल मास इजेक्शन का चंद्रमा के बाहरी वायुमंडल पर पड़ने वाला असर रिकॉर्ड किया है। सीएचएसई-2 उपकरण का मुख्य उद्देश्य चंद्रमा के तटस्थ बाहरी वायुमंडल की संरचना, उसका विस्तार और उसमें होने वाले बदलावों का अध्ययन करना है। कोरोनल मास इजेक्शन सौरमंडल में वाले शक्तिशाली विस्फोट होते हैं। इस दौरान सूर्य हीलियम और हाइड्रोजन आयन छोड़ता है। चांद पर इसका काफी असह होता है। इसका कारण है चांद पर वायुमंडल नहीं है और यहां कोई बड़ा चुंबकीय क्षेत्र भी नहीं है। चंद्रयान के डेटा से पता चला है कि कोरनल मास इजेक्शन के चंद्रमा से टकराने के बाद यहां के पतले वायुमंडल पर दबाव एक हजार गुना बढ़ गया। चंद्रमा के पास बहुत पतला वायुमंडल है जिसे एक्सोस्फीयर कहते हैं। यहां गैस के अणु मौजूद हैं। यह चंद्रमा की सतह से सटा हुआ है इसलिए इसे सतह सीमा एक्सोस्फीयर कहते हैं। उल्कापिंडों के टकराने या फिर सूर्य की किरणों और सौर हवा से यह एक्सोस्फीयर बनता है।

पूर्व सीएम हरीश रावत की कार हादसे का हुई शिकार, बाल-बाल बचे

मेरठ में पुलिस एस्कॉर्ट से टकराई इनोवा, जवान गंभीर रूप से घायल

देहरादून/मेरठ (एजेंसी)। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत शनिवार रात एक सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बच गए। उनकी कार दिल्ली-देहरादून हाईवे पर मेरठ के एमआईईटी कॉलेज के सामने पुलिस एस्कॉर्ट वाहन से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उनकी इनोवा कार की हेडलाइट फूट गई और बोनट बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में एक पुलिसकर्मी राजवीर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे रीटा अस्पताल, मेरठ में भर्ती कराया गया है।

जानकारी अनुसार पूर्व सीएम रावत उस समय ड्राइवर की बगल वाली सीट पर बैठे थे। हादसे के दौरान उन्होंने सीट बेल्ट लगा रखी थी, जिसके कारण उन्हें केवल हल्की चोटें आईं। हादसे के बाद उन्हें तुरंत दूसरी गाड़ी में बैठाकर देहरादून के लिए रवाना किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने फोन पर हरीश रावत से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

हादसे को लेकर बताया गया, कि शनिवार शाम करीब 7:30 बजे, हरीश रावत का काफिला दिल्ली से देहरादून की ओर जा रहा था। मेरठ सीमा में उन्हें पुलिस एस्कॉर्ट उपलब्ध कराई गई थी। हाईवे पर ट्रैफिक काफी भारी था। इसी दौरान आगे चल रही एक कार की महिला चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे रावत की कार का संतुलन बिगड़ गया और वह एस्कॉर्ट वाहन से जा टकराई। टक्कर के बाद हाईवे पर अफरातफरी मच गई। कंकरखेड़ा थाना प्रभारी विनय कुमार सिंह ने मीडिया को बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पूर्व सीएम को सुरक्षित बाहर निकाला गया और क्षतिग्रस्त कार को टोइंग कर परतापुर स्थित टोयोटा एजेंसी में खड़ा कराया गया। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि यह घटना एस्कॉर्ट वाहन के अचानक ब्रेक लगाने से हुई। हादसे के बाद एसपी यातायात राघवेंद्र मिश्रा ने हरीश रावत से फोन पर बात की, जिसमें रावत ने स्वयं बताया कि वे पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी तरह की गंभीर चोट नहीं आई है। इसके साथ ही पुलिस ने यातायात को सामान्य कराया और पूर्व सीएम को मुजफ्फरनगर बॉर्डर तक एस्कॉर्ट के साथ सुरक्षित रवाना किया गया। कुछ समय के लिए दिल्ली-देहरादून हाईवे पर जाम की स्थिति बनी रही।

बिहार चुनाव में पीएम मोदी की 12 रैलियों की तैयारी, राहुल गांधी की एक भी रैली की तैयारी नहीं

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव प्रचार ज़ोर पकड़ रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 अक्टूबर से 3 नवंबर के बीच 12 बड़ी रैलियाँ करेंगे। ज़रूरत पड़ने पर दूसरे चरण में उनकी कुछ और रैलियाँ होने की संभावना है। भाजपा ने एनडीए के प्रचार अभियान की विस्तृत योजना और स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। सभी 243 सीटों के लिए उम्मीदवारों का चयन भी शांतिपूर्ण ढंग से पूरा हो गया है। बताया गया है कि प्रधानमंत्री मोदी 23 अक्टूबर को सासाराम, गया और भागलपुर में रैलियों को संबोधित करेंगे। इसके बाद, वह 28 अक्टूबर को दरभंगा, मुजफ्फरपुर और पटना में रैलियां करेंगे। उनके तीसरे चरण में 1 नवंबर को छपरा, पूर्वी चंपारण और समस्तीपुर शामिल हैं। अंत में, 3 नवंबर को पश्चिमी चंपारण, सहरसा और अररिया जिले के फारबिसगंज में रैलियां होंगी। दूसरी ओर, महागठबंधन में शामिल कांग्रेस, राजद और अन्य दलों के बीच कुछ सीटों पर मतभेद अबतक बरकरार हैं। उन्होंने संयुक्त प्रचार, संयुक्त घोषणापत्र या कार्यक्रम नियोजन पर कोई ठोस फैसला नहीं लिया है।

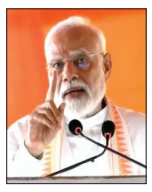

प्रधानमंत्री की रैलियों की घोषणा तो हो गई है, लेकिन महागठबंधन का स्टार चेहरा कांग्रेस नेता राहुल गांधी अभी भी प्रचार अभियान से गायब हैं। बिहार में उनका पिछला कार्यक्रम 24 अगस्त को पटना में हुआ था। दक्षिण अमेरिका के दौरे से लौटने के बाद भी, उनका ध्यान बिहार पर केंद्रित होता नहीं दिख रहा है।

राहुल गांधी ने मिलने से किया इनकार

अंदरखाने खबर यही है कि जब लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव दिल्ली गए, तो राहुल गांधी ने उनसे मुलाकात नहीं की। दरअसल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के.सी. वेणुगोपाल ने उनसे मुलाकात करने को कहा था। मगर सूत्रों का यही कहना है कि जिस प्रकार से बिहार में सीटों के बंटवारे को लेकर लालू परिवार ने मनमानी की है इससे राहुल गाँधी नाराज बताए जा रहे हैं, चूँकि राज्य में कांग्रेस का संगठन कमजोर है और राज्य में कांग्रेस नेताओं का मतदाताओं पर कोई खास प्रभाव नहीं है शायद ये भी कारन है कि फ़िलहाल राहुल गाँधी ने चुप्पी साध रखी है। वैसे राज्य में मुकाबला भले ही एनडीए और इंडिया अलायंस के बीच है, लेकिन असली मुकाबला मोदी और राहुल के बीच ही दिख रहा है। हालांकि प्रशांत किशोर के जनसुराज पक्ष ने इस संघर्ष को और भी दिलचस्प बना दिया है।

नो किंग्स प्रोटेस्ट: अमेरिका में ट्रंप की 'तानाशाही' के खिलाफ जनता का ऐलान

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के खिलाफ एक बार फिर बड़े पैमाने पर प्रोटेस्ट देखने को मिला है। शनिवार को देश के सभी 50 राज्यों में हजारों लोग सड़कों पर उतरे और इसे 'नो किंग्स' मूवमेंट का नाम दिया गया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि राष्ट्रपति ट्रंप लोकतांत्रिक मर्यादाओं को तोड़ रहे हैं और खुद को एक राजा की तरह पेश कर रहे हैं। बता दें कि इस विरोध के दौरान वाशिंगटन डीसी से लेकर न्यूयॉर्क, लॉस एंजिलिस और मिडवेस्ट के छोटे शहरों तक एक साथ 2,500 से अधिक रैलियों का आयोजन किया गया है।

सैन फ्रांसिस्को के ओशन बीच पर सैकड़ों लोगों ने अपने शरीर से 'नो किंग!' लिखकर अपना संदेश दिया। कई प्रदर्शनकारियों ने खुद को स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी की तरह तैयार किया। मौजूद जानकारी के अनुसार, ट्रंप की नीतियों को तानाशाही प्रवृत्ति बताते हुए लोग मीडिया पर हमलों, राजनीतिक विरोधियों को निशाना

बनाने और प्रवासियों के खिलाफ सख्त कदमों का विरोध कर रहे हैं। यह विरोध ऐसे समय में हुआ है जब सरकारी शटडाउन तीसरे सप्ताह में पहुंच चुका है और फेडरल एजेंसियों के कामकाज पर इसका असर पड़ रहा है।

गौरतलब है कि प्रदर्शनकारी केवल शटडाउन का विरोध नहीं कर रहे, बल्कि उन फैसलों का भी जिनमें प्रशासन ने फेडरल फोर्सेज और नेशनल गार्ड को अमेरिकी शहरों में उतारा था। प्रवासी समुदायों में छापों जैसी कार्रवाई को लोग 'फेडरल पावर का दुरुपयोग' बता रहे हैं। रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि इस तरह की नीतियां अमेरिकी लोकतंत्र की संस्थागत संरचना के लिए खतरा पैदा कर रही हैं।

इसी बीच ट्रंप फ्लोरिडा स्थित अपने मार-ए-लागो रिज़ॉर्ट में थे और उन्होंने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि 'मैं कोई किंग नहीं हूं।' उनके कैंपेन अकाउंट ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी पोस्ट किया जिसमें ट्रंप को ताज पहने राजा की तरह दिखाया गया था। दूसरी ओर रिपब्लिकन नेताओं ने इन प्रदर्शनों को 'हेट अमेरिका रैली' बता दिया और आरोप लगाया कि यह कम्युनिस्ट और मार्क्सिस्ट समूहों का एजेंडा है। स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा कि डेमोक्रेटिक नेता अपने लिबरल धड़े के दबाव में हैं और इसी कारण सरकार को खोलने के बजाय लगातार यह टकराव जारी रखे हुए हैं।

अमेरिका का यह लोकतांत्रिक विरोध एक बार फिर बताता है कि वहां नागरिक अधिकारों, संवैधानिक संतुलन और फेडरल पावर की सीमाओं पर बहस कितनी गहरी है और दोनों पक्ष इस मुद्दे पर कितने ध्रुवीकृत हो चुके हैं। प्रदर्शनकारियों का संदेश साफ है कि लोकतंत्र में किसी भी नेता को 'नो किंग्स, नो क्राउन' की सीमा नहीं लांघनी चाहिए, और इसी चेतावनी के साथ उनकी यह आवाज देशभर में गूंज रही है।

खलीफा एर्दोगन ने फाइनल की डील, बांग्लादेश को मिलेगी वायु रक्षा प्रणाली और लड़ाकू ड्रोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का खुलकर साथ देने वाले तुर्की और बांग्लादेश के बीच होने वाले संभावित रक्षा समझौता भारत के लिए चिंता का कारण बन सकता है। दरअसल बांग्लादेश और तुर्की के बीच एक बड़ा रक्षा समझौता लगभग फाइनल हो चुका है। बांग्लादेश को तुर्की से सिपर लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली मिलेगी। इतना ही नहीं बांग्लादेश को लड़ाकू ड्रोन भी मिलने वाले है। साथ ही ड्रोन के सह-उत्पादन का मौका भी मिलेगा। इस ऐतिहासिक और दक्षिण एशिया के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलावों में से एक कहा गया है। यह सैन्य ताकत बढ़ाने के साथ-साथ संप्रभुता हासिल करने जैसा है, जिससे बांग्लादेश क्षेत्र के दिग्गजों के बीच अपना रास्ता बना सके। म्यांमार में चल रहे गृहयुद्ध और हवाई क्षेत्र के उल्लंघन के विरुद्ध विश्वसनीय रक्षा प्रणाली तैयार करना।

अस्त्र-2 मिलाइल दुश्मन को करेगी खात्मा, 6 हजार किमी की होगी रफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 21वीं सदी में दुनिया दो बड़े युद्ध की गवाह बन चुकी है। रूस-यूक्रेन और इजराइल-हमास-ईरान युद्ध ने नेशनल सिक्योरिटी मेकेनिज्म को बदल दिया है। डिफेंस सिस्टम को अपग्रेड करने के साथ ही हथियारों की खरीद प्रक्रिया में तेजी आई है। एशिया के साथ यूरोपीय देश भी मॉडर्न वेपन सिस्टम और फाइटर जेट खरीदने की होड़ में शामिल हो गए हैं। भारत ने भी देसी तकनीक से मिसाइल और फाइटर जेट बनाने की मुहिम शुरु कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइल डिफेंस प्रोग्राम में भारत लगातार नई इबारत लिख रहा है। इस कार्यक्रम में चीन ना चाहते हुए भी भारत की मदद कर रहा है। दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने चीन निर्मित एडवांस पीएल-15 मिसाइल का इस्तेमाल किया था। यह मिसाइल भारतीय सीमा के

डीआरडी को मिला फार्मूला, इस कार्यक्रम में ना चाहते हुए भी चीन करेगा मदद

तकरीबन 100 किलोमीटर अंदर पंजाब के होशियारपुर में गिरी थी लेकिन उसमें ब्लास्ट नहीं हुआ था। डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिकों ने इसका प्रॉपर तरीके से एनालिसिसि किया है। बताया जा रहा है कि अब डीआरडीओ पीएल-15 मिसाइल की खासियतों को अस्त्र मार्क-2 मिसाइल में एड करेगा।

दरअसल, भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने चीन की पीएल-15 एयर-टू-एयर मिसाइल का तकनीकी विश्लेषण करने के बाद उसकी कुछ उन्नत विशेषताओं को देश में विकसित हो रही अस्त्र मार्क-2 मिसाइल परियोजना में शामिल करने का फैसला लिया है। यह कदम मई में पाकिस्तान द्वारा दागी गई एक पीएल-15ई मिसाइल के विश्लेषण के बाद उठाया है, जो पंजाब के होशियारपुर के पास एक खेत में मिली थी। यह मिसाइल फटी नहीं थी। यह मिसाइल पाकिस्तान वायुसेना के जेएफ-17 या जे-10सी लड़ाकू विमान से दागी गई थी, लेकिन टारगेट को मार गिराने में विफल रही और भारतीय सीमा में करीब 100 किलोमीटर अंदर आकर गिरी थी। जेएफ-17 और जे-10सी फाइटर जेट चीन निर्मित है। मिसाइल में सेल्फ-डिस्ट्रक्ट मैकेनिज्म नहीं होने के कारण यह पूरी तरह सुरक्षित स्थिति में बरामद हुई। बरामदगी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीआरडीओ की रिपोर्ट में चीनी मिसाइल में कई एडवांस फीचर होने की बात कही गई है। इनमें मिनीएचर एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैनड एरे रडार, हाई-एनर्जी प्रोपेलेंट जो मिसाइल को मैक 5 यानी 6000 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा गति तक बनाए रख सकता है और एंटी-जैमिंग तकनीकें शामिल हैं। डीआरडीओ अब इन सभी प्रमुख तकनीकों को अस्त्र मार्क-2 मिसाइल में सम्मिलित करने की दिशा में काम कर रहा है। इसी बीच सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान भी अपने हथियार भंडार को मजबूत करने में जुटा है। वह लॉन्ग-रेंज पीएल-17 मिसाइलें, तुर्की से 2,000 वॉयआईएचए कामिकाज़े ड्रोन, और अमेरिका से उन्नत हथियारों की सूची मांगने की प्रक्रिया में है।

पीएल-15ई में ऐसी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है, जिससे इसकी रफ्तार 6000 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा है। अब यदि इसी तकनीक का इस्तेमाल अस्त्र-2 मिसाइल में किया गया तो इसकी रफ्तार भी मैक 5 या उससे ज्यादा हो जाएगी. बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय हथियार प्रणालियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। ब्रह्मोस, रैम्पेज और एससीएएलपी मिसाइलों ने अपने लक्ष्यों को सटीकता से साधा। इसके बावजूद, भारतीय वायुसेना भविष्य की झड़प में संख्या की कमी से बचने के लिए राफेल विमानों के लिए अतिरिक्त मेटोर मिसाइलें हासिल करने की योजना बना रही है। साथ ही 800 किलोमीटर रेंज वाली नेक्स्ट-जेनरेशन ब्रह्मोस मिसाइल भी विकसित की जा रही है, जो पाकिस्तान के करीब पूरे क्षेत्र को कवर कर सकेंगी।

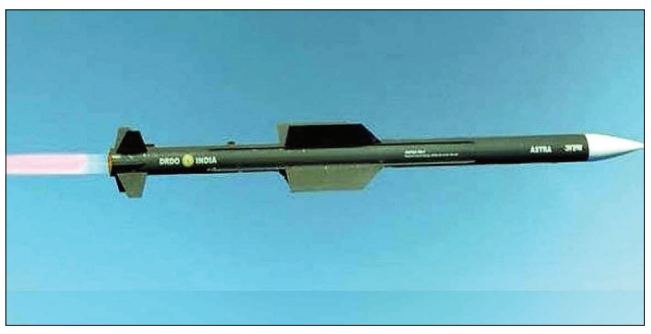

प्रदेश कांग्रेस ने दिल्ली में प्रतिबंधित पटाखों की खुली बिक्री का आरोप लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया है कि रेखा गुप्ता सरकार हरित पटाखों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में विफल रही है, जिसकी आड़ में राजधानी के विभिन्न हिस्सों में प्रतिबंधित पटाखों की खुलेआम बिक्री हो रही है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जिससे दीपावली के बाद दिल्लीवासियों को गंभीर वायु प्रदूषण का सामना करना पड़ सकता है। देवेंद्र यादव ने कहा कि ग्रीन पटाखों की अनुमति मिलने के बाद दीपावली के दौरान पटाखों के उपयोग में लगभग 40 प्रतिशत तक वृद्धि की संभावना है। इसके चलते न केवल प्रदूषण का स्तर बढ़ेगा, बल्कि एनसीआर के शहरों गुरुग्राम, गाजियाबाद, नोएडा और फरीदाबाद से प्रतिबंधित पटाखों की अवैध आपूर्ति भी दिल्ली में बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इस पर निगरानी के लिए सरकार के पास कोई प्रभावी तंत्र नहीं है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्वानुमान के अनुसार, अधिक पटाखे जलाए जाने की स्थिति में 21 अक्टूबर को वायु गुणवत्ता 'गंभीर श्रेणी में पहुंच सकती है। यादव ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण में असफलता के लिए दिल्ली सरकार पूर्णतः जिम्मेदार है।

ठगी के मामले में तीन आरोपित लखनऊ से गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य जिले की साइबर थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए लखनऊ से तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक आरोपित खुद को सोशल मीडिया 'इंफ्लुएंसर' बताता है। जिसके करीब एक लाख इंस्टाग्राम फॉलोअर्स हैं। यह आरोपित अपने बैंक खातों को साइबर अपराधियों को बेचकर सोशल मीडिया करियर के लिए पैसा जुटा रहा था। मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त निधिन वलसन ने रविवार को बताया कि साइबर पुलिस ने यह कार्रवाई दो अलग-अलग मामलों में की है। गिरोह ऑनलाइन फ्रवर्क फॉम होमफ्र ऑफर, फर्जी मार्केटप्लेस और म्यूल बैंक खाते के जरिये देशभर में लोगों को ठगता था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार पहले मामले में पीड़िता स्मिता वर्मा को होटल रेटिंग का झांसा देकर 31,800 की ठगी की गई। इस मामले में आरोपित आलोक कुमार (32) और आदित्य शुक्ला (22) को गिरफ्तार किया। दोनों लखनऊ (उप्र) के रहने वाले हैं। आलोक ने दो और आदित्य ने छह बैंक खाते खोलकर ठगों को कमीशन पर बेचे थे। वहीं, दूसरे मामले में फेसबुक मार्केटप्लेस पर सेना अधिकारी बनकर एक व्यक्ति से 1.81 लाख की ठगी की गई थी। इसमें आरोपित हुकुम सिंह रावत उर्फ अनुज (19) को लखनऊ से दबोचा है। वह बीए द्वितीय वर्ष का छात्र और महत्वाकांक्षी 'इंफ्लुएंसर' है। उसने स्वीकार किया कि उसने अपने खाते 4-5 प्रतिशत कमीशन पर साइबर गिरोह को बेचे। पुलिस उपायुक्त के अनुसार पुलिस ने तकनीकी निगरानी और डिजिटल ट्रैकिंग के जरिए आरोपितों को दबोचा। पुलिस ने कई बैंक खाते और डिजिटल सबूत बरामद किए हैं। खातों को फ्रीज करने और गिरोह के बाकी सदस्यों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

दिल्ली दंगा मामला : जांच आदेश की अवहेलना पर पुलिस आयुक्त से रिपोर्ट तलब

नई दिल्ली (एजेंसी)। कड़कड़डूमा कोर्ट ने साल 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़ी तीन शिकायतों में आगे की जांच के आदेश का पालन न करने पर दिल्ली पुलिस आयुक्त से व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षरित रिपोर्ट मांगी है। अदालत ने इस मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मामला दयालपुर थाना क्षेत्र का है। जहां फरवरी 2020 में हुई हिंसा से जुड़ी एक प्राथमिकी में अदालत ने 21 जनवरी 2025 को आगे की जांच का आदेश दिया था। अदालत ने अब पाया कि पुलिस ने उस आदेश का अनुपालन किए बिना तीसरा पूरक आरोपपत्र दाखिल कर दिया है, जिसमें पहले की कुछ शिकायतों को हटाने की बात कही गई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह की अदालत ने कहा कि यह स्पष्ट है कि पहले से अस्पष्ट तथ्यों वाला यह मामला अब इस पूरक आरोपपत्र के कारण और अधिक उलझ गया है। पुलिस ने 21 जनवरी 2025 के आदेश का पालन करने की कोई कोशिश नहीं की। अदालत ने कहा कि इस तरह की लापरवाही अस्वीकार्य है। अदालत ने आदेश में कहा कि ऐसे हालात में यह मामला दिल्ली पुलिस आयुक्त के संज्ञान में लाने को वह विवश हैं। यह आदेश आयुक्त के समक्ष रखा जाए ताकि आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके और पूर्व आदेश का पालन सुनिश्चित हो। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि दिल्ली पुलिस आयुक्त या क्षेत्र के विशेष आयुक्त के हस्ताक्षरित अनुपालन रिपोर्ट अगली सुनवाई से पहले अदालत में दाखिल की जाए। इस मामले की अगली सुनवाई 14 नवंबर को तय की गई है।

शिक्षक को थप्पड़ मारने के मामले में एबीवीपी ने गठित की समिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव आम्बेडकर कॉलेज में 16 अक्टूबर को हुए शिक्षक थप्पड़ कांड ने छात्र राजनीति और शिक्षाविश्व में हलचल मचा दी है। आरोप है कि डीयू छात्रसंघ की संयुक्त सचिव दीपिका झा ने विवाद के दौरान एक शिक्षक को थप्पड़ मार दिया था। घटना के विरोध में शिक्षकों ने प्रदर्शन किया, जिसके बाद डीयू प्रशासन पहले ही 6 सदस्यीय जांच समिति का गठन कर चुका है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने भी इस मामले पर कड़ा रुख अपनाते हुए अपनी आंतरिक जांच समिति गठित की है। एबीवीपी ने बयान जारी करते हुए इस घटना को दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताया। परिषद ने स्पष्ट कहा कि शिक्षक शिक्षाविद और विद्यार्थी मिलकर एक शैक्षिक परिवार बनाते हैं। किसी भी परिस्थिति में शिक्षक के प्रति हिंसा स्वीकार्य नहीं हो सकती। संगठन ने घोषणा की है कि जांच पूरी होने तक दीपिका झा किसी भी संगठनात्मक गतिविधि में हिस्सा नहीं लेंगी, ताकि जांच प्रक्रिया निष्पक्ष बनी रहे। एबीवीपी ने विश्वविद्यालय प्रशासन से यह भी मांग की है कि प्राध्यापक सुजीत कुमार की भूमिका की भी जांच की जाए, क्योंकि उनके खिलाफ 'छात्रविरोधी एवं पेशेवर आचरण के विपरीत व्यवहार के आरोप हैं। परिषद ने भरोसा दिलाया कि जांच तथ्यों पर आधारित और निष्पक्ष होगी, ताकि दोषी चाहे पक्ष पर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। डीयू परिसर में यह मामला अभी तक थमा नहीं है और सभी की निगाहें अब दोनों जांच समितियों की रिपोर्ट पर टिकी हैं।

अधिकार क्षेत्र के बहाने भूमि सीमांकन में देरी नहीं की जा सकती : हाईकोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के बीच अधिकार क्षेत्र को लेकर चल रहे विवाद के कारण भूमि सीमांकन की प्रक्रिया को रोका नहीं जा सकता। अदालत ने दोनों एजेंसियों को साकेत तहसील के सतबरी गांव स्थित जमीन का सीमांकन छह माह के भीतर संयुक्त रूप से पूरा करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की कोर्ट ने यह आदेश गौरव गुलाटी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया, जिन्होंने अपने स्वामित्व वाली 13 बीघा व 15 बिस्वा कृषि भूमि का सीमांकन कराए जाने की मांग की थी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि सीमांकन कराने की जिम्मेदारी संबंधित प्राधिकारियों की है और मात्र अधिकार क्षेत्र का विवाद इस प्रक्रिया में बाधा का कारण नहीं बन सकता। अदालत को बताया गया कि उनके मुवक्किल को कुछ स्थानीय लोगों और पड़ोसी गांवों के निवासियों द्वारा अवैध कब्जे और अतिक्रमण की आशंका है। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता उस भूमि के वैध मालिक हैं, जिसका रिकॉर्ड राजस्व अभिलेखों खतौनी, खसरा में दर्ज है तथा पंजीकृत दस्तावेजों से भी स्वामित्व प्रमाणित होता है। याचिका में कहा गया कि बार-बार आवेदन देने के बावजूद सीमांकन नहीं किया गया, जिससे अब न्यायालय के हस्तक्षेप की आवश्यकता पड़ी। कोर्ट ने कहा कि प्रशासनिक भ्रम के चलते ऐसे कार्यों को लंबित नहीं रखा जा सकता। अदालत ने निर्देश दिया कि दोनों एजेंसियां किसी तीसरी स्वतंत्र संस्था के माध्यम से संयुक्त रूप से सीमांकन कराएं, ताकि पारदर्शिता और समन्वय बना रहे। अदालत ने यह भी कहा कि सीमांकन के समय याचिकाकर्ता या उनके प्रतिनिधि की मौजूदगी आवश्यक होगी और समस्त खर्च याचिकाकर्ता द्वारा वहन किया जाएगा। पूरा कार्य आदेश की तारीख से छह माह के भीतर पूरा किया जाना चाहिए।

बच्चों की मुस्कान ही दिल्ली की असली रोशनी: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली का पर्व इस बार दिल्ली के बालगृहों के बच्चों के लिए भी खास रहा, जब मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तीस हजारी स्थित दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के चिल्ड्रन होम फॉर ऑर्फनेज बॉयज़ में बच्चों के साथ दीपावली का उल्लास साझा किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ समय बिताया, उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं और उपहार प्रदान किए। उन्होंने बच्चों से स्नेहपूर्वक बातचीत भी की और उनके जीवन, पढ़ाई, रुचियों और भविष्य के सपनों के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का नहीं, बल्कि दिलों में रोशनी फैलाने का पर्व है। इन बच्चों की मुस्कान ही मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का संकल्प है कि हर बच्चे तक शिक्षा, सुरक्षा और स्नेह का वातावरण पहुंचे, ताकि वे आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी नागरिक बन सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह ईश्वर से प्रार्थना करती हैं कि सभी बच्चे जीवन में आगे बढ़ें, खुश रहें और सफलता प्राप्त करें। बाद में मुख्यमंत्री ने बताया कि आज बच्चों के साथ संवाद के दौरान उन्होंने उनसे हल्के-फुल्के अंदाज़ में कई प्रश्न पूछे, जैसे उनकी पसंद-नापसंद, भोजन की आदतें, अनुशासन और आपसी व्यवहार ताकि यह समझा जा सके कि वे अपने वातावरण में कितने सहज और प्रसन्न हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के उत्तर सुनकर उन्हें यह जानकर संतोष हुआ कि वे यहां सुरक्षित और खुश महसूस करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि दिल्ली सरकार द्वारा संचालित सभी बालगृहों और आश्रमों में बच्चों की समुचित देखभाल, शिक्षा और सुविधाएं सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार समाज के हर वर्ग तक खुशियां पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है, विशेष रूप से उन बच्चों तक जिन्हें परिवार और सहारे की सबसे अधिक आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने सभी बच्चों को दीपावली, भाई दूज और आगामी छठ पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि आप सभी की मुस्कान ही दिल्ली की असली रोशनी है।

पहले से अधिक भव्य, सुरक्षित होगा छठ पर्व : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कश्मीरी गेट स्थित यमुना नदी के वासुदेव घाट पहुंचकर छठ महापर्व की तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थल पर चल रहे सफाई, समतलीकरण, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार छठ पर्व को पहले से कहीं अधिक भव्य, सुरक्षित और व्यवस्थित रूप में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री के साथ इस निरीक्षण में दिल्ली सरकार के विकास व पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने

बताया कि यमुना का जल पहले से अधिक स्वच्छ और निर्मल हो गया है। इसमें झाग या अन्य प्रकार के प्रदूषण की कोई समस्या नहीं है। यमुना के विभिन्न घाटों की सफाई और समतलीकरण के लिए जेसीबी मशीनों द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। दिल्ली सरकार के सभी मंत्री, भाजपा विधायक और अधिकारी स्वयं मैदान में उतरकर तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। सरकार पल्ला से कालिंदी कुंज तक सभी घाटों पर सफाई, समतलीकरण और स्वच्छता के कार्य युद्धस्तर पर कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार कांवड़ यात्रा, रामलीला, दुर्गा पूजा और दीवाली जैसे आयोजन भव्य रूप से हुए हैं। इसी तरह इस बार छठ पर्व पर भी दिल्लीवासी 'बदली हुई दिल्ली का अनुभव करेंगे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ग्रीन पटाखों का ही प्रयोग करने का किया आग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नरक चतुर्दशी एवं छोटी दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए केवल प्रमाणित ग्रीन पटाखों का ही प्रयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सालों बाद दिल्ली में दिवाली का उत्सव फिर से अपने पूरे रंग और रोशनी के साथ मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने रविवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह शुभ पर्व हमारे जीवन से अज्ञान, नकारात्मकता और अहंकार रूपी अंधकार को दूर कर सत्य, सद्भाव और प्रकाश की दिशा में अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपों की यह पावन ज्योति सभी के जीवन में नई ऊर्जा, उत्साह और अपार खुशियां लेकर आए। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि वे हम सबके जीवन में शांति, समृद्धि और मंगल का प्रकाश सदा बनाए रखें। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने नरक चतुर्दशी व छोटी दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने जैसे नरकासुर का विनाश किया, वैसे ही आपके जीवन से सभी दुःखों का नाश हो। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए समस्त देशवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली बढ़े, जीवन का हर क्षण आनंदमय हो, यही कामना है। शिक्षा मंत्री ने कि इस दिवाली स्वदेशी की भावना को सशक्त बनाकर प्रकाश के इस उत्सव का जश्न मनाएं। उन्होंने कहा कि हर बार जब हम स्थानीय रूप से निर्मित उत्पाद चुनते हैं, तो हम भारत के कारीगरों, उद्यमियों और छोटे व्यवसायों को मजबूत करते हैं – जो हमारी अर्थव्यवस्था की असली रीढ़ हैं। आशीष सूद ने कहा कि आइए स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करने और उन्हें उपहार में देने में गर्व महसूस करें, और यह सुनिश्चित करें कि समृद्धि का प्रकाश हमारे देश के हर घर तक पहुंचे।

जनता और पुलिस की भागीदारी से ही स्थापित हो सकती है सुरक्षा व्यवस्था : एसएचओ सुरेंद्र सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। त्योहारों के मद्देनज़र शमां एजुकेशनल एंड पॉलिटेक्निक सोसाइटी, नागरिक सुरक्षा समिति और जाफराबाद आरडब्ल्यूए के संयुक्त तत्वावधान में थाना जाफराबाद परिसर में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में क्षेत्र की सुरक्षा, सौहार्द और शांति व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

थाना जाफराबाद के एसएचओ इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 'जनता और पुलिस की संयुक्त भागीदारी से ही समाज में शांति, व्यवस्था और अमन-भाईचारा स्थापित किया जा सकता है।' उन्होंने कहा कि त्योहारों के समय सभी नागरिकों को सतर्क रहना चाहिए और किसी भी अफवाह या भड़काऊ संदेश को सोशल मीडिया पर साझा करने से बचना चाहिए।

एसएचओ सुरेंद्र सिंह ने लोगों से अपील की कि यदि किसी संदिग्ध व्यक्ति या लावारिस वस्तु पर नज़र पड़े तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। उन्होंने कहा कि 'त्योहार खुशियाँ बाँटने का अवसर होते हैं, इसलिए हमें दूसरों की आस्था और परंपराओं का सम्मान करते हुए मिलजुलकर इन्हें मनाना चाहिए।'

संस्था के महासचिव डॉ. फहीम बेग ने कहा कि जागरूक नागरिक पुलिस की आँख और कान होते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था पिछले 20 वर्षों से दिल्ली पुलिस और सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर अमन, शांति और भाईचारे को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभा रही है। इस वर्ष भी संस्था का उद्देश्य यही रहेगा कि किसी की आस्था को ठेस न पहुँचे और किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न न हो। डॉ. बेग ने कहा कि 'हमें कॉलोनियों

और बाजारों में सतर्क रहकर त्योहारों की खुशियाँ बरकरार रखनी हैं।'

इस अवसर पर डॉ. सैयद एहतेशाम, डॉ. खुर्शीद आलम, मोहम्मद साबिर, आसिफ अंसारी, शमसुद्दीन, फाजिल खान, सरताज अहमद, अनीस कसार, नफीसुद्दीन, मोहम्मद शाहिद, नफीस नबी, सलीम मालिक, हाफ़िज़ स्वालेहीन, फिरोज खान, मुनीर अहमद, नसीमुद्दीन, हैदर अली, युसूफ मिर्जा, आसिफ इदरीसी, श्रीमती रेणु और शाहाना खान सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने एसएचओ सुरेंद्र सिंह और थाना पुलिसकर्मियों को दीपावली की शुभकामनाएँ दीं और मिठाइयाँ बाँटकर एकता व सौहार्द का संदेश दिया।

सीएम पर हमले के आरोपी के खिलाफ 400 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल

-पुलिस ने आरोपी सकरिया राजेशभाई खिमजीभाई और उसके दोस्त सैयद तहसीन रजा पर दायर किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने सिविल लाइंस स्थित कैंप कार्यालय में जन सुनवाई कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला करने के आरोपी के खिलाफ मजिस्ट्रेट अदालत में लगभग 400 पृष्ठों का आरोपपत्र दाखिल किया है। आरोपी सकरिया राजेशभाई खिमजीभाई और उसके दोस्त सैयद तहसीन रजा पर हत्या का प्रयास, हमला करना और लोक सेवक को उसके कर्तव्य निर्वहन में बाधा डालना और आपराधिक षडयंत्र के आरोप शामिल हैं। मजिस्ट्रेट ने शनिवार को अंतिम रिपोर्ट पर संज्ञान लेने के बाद मामले की आगे की कार्यवाही 30 अक्तूबर के लिए स्थगित कर दी। अंतिम रिपोर्ट के अनुसार, खिमजीभाई इसलिए नाराज थे क्योंकि मुख्यमंत्री ने 11 अगस्त के सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का समर्थन किया था जिसमें अधिकारियों को लावारिस कुत्तों को अन्यत्र स्थानांतरित करने का निर्देश दिया गया था। आरोपपत्र में 40 से अधिक गवाहों के बयान शामिल हैं। गुप्ता पर 20 अगस्त की सुबह लगभग 8ः15 बजे उनके कैंप कार्यालय में आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम के दौरान हमला हुआ। उनके कार्यालय ने इसे उनकी हत्या की एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा बताया। मुख्यमंत्री के कार्यालय के अधिकारियों ने बताया कि डॉक्टरों ने उनकी जांच की और उनकी एमएलसी (मेडिको-लीगल केस) जांच की गई।

अगर यमुना सच में साफ है तो एक लीटर पानी पीकर दिखाइए: आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के दिल्ली अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक सौरभ भारद्वाज ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय नेता परवेश वर्मा को खुला चुनौती देते हुए कहा है कि यदि यमुना वास्तव में स्वच्छ हो गई है तो वे दोनों साथ मिलकर यमुना का एक लीटर पानी पीकर दिखाएँ। भारद्वाज ने यह प्रतिक्रिया तब दी जब मुख्यमंत्री ने छठ पर्व से पहले कालिंदी कुंज घाट का दौरा कर यमुना की साफ-सफाई का दावा किया।

भारद्वाज ने अपने बयान में यह भी कहा कि नदी के ऊपर दिखने वाले झाग को हटाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे रासायनिक छिड़काव से झाग कम दिख सकता है, परन्तु इसका अर्थ यह नहीं है कि प्रदूषण समाप्त हो गया है। उन्होंने सवाल उठाए कि क्या दिल्ली सरकार ने हरियाणा या अन्य स्रोतों से आ रहे नालों को बंद किया है, या क्या किसी बड़े समझौते के कारण नदी के वास्तविक प्रदूषण में कमी आई है – उनका तर्क था कि ऐसा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कालिंदी कुंज घाट पर निरीक्षण के दौरान छठ व्रतियों के लिए यमुना को झागमुक्त और सुरक्षित बताने का आश्वासन दिया था और प्रशासन द्वारा घाटों की सफाई व सुरक्षा की तैयारियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया था। सरकार ने कहा कि नालों और सीवेज प्रबंधन में सुधार तथा तलछट हटाने जैसे उपाय किए गए हैं, जिनके कारण नदी की स्थिति में सुधार दिख रहा है।

विपक्ष ने, विशेषकर आम आदमी पार्टी के नेताओं ने, सरकार पर यह आरोप लगाया है कि प्रशासन झाग को हटाने के लिए 'एंटी-फोम' या डिफोमर नामक रासायनिक का प्रयोग कर रहा है – जबकि विशेषज्ञ और विपक्षी दल कहते हैं कि ऐसे रसायन केवल झाग को तोड़ते हैं या बनने से रोकते हैं; वे नदी के वास्तविक रासायनिक प्रदूषण और सीवेज प्रवाह को समाप्त नहीं करते। सोशल मीडिया और समाचार एजेंसियों पर साझा वीडियो में कुछ स्थानों पर झाग दिखने तथा कुछ स्थानों पर छिड़काव होते संदेश भी प्रसारित हुए हैं, जिससे विवाद और गहरा गया है।

आप के नेता भारद्वाज ने यह भी आरोप लगाया कि वही प्रकार का रासायनिक छिड़काव जिसे पहले लागू किया जाता था, वर्तमान सरकार भी कर रही है – और पहले परवेश वर्मा ने इन्हीं रसायनों को नुकसानदायक बताया था; अब स्थिति में आए इस विपर्यास पर उन्होंने तंज भी कसा। भारद्वाज ने मीडिया से कहा कि यदि मुख्यमंत्री और परवेश वर्मा सार्वजनिक रूप से यमुना का एक लीटर पानी पीकर दिखाएँ तो वह स्वीकार कर लेंगें कि नदी सचमुच साफ हो गई है।

पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि नदी के स्वास्थ्य का निर्णय केवल झाग की अनुपस्थिति से नहीं किया जा सकता; जल की रासायनिक और जैविक गुणवत्ता, नाइट्रोजन-फॉस्फोरस का स्तर, सीओडी/बीओडी मान तथा जल में घुले हुए विषैले घटक ही असली संकेतक हैं। यदि केवल झाग को तोड़ने वाले रसायन प्रयोग कर दिए जाएँ तो तात्कालिक दृश्य प्रभाव तो मिल सकता है, पर नदी के सम्पूर्ण पुनरुद्धार के लिए नालों का रुकना, सीवेज ट्रीटमेंट का सुदृढ़ीकरण और लम्बी अवधि के निगरानी उपाय आवश्यक हैं – यह बात कई प्रकाशित रिपोर्टों में भी बताई जा रही है।

राजनीतिक मोर्चे पर यह मुद्दा नगर निगम, राज्य सरकार और केन्द्र सरकार के बीच आगामी सार्वजनिक बहस का विषय बनता दिख रहा है। छठ पर्व से ठीक पहले यह विवाद नगरवासी और श्रद्धालुओं के बीच भी चिंता का कारण बन गया है कि पर्व की पवित्रता और सुरक्षा किस हद तक सुनिश्चित होगी। विपक्ष ने तत्काल पारदर्शिता, त्वरित जलगुण परीक्षण और स्वतंत्र पर्यावरण निगरानी की मांग की है।

सीएम श्री स्कूलों की शुरुआत से दिल्ली का शिक्षा तंत्र होगा और मजबूत -रोमेश गुप्ता

-भाजपा सरकार काम करने में विश्वास रखती है, प्रचार में नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने 75 सरकारी स्कूलों को 'सीएम श्री स्कूल' में परिवर्तित करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में शिक्षा निदेशालय द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है, जिसके तहत शैक्षणिक सत्र 2025-26 से ये सभी विद्यालय सीएम श्री स्कूल के रूप में संचालित होंगे। इस निर्णय का स्वागत करते हुए भाजपा शाहदरा जिले के महामंत्री एवं दिल्ली नगर निगम शिक्षा समिति के पूर्व चेयरमैन रोमेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि इस पहल से दिल्ली का शिक्षा तंत्र और अधिक सशक्त एवं आधुनिक बनेगा। उन्होंने कहा कि 'भाजपा सरकार काम करने में विश्वास रखती है, दिखावे में नहीं। सीएम श्री स्कूल इसका स्पष्ट उदाहरण हैं।' गुप्ता ने बताया कि शिक्षा निदेशालय ने अलग-अलग क्षेत्रों में स्थित राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, सर्वोदय को-एड विद्यालय, गवर्नमेंट सर्वोदय विद्यालय, गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सर्वोदय बाल विद्यालय और सर्वोदय कन्या विद्यालय सहित कई स्कूलों को नई श्रेणी में शामिल किया है। उन्होंने कहा कि फ्रट्रिपल इंजन की सरकार—केंद्र, राज्य और नगर निगम—रोजाना दिल्ली की जनता के हित में नए-नए निर्णय ले रही है। रेखा गुप्ता सरकार ने अपने शुरुआती छह महीनों में जितनी योजनाएं शुरू की हैं, उतनी आम आदमी पार्टी की सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल में भी नहीं की थीं।' रोमेश गुप्ता ने आगे कहा कि भाजपा सरकार प्रचार पर नहीं, कार्य पर विश्वास करती है, जबकि पिछली सरकारें अपने ही गुणगान में समय और धन दोनों खर्च करती थीं। शिक्षा निदेशालय ने जिला उप-शिक्षा निदेशकों और सहायक शिक्षा निदेशकों (एस्टेट) को विद्यालयों में फर्नीचर, बिजली, सफाई और पानी की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश भी दिए हैं ताकि नई पहल का लाभ सीधे विद्यार्थियों तक पहुँच सके। गुप्ता ने बताया कि सीएम श्री स्कूल, केंद्र सरकार के पीएम श्री स्कूल मॉडल पर आधारित हैं।

सेवा बस्ती के बच्चों संग मनाई गई दिवाली, लकुलीश योग विश्वविद्यालय और 'घर' एनजीओ ने मिलकर किया आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीपावली के पावन अवसर पर लकुलीश योग विश्वविद्यालय के डॉ. दिव्यांश जैन और घर एनजीओ (एक सफर घर से लंबी उड़ान का...) ने सेवा बस्ती के बच्चों के साथ एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य समाज के वंचित वर्ग के बच्चों के बीच प्रेम, उल्लास और सेवा की भावना को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दिल्ली प्रांत सह बौद्धिक प्रमुख सतीश शर्मा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दिल्ली प्रांत के रोहित गुप्ता तथा दिल्ली पुलिस से अमित विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में सतीश शर्मा ने भगवान श्रीराम के जीवन आदर्शों, मर्यादा, धनतेरस, रूप चौदस, दीपावली, गोवर्धन और भैया दूज जैसे पर्वों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 'दीपावली केवल उत्सव का नहीं, बल्कि सदाचार, अनुशासन और सेवा भावना के संकल्प का पर्व है।' वहीं, रोहित गुप्ता ने सेवा भावना पर प्रेरणादायक वक्तव्य देते हुए बच्चों को समाज के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहने का संदेश दिया। डॉ. दिव्यांश जैन ने कहा कि 'दीवाली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि यह हमारे भीतर के अंधकार को मिटाकर ज्ञान, प्रेम और सेवा का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा देती है।'

इस अवसर पर बच्चों ने गीत, योग, खेल और आरती में उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने मिलकर दीप जलाए और दिवाली की आरती कर एकता व सद्भाव का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को मिठाइयाँ और उपहार वितरित किए गए। कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि ऐसे प्रयासों के माध्यम से समाज के हर वर्ग को एक साथ लाने और सेवा के भाव को मजबूत करने का उद्देश्य है, ताकि हर बच्चा खुशहाल और सम्मानजनक जीवन जी सके।

संक्षिप्त समाचार

मूक-बधिक समाज का अभिन्न अंग, सभी सम्मान पूर्वक करें व्यवहार : हरीश

पलवल। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा पलवल के प्रधान एवं जिला उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने रविवार को जिला सचिवालय में दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में मूक-बधिर कल्याण संघ के सदस्यों के लिए लंच का आयोजन किया। इस अवसर पर जिला प्रशासन पलवल के सभी प्रशासनिक अधिकारी भी लंच में शामिल हुए।उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि समाज को मूक-बधिर के प्रति अधिक संवेदनशील रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग इनकी भावनाओं को समझे। उन्होंने समाज से आह्वान करते हुए कहा कि मूक-बधिर भी समाज का एक अभिन्न अंग हैं। हम सभी को इनकी बेसिक भाषा का ज्ञान होना जरूरी है, ताकि हम मूक-बधिक की भावनाओं और उनकी जरूरतों को समझ सकें। उपायुक्त ने कहा कि मूक-बधिर कल्याण संघ के सदस्यों की संवेदनाओं को समझने के लिए जिला प्रशासन ने इनके साथ दीपावली मनाने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि समाज को सदैव मूक-बधिर व्यक्तियों की फीलिंग को समझते हुए उनके साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करना चाहिए।इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त जयदीप कुमार, एसडीएम ज्योति, एसडीएम बलीना, सीईओ जिला परिषद जितेंद्र कुमार, द सहकारी चीनी मिल पलवल की प्रबंध निदेशक द्विजा, सीटीएम अप्रतिम सिंह, जिला रेडक्रॉस सोसायटी पलवल के सचिव बिजेंद्र कुमार, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी बिजेंद्र कुमार के अलावा अन्य जिला स्तर के अधिकारी उपस्थित रहे। इस मौके पर उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने सभी को दीवाली की शुभकामनाएं दी और जिला रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से सभी मूक-बधिर कल्याण संघ के सदस्यों को कम्बल भेंट किए।

पलवल में चोरी का प्रयास विफल, चोरों ने दुकानदार पर किया गाड़ी चढ़ाने का प्रयास

पलवल। पलवल जिले के हथीन बस स्टैंड के पास एक दुकान में बीती रात अज्ञात चोरों ने चोरी का प्रयास किया। चोरों ने दुकान का शटर तोड़ दिया, लेकिन दुकानदार के मौके पर पहुंचने से पहले वे भागने लगे। इस दौरान चोरों ने दुकानदार पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश भी की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना हथीन बस स्टैंड स्थित कम्युनिकेशन एंड इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान पर हुई।दुकान मालिक अनिल कुमार, निवासी वार्ड नंबर 6, हथीन ने बताया कि वे रोजाना की तरह रात को दुकान बंद कर घर चले गए थे। देर रात लगभग ढाई बजे पड़ोसियों ने फोन पर सूचना दी कि किसी ने दुकान का शटर तोड़ने का प्रयास किया है। सूचना मिलते ही अनिल अपने साथी रोकेश के साथ बाइक पर मौके पर पहुंचे।दुकान पर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि तीन लोग एक गाड़ी में और कुछ पैदल भागने की कोशिश कर रहे थे। दुकानदार ने गाड़ी वालों को रोकने की कोशिश की, लेकिन चोरों ने उल्टा गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की और मौके से फरार हो गए। चोरी की वारदात में चोर दुकान का ताला तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन सामान चोरी नहीं कर पाए। पीड़ित अनिल कुमार ने हथीन थाना पुलिस को शिकायत दी है। थाना प्रभारी किशन लाल ने रविवार को बताया कि अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि जल्द से जल्द आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जा सके।

गैस सिलेंडर लीक होने से रेस्टोरेंट में लगी आग

फरीदाबाद। सेक्टर-15 मार्केट स्थित एक रेस्टोरेंट के किचन में गैस सिलेंडर लीक होने से रेस्टोरेंट में आग लग गई। आग लगते ही रेस्टोरेंट के अंदर अफरा-तफरी मच गई और कर्मचारी तुरंत बाहर भागे। मौके पर मौजूद ग्राहकों को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मार्केट एसोसिएशन के प्रधान आलोक कुमार और नीरज कुमार ने बताया कि हादसा शनिवार देर रात को हुआ। आग लगते ही रेस्टोरेंट के कर्मचारियों ने सबसे पहले किचन के बाहर रखे सिलेंडरों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया ताकि किसी बड़े विस्फोट की आशंका न रहे। इसके बाद उन्होंने अंदर रखे कीमती सामान और रेस्टोरेंट के उपकरणों को बाहर निकालना शुरू कर दिया। इस दौरान तीन ग्राहक भी मौजूद थे, जो सुरक्षित बाहर निकल आए। आग के कारण करीब 15 प्रतिशत सामान जलकर खाक हो गया, जबकि बाकी सामान को कर्मचारियों ने और फायर ब्रिगेड की टीम ने मिलकर बचा लिया। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाडिय़ां पांच मिनट में मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। रेस्टोरेंट के अंदर धुआं भर जाने के बावजूद किसी को चोट नहीं आई। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने तेजी से कार्रवाई की, कर्मचारियों को आग बुझाने के लिए कई घंटे रड़ी मशक्कत करनी पड़ी। सेक्टर-15 चौकी इंचार्ज ओमप्रकाश ने बताया कि रेस्टोरेंट ठीक मार्केट के बीचोंबीच स्थित है और त्योहारी सीजन के कारण उस समय वहां लोगों की भीड़ थी। चौकी के सामने ही रेस्टोरेंट होने के कारण पुलिस राइडर टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। पुलिस कर्मियों ने भी रेस्टोरेंट के अंदर रखे सामान को बाहर निकालने और लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की।

सेक्टर-28 के सरकारी स्कूल में बेहतर होंगी सुविधाएं

फरीदाबाद। सेक्टर-28 स्थित राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों को अब खुले आसमान के नीचे पढ़ने की आवश्यकता नहीं होगी। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद ने स्कूल में चार नए कमरे बनाने का टेंडर जारी किया है। इसके अलावा फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी की प्रयोगशालाएं भी बनाई जाएंगी। इसके लिए 5743421 रुपये खर्च किए जाएंगे। सेक्टर-28 स्थित सरकारी स्कूल में दो हजार से अधिक विद्यार्थी पढ़ाई करते हैं। इनके बैठने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। इसके चलते कुछ कक्षाओं को बरामदों में चलाया जाता है। अब ऐसा नहीं होगा।

स्कूल में चार नए कमरे बनाए जाएंगे। स्कूल बनने से छात्रों को शिक्षा का बेहतर माहौल भी मिलेगा।खुले में कक्षाएं लगने से छात्रों को पढ़ाई का माहौल नहीं मिलता। बता दें कि सेक्टर-28 के सरकारी स्कूल में अप्लाइड लर्निंग स्किल भी है। यहां पर छात्रों के कौशल विकास में सहयोग किया जाता है। कमरे बनने से कौशल विकास के कई नए कोर्स भी शुरू किए जा सकते हैं। प्रयोगात्मक ज्ञान भी बेहतर होगा किसी भी पाठ को प्रयोग के माध्यम से आसानी से समझाया जा सकता है। इसी उद्देश्य से हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी की प्रयोगशाला बनाने का फैसला किया। प्रयोगशाला बनने से छात्रों को पाठ्यक्रम को समझाने में आसानी होगी। साथ ही आने वाले समय में छात्रों के बोर्ड परीक्षाओं अच्छे अंक भी आएंगे। बता दें कि बोर्ड कक्षाओं के परिणाम के मामले में फरीदाबाद कई वर्षों से प्रदेश में 20 स्थान पर आ रहा है। इस स्थिति में भी सुधार की संभावना है। सेक्टर-28 सरकारी स्कूल में चार नए कमरे और विज्ञान के तीनों विषयों की प्रयोगशाला का भी निर्माण शुरू होगा। संभवतया तीन से चार महीनों में चारों कमरों और प्रयोगशाला का काम शुरू हो जाएगा।

-डॉ. मनोज मित्तल, उप शिक्षा अधिकारी

मानव अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु आयोग को सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दीपावली, गोवर्धन पूजा, विश्वकर्मा दिवस एवं भाई दूज दी बधाई

नई दिल्ली। सौरभ वार्ष्णेय

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के सभी नागरिकों को दीपावली, गोवर्धन पूजा, विश्वकर्मा दिवस और भाई दूज के पावन पर्वों के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही, उन्होंने हरियाणा सरकार के तीसरे कार्यकाल के एक वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेशवासियों के सहयोग और विश्वास के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया है।

नायब सिंह सैनी ने अपने संदेश में कहा कि दीपावली का पवित्र त्यौहार प्रकाश, समृद्धि और सौहार्द का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमारे त्योहार हमारी संस्कृति की पहचान है। ये हमें एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सहयोग और एकता की भावना को और मजबूत करने की प्रेरणा देते है। गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और पर्यावरण संरक्षण के महत्व की याद

दिलाती है। विश्वकर्मा दिवस हमारे कारीगरों, शिल्पकारों और श्रमिकों के अमूल्य योगदान को सम्मान देने का अवसर है, जो प्रदेश की प्रगति की नींव हैं। भाई दूज का पर्व भाई-बहन के अटूट रिश्ते को और सुदृढ़ करता है, जो हमारी सांस्कृतिक विरासत का गौरव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल के एक वर्ष में जनकल्याण, समावेशी विकास और सुशासन के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं।

किसानों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए शुरू की गई योजनाओं ने लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धियां प्रदेशवासियों के अटूट समर्थन और सहयोग का परिणाम हैं।

श्री सैनी ने प्रदेशवासियों से अपील की कि दीपावली के इस अवसर पर पर्यावरण के प्रति जागरूक रहें, प्रदूषण मुक्त उत्सव मनाएं और स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं। मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना भी की ।

नायब सरकार ने किसानों की दीपावली की बढाई मिठास, गन्ने के समर्थन मूल्य में की बढ़ोतरी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दीपावली के पावन अवसर पर गन्ना किसानों को बड़ी राहत प्रदान करते हुए गन्ने के समर्थन मूल्य में वृद्धि की घोषणा की है। इस महत्वपूर्ण निर्णय के तहत हरियाणा सरकार ने देश में सबसे अधिक गन्ना मूल्य प्रदान करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है,

जो किसानों की आय बढ़ाने और उनकी आर्थिक समृद्धि सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

अगेती किस्म के गन्ने का रेट 400 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 415 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। वहीं पछेती किस्म का रेट 393 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 408 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है।

यह मूल्य वृद्धि गन्ना किसानों के लिए दीपावली का तोहफा है, जो उनकी मेहनत और समर्पण को सम्मान देने के साथ-साथ उनकी आर्थिक स्थिति को और मजबूत करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार का यह निर्णय न केवल किसानों के हित में है बल्कि राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान करने वाला है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। गन्ना किसानों को देश में सबसे अधिक समर्थन मूल्य देकर हम उनके जीवन में समृद्धि और खुशहाली लाने का प्रयास कर रहे हैं। यह निर्णय दीपावली के पर्व को और अधिक उज्ज्वल व मीठा बनायेगा।

हरियाणा सरकार का यह कदम किसानों के प्रति उसकी संवेदनशीलता और समर्पण को दर्शाता है। यह पहल न केवल गन्ना किसानों को प्रोत्साहित करेगी बल्कि अन्य राज्यों के लिए भी एक मिसाल कायम करेगी।

टेंडर अवधि खत्म होने से पहले ही एजेंसी ने बंद किया आवारा कुत्तों का टीकाकरण

गुरुग्राम। गुरुग्राम में आवारा कुत्तों के टीकाकरण और नसबंदी कार्यक्रम को एक बड़ा झटका लगा है। नगर निगम (एमसीजी) द्वारा आवारा कुत्तों के टीकाकरण के लिए जिस एजेंसी को ठेका दिया गया था, उसने टेंडर समाप्त होने से तीन महीने पहले ही, बिना किसी ठोस कारण या नोटिस के काम करना बंद कर दिया है। यह तब हुआ जब निगम ने एजेंसी पर कार्य में लापरवाही को लेकर सख्ती बरतना शुरू किया। बता दें कि निगम ने इस एजेंसी को दो साल के लिए आवारा कुत्तों के टीकाकरण का टेंडर दिया था, जिसकी अवधि दिसंबर माह तक थी। निगम अधिकारियों का कहना है कि एजेंसी ने अचानक काम बंद कर दिया है, जिसके कारण आवारा कुत्तों के टीकाकरण का कार्य पूरी तरह से ठप हो गया है।

बताया जा रहा है कि यह एजेंसी पिछले पांच साल से कुत्तों के टीकाकरण के नाम पर केवल खानापूर्ति कर रही थी। जैसे ही निगम अधिकारियों ने कार्य की गुणवत्ता और निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सख्ती बरती, एजेंसी ने बिना किसी पूर्व सूचना के काम करना बंद कर दिया। निगम द्वारा लगातार नोटिस जारी किए जाने के बाद भी एजेंसी न तो काम पर लौट रही है और न ही निगम अधिकारियों से संपर्क कर रही है। बढ़ेगा खतरा, व्यवस्था पर सवाल- एजेंसी के इस कदम से निगम की पूरी व्यवस्था पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। शहर में आवारा कुत्तों की संख्या पहले से ही एक बड़ी समस्या है, और अब टीकाकरण का काम बंद हो जाने से रेबीज जैसी बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ जाएगा। निगम अब इस मामले में कानूनी कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है, वहीं जल्द से जल्द एक नई एजेंसी को यह काम सौंपने की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी भी की जा रही है, ताकि आवारा कुत्तों के नियंत्रण कार्यक्रम को फिर से पटरी पर लाया जा सके। जोन अनुसार चार एजेंसियों को काम सौंपने है तैयारी एजेंसी द्वारा टेंडर समाप्त पूरा होने से पहले ही काम बंद करने के बाद अब निगम ने नई एजेंसियों को टेंडर देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। निगम द्वारा चारों जोन में अलग-अलग एजेंसी को यह काम सौंपने की तैयार कर ली है। निगम ने चारों जोन में एजेंसी नियुक्त करने के लिए टेंडर प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। निगम अधिकारियों का दावा है कि अगले माह के अंत तक नई एजेंसियों द्वारा कुत्तों के टीकाकरण और नसबंदी का काम शुरू कर दिया जाएगा। निगम द्वारा लगाए गए टेंडर 24 अक्तूबर को खोले जाने हैं। एजेंसी ने बिना किसी सूचना के आवारा कुत्तों के टीकाकरण और नसंबदी करने का काम बंद कर दिया है।

हरियाणा ओलंपिक का नया लोगो जारी

गुरुग्राम। हरियाणा ओलंपिक राज्य स्तरीय खेलों के लिए नया लोगो जारी कर दिया गया है। यह लोगो शंख के आकार में बनाया गया है, जिसमें चारों ओर अलग-अलग खेलों में भाग लेते हुए खिलाड़ियों के चित्र बनाए गए हैं। इसमें हॉकी, साइक्लिंग, दौड़ और भारोत्तोलन जैसे कई खेलों की झलक दिखाई देती है। यह लोगो राज्य के खिलाड़ियों की ऊर्जा, उत्साह और खेल भावना को दर्शाता है। शंख के रूप में इसे तैयार करने के पीछे कुरुक्षेत्र की पौराणिक पहचान के साथ-साथ नई शुरुआत, सकारात्मक ऊर्जा और शुभता का संदेश देने का उद्देश्य है। इसी के साथ, हरियाणा ओलंपिक खेलों के अंतर्गत गुरुग्राम को चार खेलों की मेजबानी की जिम्मेदारी दी गई है। यहां हॉकी, टेबल टेनिस, हैंडबॉल और एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इन खेलों की तैयारियां जोरों पर हैं और खेल विभाग के अधिकारी मैदानों और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। खिलाड़ियों में आगामी राज्य स्तरीय मुकाबलों को लेकर जोश देखने को मिल रहा है। जिले के खेल अधिकारी आरती कोहली का कहना है कि शहर में होने वाले ये मुकाबले खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का बेहतरीन अवसर देंगे।

सब-जूनियर राष्ट्रीय जूडो ट्रायल में जिले के खिलाड़ियों का हुआ चयन

गुरुग्राम। 18 अक्तूबर को करनाल में सब-जूनियर राष्ट्रीय जूडो ओपन ट्रायल का आयोजन किया गया। इसमें जिले से कई खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में जिले के अजित स्टेडियम में अभ्यास करने वाले खिलाड़ी सुष्मा, चंदा और सुमंत का चयन हुआ। 44 किग्रा में सुष्मा, 48 किग्रा में चंदा और 50 किग्रा में सुमंत ने स्वर्ण पदक जीता। यह खिलाड़ी अब आगामी राष्ट्रीय सब-जुनियर जूडो ओपन प्रतियोगिता में हरियाणा का नाम रोशन करेंगे। प्रशिक्षक सुचिका हुड्डा ने बताया कि इन तीनों खिलाड़ियों ने शुरुआती दिनों से ही बड़े जुनून और लगन से अभ्यास किया है। वे शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस चयन पर परिवार के लोगों का कहना है कि इनकी इस सफलता पर हमें बहुत गर्व है। हमें पूरा विश्वास है कि हमारे बच्चे आगे भी इसी तरह से मेहनत और लगन से अभ्यास करेंगे और जीत कर आएंगे।

छठ पूजा घाटों पर गंदगी पसरी

मिलेनियम सिटी में छठ पूजा की तैयारी शुरू हो गई है। लेकिन छठ घाटों पर गंदगी, मलबा और बारिश का पानी जमा होने की समस्या बनी है। यह कूड़े-कचरे और दूषित पानी जमा है। इसमें राजेंद्रा पार्क, ज्योति पार्क, देवी लाल कॉलोनी में समेत घाट शामिल है। इन घाटों पर एक से दो लाख तक श्रद्धालु छठ पूजा करने आते हैं। छठ पूजा समितियों की ओर से घाट पर इस बार परेशानी बनी है। छठ घाट गंदगी से पटा- राजेंद्रा पार्क के छठ घाट गंदगी से पटा है।

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी में छठ पूजा की तैयारी शुरू हो गई है। लेकिन छठ घाटों पर गंदगी, मलबा और बारिश का पानी जमा होने की समस्या बनी है। यह कूड़े-कचरे और दूषित पानी जमा है। इसमें राजेंद्रा पार्क, ज्योति पार्क, देवी लाल कॉलोनी में समेत घाट शामिल है। इन घाटों पर एक से दो लाख तक श्रद्धालु छठ पूजा करने आते हैं। छठ पूजा समितियों की ओर से घाट पर इस बार परेशानी बनी है। छठ घाट गंदगी से पटा- राजेंद्रा पार्क के छठ घाट गंदगी से पटा है। हर साल छठ घाट पर दर्जनों छठव्रती पूजा करने आते हैं।ऐसे में छठ घाटों की साफ-सफाई के साथ छठव्रतियों को पहुंचने के लिए सुगम मार्ग की बहुत आवश्यक है। जिस जगह पर छठव्रती अर्घ देंगे, वहां का पानी भी दूषित हो चुका है। समय रहते छठ घाट की साफ-सफाई व रास्ते की मरम्मत नहीं कराई गई तो लोगों को काफी परेशानी होगी। दीपावली के बाद नहाय खाय के साथ छठ महापर्व के चार दिवसीय महाअनुष्ठान की शुरुआत होगी। प्रशासनिक स्तर पर भी अभी शुरूआत नहीं हुई है। उसे लेकर पूजा समिति के लोगों से बैठक कर तैयारियों को लेकर टीमें बना दी है। छठ घाट पर गंदगी और दूषित पानी की समस्या- शक्ति पार्क के छठ घाट पर गंदगी और दूषित पानी की समस्या गंभीर है। परंतु छठ घाट की सफाई नहीं कराई जाए। छठव्रती को पूजा करने में परेशानी बनीं। यहां पर मलबा व कूड़ा जगह-जगह देखा जा सकता है। इस जगह पर चार साल पहले छठ पूजा में पूर्व मुख्यमंत्री भी थे। उन्होंने पक्का घाट बनाने का वादा किया था। लेकिन वादा के मुताबिक यहां पर कोई कार्य नहीं हुआ है। छठ घाट की साफ सफाई अभी शुरू नहीं की गई है। समय रहते साफ सफाई नहीं करने और व्यवस्था ठीक नहीं होने से व्रतियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। निगम अधिकारियों से मिले चुके हैं समिति के लोग- शक्ति पार्क इलाके में छठ घाट के निर्माण और उसके आसपास सफाई की मांग को लेकर पूजा समिति के पदाधिकारियों ने नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त यश जालूका से मुलाकात कर चुके है। उनसे मांग चुके है हर साल जहां वे छठ पूजा का आयोजन करते हैं। लेकिन काफी मात्रा में कूड़ा और मलबा जमा है। इसे हटाने की मांग की गई है। जिला प्रशासन छठ घाटों की सफाई कराए- डाक्टर राजेन्द्र प्रसाद फाउंडेशन के अध्यक्ष राजेश पटेल ने कहा कि छठ घाट के हालात बद से बदत्तर है। राजेन्द्रा पार्क के धर्म कांटे वाली गली के छठ पूजा व तालाब के पास कूड़ा और गंदगी है। शक्ति पार्क और देवी लाल कॉलोनी के छठ घाट पर दूषित पानी भरा हुआ है। जिसकी सफाई के बिना छठ पूजा होना संभव नहीं है। जिला प्रशासन छठ घाटों की सफाई कराई जाएगी। दीवाली के बाद छठ पूजा शुरू हो जाएगा।

छोटी दीपावली पर मिठाई, सजावट का सामान, गिफ्ट विक्रेताओं की रही चांदी

गुरुग्राम। शहर में रविवार को छोटी दीपावली के अवसर पर मिठाई की दुकानों, सजावट के सामान की दुकानों, बिजली की लडिय़ों की दुकानों और गिफ्ट की दुकानों पर लोगों ने खूब खरीदारी की। धरतेरस के बाद छोटी दीवाली पर भी दुकानदारों की चांदी रही। मॉल्स हो या शहर के बाजार, हर जगह ग्राहकों की अपार भीड़ नजर आई।

साथ ही दिवाली को लेकर शहर में बिजली की लडिय़ों से भव्य सजावट की गई है। धनतेरस से दीपावली के पांच दिवसीय पर्व का शुभारंभ हो गया।

दिवाली त्योहार को लेकर पिछले कई दिनों से गुरुग्राम में इमारतें रंग-बिरंगी लडिय़ों से जगमगा रही हैं।

हवाई चित्र से देखा गया तो गुरुग्राम किसी बड़े विकसित शहर से कम नजर नहीं आया। पूरा गुरुग्राम रंगीन रोशनी से नहाया हुआ नजर आया।

नए गुरुग्राम की सजावट से यह क्षेत्र बैंकॉक जैसा नजर आया। हर इमारत रंगीन रोशनी से बेहद ही खूबसूरत नजर आई। दीपावली पर्व को लेकर दिनभर लोगों ने बाजारों में खरीदारी की।

नागरिक अस्पताल में छह बेड का बर्न वार्ड बनकर तैयार

गुरुग्राम। सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल में छह बेड का अस्थायी बर्न वार्ड तैयार किया गया है। हर साल दिवाली के समय पटाखे जलाते समय कई लोग गंभीर रूप से जल जाते हैं जिनके उपचार के लिए इस वार्ड बनाया गया है।अस्पताल प्रशासन के अनुसार, यह वार्ड विशेष रूप से हल्के और मध्यम श्रेणी के जलने वाले मामलों के तुरंत इलाज के लिए बनाया गया है। यहां आवश्यक सिलिंडर व प्रशिक्षित चिकित्सा स्टाफ की व्यवस्था की गई है। यदि किसी मरीज की हालत गंभीर रहती है तो उसे दिल्ली के सफदरगंज अस्पताल में रेफर किया जाएगा। चिकित्सा अधिकारियों से अपील की है कि वे पटाखे जलाते समय सतर्कता बरते और बच्चों को निगरानी में रखें। अस्पताल प्रशासन ने यह भी बताया कि इमरजेंसी सेवाएं 24 घंटे उपलब्ध रहेंगी और बर्न वार्ड के डॉक्टरों की टीम को विशेष रूप से ड्यूटी पर तैनात किया गया है।अस्पताल में दिवाली के दौरान पटाखों से जलने की घटनाओं को देखते हुए छह बेड का अस्थायी बर्न वार्ड तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य घायल लोगों को तुरंत प्राथमिक उपचार करना है। गंभीर मरीजों को सफदरगंज अस्पताल रेफर किया जाएगा।

दीपावली पर मुख्यमंत्री से हरियाणा मूल के युवा अधिकारियों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शिष्टाचार भेंट की

हरियाणा के युवाओं ने देशभर में अपने परिश्रम और ईमानदारी से राज्य का नाम रोशन किया : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। ब्यूरो

दीपावली के पावन अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से आज चंडीगढ़ स्थित आवास संत कबीर कुटीर पर देश की विभिन्न सेवाओं में कार्यरत हरियाणा मूल के युवा अधिकारियों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शिष्टाचार भेंट की है।

इस दौरान अधिकारियों एवं समाजसेवियों ने मुख्यमंत्री को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और राज्य के सतत विकास एवं सुशासन की दिशा में उनके नेतृत्व की सराहना की। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सभी को दीपावली की मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व प्रकाश, सत्य और सेवा के मार्ग पर चलने

की प्रेरणा देता है। उन्होंने उपस्थित युवाओं से देश और समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के युवाओं ने देशभर में अपने परिश्रम और ईमानदारी से राज्य का नाम रोशन किया है। उन्होंने अधिकारियों को अपनी कार्यशैली में पारदर्शिता, समर्पण और जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रेरणा दी। बैठक के दौरान सौहार्दपूर्ण वातावरण में राज्य और राष्ट्र के विकास से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत 2047 का संकल्प देश के युवाओं के समक्ष रखा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आप सभी युवा अधिकारी जिस भी क्षेत्र में कार्यरत हैं, राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत को अपनाकर इस संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।मुख्यमंत्री ने पिछले 11 वर्षों में हरियाणा की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य ने विकास और सुशासन के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने बताया कि ई-गवर्नेंस के माध्यम से प्रशासन को पारदर्शी, जवाबदेह और सुलभ बनाया गया है। इसके साथ ही बिना पर्ची, बिना खर्ची की नीति के तहत युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरियां देकर उनके सपनों को साकार किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचाने के लिए कटिबद्ध हैं। इस मुलाकात ने युवा अधिकारियों में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार किया, जिससे वे हरियाणा और देश की प्रगति में और अधिक योगदान देने के लिए प्रेरित हुए।

दीपावली भौतिक ही नहीं, आत्मिक उजाले का महापर्व

ललित गर्ग

दीपावली का संबंध अनेक ऐतिहासिक, धार्मिक और दार्शनिक प्रसंगों से जुड़ा है। इसी दिन भगवान रामचंद्रजी चौदह वर्ष के वनवास और रावण पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे थे। यह धर्म, मयार्दा और सत्य की विजय का प्रतीक बना। प्राचीन हिन्दू महाकाव्य महाभारत अनुसार कुछ दीपावली को 12 वर्षों के वनवास व 1 वर्ष के अज्ञातवास के बाद पांडवों की वापसी के प्रतीक रूप में मानते हैं।

दीपावली केवल दीपों का ही पर्व नहीं है बल्कि यह आत्मा के भीतर बसे अंधकार को मिटाने की साधना का अनुष्ठान है। यह भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जो जन-जन के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली का उजास फैलाती है। पांच दिवसीय इस उत्सव की श्रृंखला धनतेरस से आरंभ होकर भाई दूज तक चलती है, पर इसका अर्थ केवल उत्सव नहीं, बल्कि एक गहन आध्यात्मिक यात्रा है। दीपावली केवल एक त्योहार नहीं, इसका धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी है। दीपावली का संदेश है कि सच्चा उजाला बाह्य नहीं, बल्कि भीतर में होना चाहिए। हमारी आंतरिक 'उज्ज्वलता' ही सच्ची 'धन्यता' है, वही हमारे कर्म, करुणा और विवेक का उजाला है। यह पंच दिवसीय पर्वों की श्रृंखला भीतर बसे अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष और लोभ जैसे नरकासुरों को समाप्त करने का दुर्लभ अवसर है। दीपावली का मूल भाव है अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, नकार से स्वीकार की ओर बढ़ना। जब लाखों दीप जलते हैं, तो वे केवल घरों को नहीं, हृदयों को भी प्रकाशित करते हैं। प्रत्येक दीप हमें यह संदेश देता है कि परिस्थितियाँ चाहे कैसी भी हों, जीवन में धर्म के दीप जलते रहना है, बुझना नहीं।

दीपावली का संबंध अनेक ऐतिहासिक, धार्मिक और दार्शनिक प्रसंगों से जुड़ा है। इसी दिन भगवान रामचंद्रजी चौदह वर्ष के वनवास और रावण पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे थे। यह धर्म, मयार्दा और सत्य की विजय का प्रतीक बना। प्राचीन हिन्दू महाकाव्य महाभारत अनुसार कुछ दीपावली को 12 वर्षों के वनवास व 1 वर्ष के अज्ञातवास के बाद पांडवों की वापसी के प्रतीक रूप में मानते हैं। जैन परंपरा में यह दिन अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक है, क्योंकि इसी दिन भगवान महावीर का निर्वाण हुआ और इसीलिए इसे महावीर निर्वाण दिवस कहा जाता है। महावीर का निर्वाण केवल देह का अंत नहीं था, बल्कि आत्मा की पूर्ण जागृति का क्षण था, जब उन्होंने संसार के अंधकार में मोक्ष का शाश्वत दीप प्रज्वलित किया। बौद्ध परंपरा में यह दिन बुद्धत्व की स्मृति का प्रतीक है, वहीं सिक्ख परंपरा में यह दिन गुरु हरगोविंदजी के कारावास से मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है, जब उन्होंने अन्य कैदियों को भी मुक्त कराया था। इन सभी प्रसंगों में एक अद्भुत एकता झलकती है-अंधकार से मुक्ति, ज्ञान से आलोक और अहंकार से आत्मा की ओर यात्रा। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' अर्थात अन्धकार की ओर नही, प्रकाश की ओर जाओ, यह उपनिषदों की आज्ञा है।

दीपावली अब केवल राष्ट्रीय ही नहीं, अन्तर्राष्ट्रीय पर्व बन गया है। दीपावली को विशेष रूप से हिंदू, जैन और सिख समुदाय के साथ विशेष रूप से दुनिया भर में मनाया जाता है- श्रीलंका, पाकिस्तान, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिजी, मॉरीशस, केन्या, तंजानिया, दक्षिण अफ्रीका, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो, नीदरलैंड, कनाडा, ब्रिटेन शामिल संयुक्त अरब अमीरात, और संयुक्त राज्य अमेरिका। भारतीय संस्कृति की समझ और भारतीय मूल के लोगों के वैश्विक प्रवास के कारण दीपावली मनाने वाले देशों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। कुछ देशों में यह भारतीय प्रवासियों द्वारा मुख्य रूप से मनाया जाता है, अन्य दूसरे स्थानों में यह सामान्य स्थानीय संस्कृति का हिस्सा बनता जा रहा है।

दीपावली का एक और महत्त्वपूर्ण पहलू है गोवर्धन पूजा, जो प्रकृति के प्रति आभार का प्रतीक है। यह हमें सिखाती है कि समृद्धि केवल मनुष्य की मेहनत से नहीं, बल्कि प्रकृति की कृपा से भी मिलती है। गाय, अन्न, जल, वृक्ष, मिट्टी-सबका सम्मान ही सच्ची पूजा है। भाई दूज इस श्रृंखला का अंतिम दिन है, जो स्नेह और पारस्परिक विश्वास का दीप जलाता है। यह पर्व केवल बहन-भाई के संबंधों का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन में प्रेम, सहयोग और संरक्षण के भाव को पुष्ट करने का अवसर है। दीपावली का मूल भाव अंधकार दूर भगाना है। जीवन को सुख और समृद्धि की रोशनी से जगमग करना है। एक पौराणिक कथा के अनुसार विंष्णु ने नरसिंह रूप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था तथा इसी दिन समुद्रमंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए। कई लोग दीपावली को भगवान विष्णु की पत्नी तथा उत्सव, धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी से जुड़ा हुआ मानते हैं। आज दीपावली का स्वरूप भले ही भव्य और चकाचौंध से भरा हो, पर इसका सच्चा अर्थ है भीतर के दीप को जलाना। जैसे हम घरों की सफाई करते हैं, वैसे ही अपने मन की सफाई भी आवश्यक है। ईर्ष्या, क्रोध, स्वार्थ और असत्य का अंधकार मिटे, और उसकी जगह सच्चाई, सहिष्णुता, करुणा और सेवा का उजास फैले-यही दीपावली का सार है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'सच्चा दीपक वही है जो अंधकार में राह दिखाए, न कि केवल सजावट बने।' यदि हम एक दीप अपने भीतर जलाएं-मानवता का, विनम्रता का, और सहअस्तित्व का तो यही सबसे बड़ा पूजन होगा।

दीपावली का पर्व ज्योति का पर्व है। दीपावली का पर्व पुरुषार्थ का पर्व है। यह आत्म साक्षात्कार का पर्व है। यह अपने भीतर सुषुप्त चेतना को जगाने का अनुपम पर्व है। यह हमारे आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का पर्व है। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। उसका प्रकाश शाश्वत प्रकाश है। वह स्वयं में बहुत अधिक देदीप्यमान एवं प्रभामय है। इसी संदर्भ में महात्मा कबीरदासजी ने कहा था-'बाहर से तो कुछ न दीसे, भीतर जल रही जोत'। जो महापुरुष उस भीतरी ज्योति तक पहुँच गए, वे स्वयं ज्योतिर्मय बन गए। युद्ध, आतंकवाद, भय, हिंसा, प्रदूषण, अनैतिकता, ओजोन का नष्ट होना आदि समस्याएँ इक्कीसवीं सदी के मनुष्य के सामने चुनौती बनकर खड़ी है। आखिर इन समस्याओं का जनक भी मनुष्य ही तो है। मनुष्य को मोह का अंधकार भगाने के लिए धर्म का दीप जलाना होगा। जहाँ धर्म का सूर्य उदित हो गया, वहाँ का अंधकार टिक नहीं सकता।

दीपावली का संदेश सीमित नहीं है; यह हमें समाज, संस्कृति और मानवता के स्तर पर नया दृष्टिकोण देता है। यह केवल दीपों की पंक्तियाँ नहीं, बल्कि जीवन की दिशा है। हम केवल अपने घर को नहीं, बल्कि किसी और के जीवन को भी रोशन करेंगे। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि प्रकाश की सबसे बड़ी जीत तब होती है जब वह अंधकार के सबसे गहरे कोने में पहुँचता है। हरिवंश राय बच्चन के शब्दों में-'दीप जलाओ लेकिन ऐसे, जिसमें धुआँ न हो; उजाला हो, पर अहंकार न हो।' जब भीतर का दीप जलता है, तो बाहरी दीप स्वतः दीप्तिमान हो उठते हैं। दीपावली पर्व की सार्थकता के लिए जरूरी है, दीये बाहर के ही नहीं, दीये भीतर के भी जलने चाहिए। क्योंकि दीया कहीं भी जले उजाला देता है। दीए का संदेश है-हम जीवन से कभी पलायन न करें, जीवन को परिवर्तन दें, क्योंकि पलायन में मनुष्य के दामन पर बुजदिली का धब्बा लगता है, जबकि परिवर्तन में विकास की संभावनाएँ जीवन की सार्थक दिशाएँ खोज लेती हैं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट के अहम आदेश से लोगो की भावनाओ का सम्मान

सुप्रीम कोर्ट ने त्योहारों पर लोगो की भावनाओ का सम्मान करते हुए दो अहम फैसले को केंद्र में रखकर लोगो को दीपावली की भेंट अर्पित कर दी है। करोड़ो लोगो का दिल जीत लिया है। पर्यावरण से दिल्ली - एनसीआर के नागरिकों को काफी कुछ सहन करना पड़ता है। दीपावली पर की जाने वाली आतिशबाजी से शहर का वातावरण प्रदूषित हो जाता है। जिससे लोगो को स्वांस लेने में दिक्कते आती है। हर वर्ष दिल्ली और एनसीआर की हवा प्रदूषित होती है। सरकार दिल्ली में पटाखो पर प्रतिबंध लगा देती है। लेकिन इस बार दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को गुहार लगाकर सीमित समय के लिए पटाखो की अनुमति की मांग की थी। इसको मद्देनजर रखते हुए माननीय सुप्रीम कोर्ट ने ग्रीन पटाखो की सशर्त मंजूरी दी है। दिल्ली एनसीआर में सीमित समय के लिए ग्रीन पटाखो को जलाने की अनुमति दी गई है। इस फैसले से युवाओ के चेहरे खिल उठे है। दरअसल, पटाखे जलाने की सुप्रीम की मंजूरी से करोड़ो लोगो के मन मे खुशी की लहर है। दीपावली भारत का सांस्कृतिक त्योहार है। बारह महीने में एक बार आने वाले इस सूचिता के पर्व पर हर व्यक्ति के मन मे उमंग रहती है कि वे भी आतिशबाजी कर खुशी के इस पर्व को खूब मनाए। लेकिन पर्यावरण के लिए खतरा बनता धुंआ शहर की हवा में जहर घोलता है। जिससे दीपावली के बाद शुरूआती दिनों में लोगो को स्वांस लेने मेंबहुत तकलीफ सहन करनीं पड़ती है। स्वांस लेने मेंअमूमन लोगो को मुश्किलें पैदा हो जाती है। इसको ध्यान में रखकर माननीय सुप्रिम कोर्ट ने दीपावली पर्व पर तीन दिन के लिए ग्रीन पटाखे की अनुमति दी है। जिससे लोगो के मन मे खुशी है। पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट का स्वागतयोग्य फैसला है। दीपावली पर्व का हर व्यक्ति को बेसब्री से इंतजार रहता है। । दीपावली पर युवाओ के मन मे उदासीनता देखी जा रही थी कि इस बार पटाखो का लुफ्त नही उठा सकेंगे। परन्तु माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले से युवाधन खुश है। कोर्ट ने हिन्दुओ की भावनाओ का सम्मान किया है। जबकि हर वर्ष दीपावली पर दिल्लीवासियों को पटाखे जलाने के लिए वंचित रखा जाता था। आम आदमी की सरकार प्रतिवर्ष दिल्ली -एनसीआर में आतिशबाजी पर प्रतिबंध लगा देती थी। सांस्कृतिक और धार्मिक पर्व दीपावली पर हिन्दुओ की भावनाओ को ठेस पहुंचाई जाती थी। क्योकि हर वर्ष एक ही चर्चा रहती थी कि इस बार भी पटाखे नही जला सकेंगे? लोगो की भावनाओ को ठेस पहुंचाने का कार्य पूर्ववर्ती सरकारे करती आ रही थी। सुप्रीम के इस फैसले का विपक्षी दलों ने विरोध किया है।

चिंतन-मनन

जीवन का अर्थ बताती है अर्थी

जीवन भर व्यक्ति इसी सोच में उलझा रहता है कि उसका परिवार है, बीबी बच्चे हैं। इनके लिए धन जुटाने और सुख-सुविधाओं के इंतजाम में हर वह काम करने के लिए तैयार रहता है जिससे अधिक से अधिक धन और वैभव अर्जित कर सके। अपने स्वार्थ के लिए व्यक्ति दूसरों को नुकसान पहुंचाने के लिए भी तैयार रहता है। जबकि हर व्यक्ति के शरीर में आत्मा रूप में बसा ईश्वर गलत तरीके से, दूसरों को अहित पहुंचाकर लाभ पाने के लिए मना करता है। लेकिन जब व्यक्ति आत्मा की बात नहीं सुनता है तो आत्मा मौन धारण कर लेती है। आत्मा को उस दिन का इंतजार रहता है जब व्यक्ति अर्थी पर पहुंचता है। इस समय व्यक्ति को जीवन का अर्थ और आत्मा की कही बातें याद आती है। लेकिन इस समय पश्चाताप के अलावा कुछ और नहीं बचता है। सब कुछ मिट्टी में मिल चुका होता है। आपने मृत व्यक्ति को बांस की फट्टियों पर लेकर जाते हुए कभी न कभी जरूर देखा होगा। बांस की फट्टियों पर जिस पर शव को लिटाया जाता है इसे अर्थी कहते हैं। अर्थी को उठाने के लिए चार कंधों की जरूरत पड़ती है। जब व्यक्ति की अर्थी उठायी जाती है उस समय आत्मा मृत व्यक्ति से कहती है देखो, तुम्हारी यही औकात है। तुम्हें खुद सहारे की जरूरत है, तुम झूठा अहंकार करते रहे कि तुम लोगों को आश्रय दे रहे हो। जिन लोगों के लिए तुम दिन रात धन-वैभव जुटाने में लगे रहे। आज वह संगी साथी परिवार तुम्हें विराने में ले जाकर अग्नि में समर्पित कर देगा। जीवन का मात्र यही अर्थ है। इसलिए अर्थी को जीवन का अर्थ बताने वाला कहा गया है। अर्थी ले जाते समय लोग जोर-जोर से नारे लगाते हैं राम नाम सत्य है, सब की यही गत्य है। नारे लगाने वाले लोग मृत व्यक्ति को और दुनियां को यह बताता है कि वास्तविक सत्य राम का नाम है। अंत में सभी की यही गति होनी है। इसलिए प्रभु का नाम भजते हुए ईमानदारी और सहृदयता के साथ जीवन जीना चाहिए।

मिलावटखोरों पर सर्जिकल स्ट्राइक से रुकेगी मिलावटखोरी ?

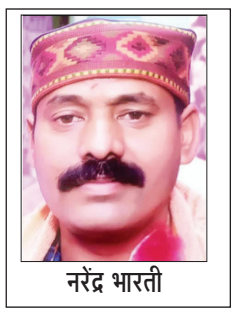

नरेंद्र भारती

कश्मीर सें कन्याकुमारी तक आजकल त्योहारों का सीजन जोरों पर है ।देश में नकली व मिलावटी मिठाईया बिक रही हैं और लाखों क्विंटल मिठाईयां बन रही है और बाजारों में पहुंच रही हैं। मिठाईयों की गुणवत्ता परखी जा रही है और बड़े पैमाने पर मिलावट भरी मिठाईयां जब्त की जा रही हैं ।देश के हर राज्य में प्रतिदिन छापेमारी हो रही है समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचारों के मुताबिक सहारनपुर दिल्ली हाईवे पर टीम ने 1100 किलों नकली पनीर पकड़ा गया जबकि मेरठ में 2500 किलों मिलावटी मावा जब्त किया गया ।लखनउ में खाद्ध सुरक्षा एंव औषधी प्रशासन ने 5000 किलों नकली मिठाई जब्त की है। मिलावटखोरो कुछ तो रहम कीजिये मानव के स्वास्थय से खिलवाड़ मत कीजिये त्यौहारी सीजन दिवाली, भैया दूज, धनतेरस में मिलावटखोर मुनाफा कमाने के चक्कर में घटिया किस्म की मिठाईयां बेचने से बाज नहीं आ रहे हैं। उतर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब , दिल्ली , हिमाचल , में नकली मिठाई पकड़ी जा रही है प्रतिदिन प्रशासन छापेमारी कर रहा है और मिलावट करने वालों पर शिकंजा कसा रहा है लेकिन यह मिलावट करने वाले सुधर नहीं रहे हैं । प्रतिदिन लोग पकड़े जा रहे हैं और नकली उत्पादों सें बनी नकली मिठाई नष्ट की जा रही है । मिठाईयों में रंग मिलाया जा रहा है । ऐसी जहर बनाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई करनी चाहिए इनके लाइसेंस रद्द करने चाहिए । देश में जहरयुक्त मिठाई बेचीं जा रही है कैसी विडंबना है की मिलावट करने वाले किसी की जान लेने से भी नहीं डरते हैं और खुलेआम उल्लंघ्न कर रहे हैं । तैयोहारी सीजन में नकली दूध, पनीर , मावा से मिठाईयां बनाई जा रही हैं । मिलावट का यह धंधा खूब फ्लफुल रहा है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 में सजा व जुमार्ना दोनों का प्रावधान है । वही आई पी सी की धारा 272 एवं 273 के अंतर्गत पुलिस प्रशासन को सीधे कार्रवाई की छूट है । नकली दूध बेचा जा रहा है जिससे लाईलाज बीमारिया हो रही हैं लोग कैंसर से ग्रस्त हो रहे हैं । मिलावट करने वाले चंद चांदी के सिक्कों के लिए यमराज बन गए हैं स प्रतिवर्ष पता नहीं कितने लोग इन मिलावटखोरों की वजह से मारे जा रहे हैं ऐसे लोगों को सजा ए मौत देनी चाहिए जो लालच में मौत बाँट रहे हैं नकली दूध से नवजात बच्चे मारे जा रहे हैं । आखिर इंसान किस ओर जा रहा है जो इंसानों की जान ले रहा है ऐसे लोगों को फांसी की सजा देनी चाहिए ताकि फिर कोई ऐसा जुर्म न कर सके प्रशासन अगर सक्रिय रहे तो लोगो की जान बच सके यह बहुत ही घिनौना जुर्म है ऐसे लोगों को हवालातों में डाला जाये और उम्रकेद की सजा दी जाये काल कोठरी में डाला जाये ताकि तिल तिल मर सके और मौत की भीख मांगे और ताउम्र अपने कर्मो को भुगत सके खाद्य विभाग को जागरूकता शिविर लगाने चाहिए तथा समाज के लोगों को इन मिलावट करने वालों की मिठाई का बहिस्कार करना चाहिए सयह देश हित में है देश में हर वर्ष लाखों क्विटंल मिलावटी मिठाई पकड़ी जाती है जिसे खाद्य विभाग के अधिकारी नस्ट कर देते हैं। मिलावट के मुख्य सरगनाओं को सार्वजनिक स्थानो पर सजा देनी चाहिए खाद्य मंत्रालय को अपना अभियान पूरा वर्ष जारी रखना चाहिए ताकि इन पर शिकंजा कसा रहे और मिलावट का यह काला धंधा पूरी तरह खत्म हो सके ।ताकि गैर कानूनी कारोबार करने वाले लोग बेनकाब हो सकें ।खाद्य विभाग की सक्रियता से इन मिलावटखोर माफिया के लोगों को पकडना होगा तभी इस पर पूर्ण रोक लग सकती हैं। समाज के लोगों को भी इस अभियान में सहयोग करना होगा ताकि इन मिलावट के माफियों का साम्राज्य खत्म किया जा सके ।अभी समय है फिर पछतानें कि सिवाय कुछ नहीं होगा ।मिलावट माफिया का सफाया करना होगा ताकि विश्व गुरु की साख पर दाग न लग सके ।देश में फैलते मिलावट माफिया के

लोगों के इस जाल को काटना समय की पुकार है यदि लोगों ने कोई कदम न उठाए तो भारत में मिलावटखोर माफियाओं की जडें इतनी फैल जाएगी कि इन्हे काटना बेहद मुशिकल हो जाएगा। अगर अब भी लापरवाही बरती तो यह कारोबार निर्बाध चलता रहेगा ।मिलावट करने वालों नागों का फन कुचलना होगा। ऐसे आपरेशन होते रहने चाहिए मिलावखोरों पर सर्जिकल स्ट्राइक की जानी चाहिए तभी इस पर पूर्ण रोक लग सकती है ।

(वरिष्ठ पत्रकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मौकापरस्त अमेरिका के दबाव में नही आ रहा है भारत

कांतिलाल मांडोत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि भारत अब रूस से तेल नही खरीदेगा ।गुरुवार को वाइट हाउस में पत्रकार परिषद को सम्बोधित करते हुए कहा कि मोदी मेरे अच्छे दोस्त है ।भारत के रूस से तेल खरीदने में मुझे खुशी नही थी ।मोदी ने मुझे भरोसा दिया है कि भारत रूस से तेल नही खरीदेगा ।लेकिन भारत के विदेश मंत्रालय ने जवाब देते हुए कहा कि हमारी आयात नीति हितों के आधार पर है ।भारतीय उपभक्ताओ के हितों की रक्षा करना हमारी निरन्तर प्राथमिकता रही है ।भारत ने कहा कि मोदी की ट्रम्प के साथ ऐसी कोई बातचीत नही हुई है ।उसी के साथ ट्रम्प का जुठ पकड़ा गया है ।अमेरिका भारत को अपने मुट्ठी में करना चाहता है ।भारत और अमेरिका अर्थक्रान्ति के साझा भविष्य है ।देश आजाद होने के बाद अमेरिका से भारत के साथ अच्छे रिश्ते नही रहे ।आजादी के बाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का झुकाव सोवियत संघ की तरफ था ।इसकी वजह से भारत की मानसिकता अमेरिका विरोध की थी ।भारत को वश में करने के लिए अमेरिका ने लगातार कोशिशें की ।भारत के साथ साथ अमेरिका पाकिस्तान का भी हिमायती बना रहा ।नेहरू के बाद भी देश मे वामपंथी विचारधारा के प्रभाव ने भारत और अमेरिका के सम्बन्धों में कभी इस तरह की गर्माहट महसूस नही होने दी,लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उनके पहले टर्म में भारत के साथ व्यापारिक रिश्ते मजबूत रखे थे ।दरअसल, भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत के बाद भारत को जलाने और भारत को कमजोर करने के लिए अमेरिका पाकिस्तान से द्विपक्षीय सम्बंध स्थापित करने लग गया ।अमेरिका पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ मजबूत रिश्ते रखने लगा है ।अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने पाकिस्तान को कभी भी शह नही दी ।नेहरू के बाद इंदिरा से लेकर काग्रेस के सभी प्रधानमंत्री अमेरिका की हाहजूरी करने में कोई कसर नही छोड़ी ।अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने भारत के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से न्यूयॉर्क में मुलाकात की तो दोनो नेताओ ने व्यक्तिगत स्तर पर तारतम्य स्थापित करने में जरा सी देरी नही की गई ।मनमोहन सिंह और तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने द्विपक्षीय बातचीत कर भारत और अमेरिका के सम्बन्धो को आगे बढ़ायाथा ।गौरतलब है कि पहले से ही कांग्रेस का झुकाव सोवियत संघ की तरफ ज्यादा होने के कारण अमेरिका ने करीब 66 साल तक भारत को दरकिनार करता रहा।

उल्लेखनीय है कि ओबामा के दो टर्म के बाद अमेरिका और भारत के रिश्ते पटरी पर आने लगे थे ।डोनाल्ड ट्रम्प को पहले ट्रम्प में यह समझ मे आया कि भारत के प्रति उसे अपने पारम्परिक नजरिया में बदलाव की जरूरत है ।तत्कालीन अमेरिका के राष्ट्रपति ओबामा 26 जनवरी पर विशेष अतिथि के रूप में केंद्र सरकार के निमंत्रण पर परेड में शामिल हुए ।उनको पहली बार परेड देखने का मौका मिला ।भारत की सैन्य ताकत देखने का मौका मिला । ओबामा ने अंदाज लगा दिया कि मोदी के नेतृत्व में भारत शक्तिशाली देश के रूप में उभर चुका है ।तब से अमेरिका भारत पर आफरीन है ।लेकिन इस वर्ष भारत दुनिया की तीसरी इकोनॉमी की तरफ कदम बढ़ाते देख अमेरिका अलर्ट मोड़ में आ गया ।क्योंकि उसको यह आभास हो गया कि अमेरिका फर्स्ट की अवधारणा किसी अन्य देश का हिस्सा न बन जाए ?तभी से भारत पर टैरिफ वार किया गया। 50 प्रतिश टैरिफ लगाने के लिए अमेरिका तैयार हो गया ।बारबार जुठ का सहारा लेकर अमेरिका भारत को दबाना चाहता है ।कारोबारी मानसिकता वाले डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में भारत कभी भी काम नही करेगा ।भारत ने स्वावलंबी अभिगम अपनाकर अर्थक्रान्ति के साझा भविष्य को पटरी पर लाने के लिए आत्मनिर्भर भारत का नारा दिया है ।दीपावली में स्वदेशी वस्तुओ को खरीदने के लिए मोदी ने आह्वान किया ।लोग भारत मे निर्मित वस्तुओ का इस्तेमाल कर भारत को मजबूत बनाने का लक्ष्य हासिल कर रहे है ।देश का धन देश मे रहेगा तो भारत जल्द तरक्की करेगा ।युवाओ का देश भारत नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चौतरफा परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है ।भारत की पहचान ऐशियाई ताकत के रूप में होने के बाद अमेरिका पचा नही पा रहा है ।डोनाल्ड ट्रम्प की पहली बार जीत के लिए भरतवंशी भी ट्रम्प की जीत के हिमायती थे ।ट्रम्प ने अवैध रूप से घुसपैठ करने वाले लोगो को हथकड़ी पहनाकर भारत भेजे गए,तब लोगो के मन मे यह विचार आया कि अमेरिका औ? भारत के बीच मजबूत रिश्ते होते हुए अमेरिका ऐसी हरकत क्यो कर रहा है? लोगो के जेहन में सवाल पैदा हो रहे थे ।क्योंकि भारत का विरोध करने का अमेरिका का पहला मौका था ।डेमोक्रेटिक हो या रिपब्लिकन, सभी अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमेशा भारत से ज्यादा पाकिस्तान को तरजीह देते रहे थे ।लेकिन काग्रेस ने कभी विरोध नही जताया ।मोदीं प्रधानमंत्री बनने के बाद अमेरिका जिस पटरी पर चल रहा था उसमें बदलाव देखा गया।

नई आर्थिक विश्वव्यवस्था में अमेरिका सहित दुनिया के तमाम विकसित व विकाशशील देशो के साथ कदमताल करते हुए भारत विकसित राष्ट्र की तरफ आगे बढ़ रहा है ।अमेरिका नही चाहता है कि भारत का नाम दुनिया मे बाला हो और अमेरिका फर्स्ट का तमगा किसी दूसरे देश के हाथों में चला जाए ।भारत को कमजोर करने के लिए कई देश लगे हुए है ।काग्रेस तो भारत को बदनाम करने के लिए विदेशों में लोकतंत्र पर हमला करती है ।उल्लेखनीय है कि भारतीय बाजार आज भी दुनिया को आकर्षित करने का दम रखता है ।कभी भारत मिश्रित अर्थव्यवस्था वाला देश था ।लेकिन मिश्रित अर्थव्यवस्था का तिलिस्म तो पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के समय मे ही टूटने लगा था ।बावजूद इसके मनमोहन सिंह देश की जनता को यह यकीन दिलाते रहे थे कि उदार आर्थिक नीतियां की दिशा में कदम बढ़ाते हुए ,गरीब और अमीरों के बीच संतुलन स्थापित करने की कोशिश कर रही है ।अब भारत आर्थिक महाशक्ति के रूप में छलांग लगा चुका है।

तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अमेरिका और भारत के बीच सामरिक साझेदारी को पूरी तरह से गोपनीय रखा था ।कूटनीति का तकाजा का हवाला देते हुए देश को जानकारीसाझा नही की गई ।लेकिन भारत और अमेरिका के बीच किस तरह से खिचड़ी पकी थी ।उसकी खबर पत्रकारों के साथ साझा करने में गोपनीयता बरती गई थी ।उसका कारण पाकिस्तान था ।इस तरह की मानसिकता कांग्रेस की रही है ।भला कोई भी सरकार देश से कोई बात कैसी छुपा सकती है?

अब भारत की परिस्थितिया और भारत की मानसिकता दोनो बदल चुकी है ।भारत ने महाशक्ति के रूप में ऊंची छलांग लगाई है ।इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ भी अमेरिका और भारत दोनो देश एक दूसरे के करीब है ।लेकिन उसके बावजूद पाकिस्तान के साथ रिश्ते रखने का मोह अमेरिका को छूटता नही है ।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आतंकवाद के लिए अपने देश मे संजीदा है ।पहले मुसलमानो के लिए अमेरिका में डाटा बेस बनाने की बात भी की थी ।भारत की बढ़ती हुई ताकत को काबू करने के लिए एटमी हथियारों की होड़ कई वर्षों पहले शुरू हो गई थी ।भारत अपना हित देखने के लिए कटिबद्ध है ।बार बार भारत पर दबाव करने वाला अमेरिका दो वर्ष में भारत को सेल्यूट करेगा ।आज तो मोदी के लिए ग्रेट शब्द इस्तेमाल किया गया है और कल भारत ग्रेट के नारों से दुनिया मे गूंज होगी।

आईओबी करेगा विस्तार, जल्द होगी 1,100 नई नियुक्तियां

नई दिल्ली इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा है कि बैंक का प्रदर्शन बीते ढाई वर्षों में लगातार बेहतर हुआ है। इस दौरान बैंक ने 85 लाख नए चालू और बचत खाते खोले हैं, जिनमें 24,000 करोड़ रुपए की जमा राशि है। इनमें से 95 फीसदी खाते बचत खाते हैं, जिस पर ब्याज खर्च कम होता है। 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में आईओबी का शुद्ध लाभ 57.79 फीसदी बढ़कर 1,226 करोड़ तक पहुंच गया। वहीं, बैंक की सकल एनपीए दर घटकर 1.83 फीसदी रह गई, जो पिछले वर्ष इसी तिमाही में 2.72 फीसदी थी। बैंक की शुद्ध ब्याज आय 20.53 फीसदी बढ़कर 3,059 करोड़ रुपए रही और कुल कर्ज में 20.79 फीसदी की वृद्धि हुई। बैंक अब तेजी से देशभर में विस्तार कर रहा है। अगले 6-8 महीनों में 234 नई शाखाएं बिहार, उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों में खोली जाएंगी। इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष में 1,100 नई नियुक्तियां की जा रही हैं, जिनमें से लगभग आधे लोग पहले ही शामिल हो चुके हैं।

अक्टूबर में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में किया 6,480 करोड़ का निवेश

लगातार तीन महीने की बिकवाली के बाद विदेशी निवेशकों ने फिर दिखाया भरोसा

नई दिल्ली लगातार तीन महीने तक भारतीय शेयर बाजार से पूंजी निकालने के बाद, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर 2025 में फिर से वापसी की है। डिपॉजिटरी आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने इस माह अब तक भारतीय शेयरों में शुद्ध रूप से 6,480 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इससे पहले एफपीआई ने जुलाई में 17,700 करोड़ रुपए, अगस्त में 34,990 करोड़ रुपए और सितंबर में 23,885 करोड़ रुपए की निकासी की थी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव भारत की मजबूत वृहद आर्थिक स्थिति के कारण आया है। मॉर्निंगस्टार इंडिया के हिमांशु श्रीवास्तव के अनुसार, भारत में स्थिर विकास दर, नियंत्रण में मुद्रास्फीति और मजबूत घरेलू मांग जैसे कारकों ने निवेशकों का विश्वास फिर से बहाल किया है। साथ ही, अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं और वैश्विक तरलता में सुधार ने भी एफपीआई की धारणा को सकारात्मक किया है।

अक्टूबर में आईपीओ की धूमःएलजी ने किया धमाका

नई दिल्ली अक्टूबर का महीना शेयर बाजार के लिए किसी बड़े उत्सव से कम नहीं रहा। इस दौरान कई बहुप्रतीक्षित आईपीओ ने बाजार में दस्तक दी और निवेशकों की नजरें इन पर टिकी रहीं। खासकर, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया, टाटा कैपिटल और वीवर्क इंडिया के आईपीओ ने चर्चा बटोरी। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने बाजार में 50 फीसदी के प्रीमियम के साथ धमाकेदार एंट्री की। 1,140 रुपए की इश्यू प्राइस के मुकाबले एनएसई पर यह 1,710 पर लिस्ट हुआ। हालांकि शुरुआती जोश के बाद शेयर गिरकर 1,627 रुपए तक आ गया, और फिलहाल 1,668 रुपए पर ट्रेड कर रहा है, यानी लिस्टिंग प्राइस से करीब 2 फीसद नीचे। टा ग्रुप की टाटा कैपिटल का आईपीओ निवेशकों में भरोसे के चलते सुर्खियों में रहा, लेकिन लिस्टिंग प्रीमियम सिर्फ 1.23 फीसदी रहा। एनएसई पर यह 330 रूपए पर लिस्ट हुआ और फिलहाल करीब 335 रूपए पर कारोबार कर रहा है। यह कंपनी विविध वित्तीय सेवाएं देती है और लॉन्ग टर्म निवेश के लिए उपयुक्त मानी जा रही है। वहीं, वीवर्क इंडिया का प्रदर्शन अपेक्षाकृत शांत रहा। 644.85 की लिस्टिंग के बाद शेयर 621 रुपए तक गिरा और अब 643 रुपए पर स्थिर है। को-वर्किंग स्पेस और हाइब्रिड ऑफिस मॉडल पर काम करने वाली इस कंपनी में लंबी अवधि में ग्रोथ की संभावनाएं देखी जा रही हैं।

आरबीएल बैंक में यूएई के एमिरेट्स एनबीडी ने किया 26,850 करोड़ का निवेश

अब तक की सबसे बड़ी विदेशी बैंकिंग डील

नई दिल्ली

भारत के बैंकिंग क्षेत्र में अब तक की सबसे बड़ी विदेशी डील होने जा रही है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के सबसे बड़े बैंक एमिरेट्स एनबीडी ने आरबीएल बैंक में लगभग 26,850 करोड़ रुपए (3 अरब डॉलर) निवेश कर 60 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की है।

यह निवेश 280 रुपए प्रति शेयर के भाव से किया जाएगा। यह सौदा प्रेफरेंशियल इश्यू के माध्यम से पूरा किया जाएगा, जिसके बाद एमिरेट्स एनबीडी शेष भारतीय शेयरधारकों से 26 फीसदी हिस्सेदारी के लिए अनिवार्य ओपन ऑफर लाएगा। इस डील को आरबीएल बैंक और एमिरेट्स एनबीडी दोनों के निदेशक मंडलों ने मंजूरी दे दी है। हालांकि, अंतिम रूप से यह डील भारतीय रिज़र्व बैंक, सेबी, शेयरधारकों और अन्य नियामकीय संस्थाओं की मंजूरी पर निर्भर करेगी। आरबीएल बैंक ने इस सौदे को लेकर 12 नवंबर 2025 को एक एक्स्ट्राऑर्डिनरी जनरल मीटिंग बुलाई है।

बैंक को उम्मीद है कि सभी मंजूरियाँ मिलने के बाद यह डील 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी हो जाएगी।

इस समझौते के तहत भारत में एमिरेट्स एनबीडी की मौजूदा शाखाओं का आरबीएल बैंक में विलय किया जाएगा।

इससे आरबीएल का कैपिटल बेस मजबूत होगा, लोन देने की क्षमता बढ़ेगी और दीर्घकालिक विकास योजनाओं को समर्थन मिलेगा।

एनसीएलटी ने टीवीएस की दिवाला याचिका खारिज की

नई दिल्ली राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की चंडीगढ़ पीठ ने टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस द्वारा दूरसंचार उपकरण निर्माता जीटीई टेलीकॉम इंडिया के खिलाफ दायर दिवाला याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 9 के तहत 4.27 करोड़ रुपए की बकाया राशि को लेकर दायर की गई थी। एनसीएलटी के सदस्य की पीठ ने कहा कि यह मामला पहले से विवादित था, और दोनों पक्ष 2017 से ही सुलह प्रक्रिया में शामिल थे। ऐसे में यह याचिका आईबीसी के तहत स्वीकार्य नहीं है। टीवीएस सप्लाई चेन, जो पहले टीवीएस लॉजिस्टिक्स सर्विसेज के नाम से जानी जाती थी, ने जीटीई पर आरोप लगाया था कि कंपनी ने 2012 से 2019 के बीच जारी कई इनवॉइस का आंशिक या देर से भुगतान किया। आरोप था कि जीटीई भुगतान में देरी के लिए चालानों में खामियों का बहाना बनाती रही। जीटीई ने 2018 में टीवीएस को पत्र भेजकर 5.60 करोड़ रुपए की विसंगतियों का दावा किया था, हालांकि कोई सहायक दस्तावेज नहीं दिए गए। एनसीएलटी ने इस पत्राचार को पूर्व से चला आ रहा विवाद मानते हुए कहा कि आईबीसी की धारा 9 तभी लागू होती है जब दावा निर्विवाद हो।

धनतेरस 2025: भारत में रिकॉर्ड चांदी खरीद, वैश्विक बाजार में मची हलचल

देश की सबसे बड़ी रिफाइनरी एमएमटीसी-पीएएमपी के स्टॉक खाली, लंदन में भी चांदी की भारी किल्लत

नई दिल्ली इस बार दिवाली और धनतेरस पर भारत में चांदी की अभूतपूर्व खरीदारी हुई, जिससे देश की सबसे बड़ी रिफाइनरी एमएमटीसी-पीएएमपी पहली बार स्टॉक से खाली हो गई। बाजार के जानकारों ने कहा कि उन्होंने अपने 27 साल के करियर में ऐसी खरीदारी पहले भी नहीं देखी। बाजार में भारी डिमांड के चलते सप्लाई बाधित हो गई है। भारत की इस जबरदस्त मांग का असर लंदन जैसे वैश्विक बाजारों पर भी पड़ा। वहां कई बैंकों ने ग्राहकों को चांदी की कीमत बताना तक बंद कर दिया, क्योंकि स्टॉक खत्म हो चुका था। विशेषज्ञों के अनुसार, यह स्थिति पिछले 45 वर्षों में सबसे गंभीर चांदी संकटों में से एक मानी जा रही है। चांदी की मांग बढ़ने के पीछे कई कारक बताए जा रहे हैं- जैसे पहला, सोशल मीडिया पर इसे अगला गोल्ड कहा जाने लगा, दूसरा सोने-चांदी का अनुपात 100=1 पहुंच गया, जिससे निवेशकों ने सस्ता विकल्प चुना, तीसरा सोलर इंडस्ट्री में चांदी की खपत तेजी से बढ़ रही है और चौथा डॉलर की कमजोरी ने भी निवेशकों को आकर्षित किया। लंदन वेयरहाउस में अब केवल 150 मिलियन औंस चांदी बची है, जबकि रोजाना का व्यापार करीब 250 मिलियन औंस है। अमेरिका और चीन में ईटीएफ और इंडस्ट्री की भारी खरीदारी से संकट और गहरा गया। हालांकि, न्यूयॉर्क के कॉमेक्स वेयरहाउस से 20 मिलियन औंस चांदी निकाले जाने के बाद कीमतों में 5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

दिवाली सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार की दिशा तय करेंगे 5 बड़े फैक्टर

मुंबई

दिवाली के त्योहार के चलते आने वाला सप्ताह ट्रेडिंग के लिहाज से छोटा रहेगा। 21 और 22 अक्टूबर को बाजार बंद रहेगा, जबकि 21 तारीख को 1:45 बजे से 2-45 बजे तक मुहूर्त ट्रेडिंग होगी।

इसके बावजूद बाजार का मूड पॉजिटिव बना हुआ है और तेजी जारी रहने की उम्मीद है। अगले सप्ताह कई बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे सामने आएंगे, जो निवेशकों के लिए अहम संकेत होंगे। अगर ये रिजल्ट्स उम्मीदों से बेहतर आते हैं, तो बाजार में तेजी और मजबूती आएगी। विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार तीसरे दिन भारत के शेयरों के नेट खरीदार बने हुए हैं। निफ्टी की अर्निंग्स में लगभग 8 फीसदी की बढ़ोतरी की उम्मीद है, जो विदेशी निवेशकों को आकर्षित कर सकता है।

रुपया डॉलर के मुकाबले मजबूती दिखा रहा है, जो निवेशकों के विश्वास को बढ़ाता है और बाजार में सकारात्मकता लाता है।

अमेरिका के महंगाई आंकड़े बाजार की दिशा को प्रभावित कर सकते हैं। यदि मुद्रास्फीति नियंत्रित रहती है, तो अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को स्थिर रख सकता है, जिससे भारतीय बाजार को फायदा होगा।

भारत और अमेरिका के बीच चल रही व्यापार बातचीत सकारात्मक माहौल में है।

अगर कोई ठोस समझौता होता है, तो यह सेंसेक्स और निफ्टी के लिए नई ऊंचाईयां तय कर सकता है।

धनतेरस पर कार बाजार में बंपर सेल, मारुति और हुंडई की रिकॉर्ड डिलीवरी

जीएसटी 2.0 की राहत और त्योहारों के जोश से ऑटो सेक्टर में आई नई रफ्तार

नई दिल्ली

धनतेरस 2025 ने देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। इस शुभ अवसर पर देश की दो प्रमुख कार कंपनियों मारुति सुजुकी इंडिया और हुंडई मोटर इंडिया ने जबरदस्त बिक्री दर्ज की। ग्राहक उत्साह, बाजार में सकारात्मक माहौल और सरकार की ओर से जीएसटी 2.0 के तहत टैक्स राहत जैसे कारकों ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। मारुति सुजुकी ने पहली बार धनतेरस पर 50,000 गाड़ियों की डिलीवरी का रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी के मार्केटिंग एंड सेल्स हेड के अनुसार, शनिवार शाम 6 बजे तक ही 38,500 गाड़ियां डिलीवर हो चुकी थीं और रविवार को 10,000 और डिलीवरी होने का अनुमान है। पिछले वर्ष दो दिन में 42,000 गाड़ियों की डिलीवरी हुई थी, जबकि इस बार यह आंकड़ा पार कर लिया गया। बनर्जी ने बताया कि पिछले एक महीने में कंपनी को 4.5 लाख बुकिंग्स मिलीं और 3.25 लाख गाड़ियां बिक चुकी हैं। छोटी गाड़ियों की मांग भी बनी रही, जिनमें से 94,000 यूनिट् की बिक्री हुई है। कंपनी के शोरूम पर भारी भीड़ देखी गई और पूजा के लिए पंडितों तक को बुलाया गया ताकि ग्राहक शुभ समय पर गाड़ी ले सकें। वहीं हुंडई मोटर इंडिया ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 14,000 गाड़ियों की डिलीवरी की, जो पिछले साल के मुकाबले 20 फीसदी अधिक है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि यह डिलीवरी कई दिनों में फैली है, जिससे हर ग्राहक को बेहतर अनुभव मिल सके। धनतेरस की इस बंपर बिक्री से स्पष्ट है कि त्योहारी मौसम और सरकारी नीतियां मिलकर ऑटो इंडस्ट्री को नई रफ्तार दे रही हैं। आने वाले महीनों में यह गति और भी तेज हो सकती है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से 7 के मार्केट कैप में 2.16 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

टीसीएस, इन्फोसिस और एलआईसी को नुकसान

नई दिल्ली

पिछले सप्ताह शेयर बाजार में सकारात्मक रुख देखने को मिला, जिससे बीएसई सेंसेक्स 1,451.37 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। इसका असर देश की प्रमुख कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) पर भी पड़ा। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से 7 कंपनियों के कुल बाजार मूल्यांकन में 2,16,544.29 करोड़ रुपए की जोरदार बढ़त दर्ज की गई। सबसे अधिक लाभ रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल को हुआ। रिलायंस का बाजार मूल्यांकन 47,363.65 करोड़ रुपए बढ़कर 19,17,483.71 करोड़ रुपए हो गया। वहीं, भारती एयरटेल ने 41,254.73 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 11,47,235.08 करोड़ रुपए का पूंजीकरण हासिल किया। एचडीएफसी बैंक के मूल्य में 33,185.59 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गई और इसका कुल बाजार पूंजीकरण 15,40,210.78 करोड़ पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक 40,123.88 करोड़ की बढ़त के साथ 10,26,491.35 करोड़ पर पहुंचा। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 28,903.45 करोड़ बढ़कर 6,65,899.19 करोड़ रुपए रहा। हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 17,774.65 करोड़ की वृद्धि हुई और भारतीय स्टेट बैंक ने 7,938.34 करोड़ रुपए जोड़े। वहीं दूसरी ओर इन्फोसिस, टीसीएस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी)को नुकसान उठाना पड़ा। इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 30,306.35 करोड़ घटकर 5,98,773.87 करोड़ रह गया। टीसीएस में 23,807.01 करोड़ और एलआईसी में 7,684.87 करोडि रुपए की गिरावट दर्ज की गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है, इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस और अन्य कंपनियां हैं।

इटली के मिलान शहर से दिल्ली की एयर इंडिया फ्लाइट रद्द

दिवाली से पहले भारतीय यात्रियों की यात्रा प्रभावित

नई दिल्ली इटली के मिलान शहर से दिल्ली आने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआई138 को हाल ही में तकनीकी खराबी के चलते अचानक रद्द कर दिया गया। यह फ्लाइट दिवाली से ठीक पहले भारत लौटने वाले सैकड़ों भारतीय यात्रियों के लिए अहम थी। तकनीकी दिक्कत के कारण विमान उड़ान भरने में असमर्थ रहा, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। एयर इंडिया ने बताया कि यह फैसला यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लिया गया। एयर इंडिया ने रद्द उड़ान के यात्रियों के लिए अस्थायी होटल और भोजन की व्यवस्था की है। कई यात्रियों को हवाई अड्डे के बाहर भी ठहराया गया है ताकि उन्हें अधिक असुविधा न हो। एयरलाइन ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई है। इसके साथ ही कंपनी ने कहा कि स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। एयर इंडिया ने 20 अक्टूबर से वैकल्पिक उड़ानों की बुकिंग शुरू कर दी है। सीटों की उपलब्धता के आधार पर सभी यात्रियों को जल्द से जल्द भारत भेजने का प्रयास किया जा रहा है।

वित्त वर्ष 2030 तक 45,000 करोड़ का निवेश करेगी हुंडई इंडिया

नई दिल्ली

ऑटो कंपनी हुंडई मोटर भारत में अपने लंबी अवधि के रोडमैप के तहत वित्त वर्ष 2030 तक 45,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। हुंडई मोटर ने घोषणा की कि कंपनी का लक्ष्य भारत को वैश्विक स्तर पर अपना दूसरा सबसे बड़ा बाजार बनाना है। इस निवेश का मुख्य उद्देश्य नए प्रोडक्ट लॉन्च, क्षमता विस्तार और अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) को सपोर्ट करना होगा। हुंडई मोटर कंपनी के अध्यक्ष और सीईओ जोस मुनोज ने एचएमआईएल के पहले इन्वेस्टर डे में कहा कि पिछले साल के ऐतिहासिक आईपीओ और भारत में 30 वर्षों की सफलता के बाद, कंपनी अब अगले चरण के विकास के लिए यह बड़ा निवेश कर रही है।

मुनोज के अनुसार, लगभग 60 प्रतिशत निवेश उत्पाद विकास और आर एंड डी में लगाया जाएगा, जबकि बाकी 40 प्रतिशत क्षमता विस्तार और अपग्रेडेशन पर खर्च किया जाएगा।

कंपनी ने यह भी लक्ष्य रखा है कि कुल उत्पादन का 30 प्रतिशत निर्यात किया जाएगा। अपने 2030 रोडमैप के तहत, हुंडई 26 नए मॉडल लॉन्च करेगी, जिनमें 7 नए नाम शामिल होंगे। कंपनी एमपीवी और ऑफ-रोड एसयूवी सेगमेंट में प्रवेश करेगी और 2027 तक अपनी पहली स्थानीय रूप से डिजाइन और निर्मित इलेक्ट्रिक एसयूवी लॉन्च करने की योजना बना रही है। इसके अलावा, 2027 तक हुंडई का

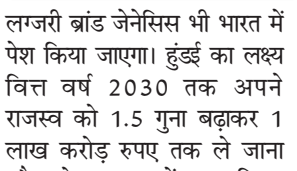

लग्जरी ब्रांड जेनेसिस भी भारत में पेश किया जाएगा। हुंडई का लक्ष्य वित्त वर्ष 2030 तक अपने राजस्व को 1.5 गुना बढ़ाकर 1 लाख करोड़ रुपए तक ले जाना और घरेलू बाजार में 15 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सेदारी हासिल करना है।

मारुति और टाटा की कारों की बिक्री में आया भारी उछाल

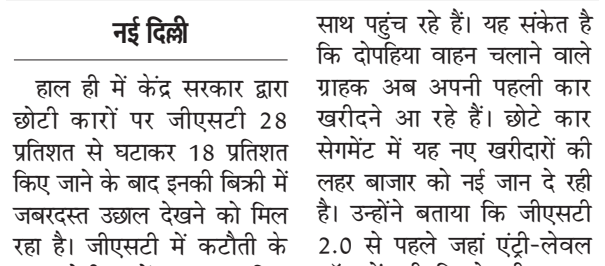

नई दिल्ली

हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा छोटी कारों पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किए जाने के बाद इनकी बिक्री में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। जीएसटी में कटौती के बाद छोटी कारें एक बार फिर आम ग्राहकों की पहुंच में आ गई हैं। नतीजा यह हुआ कि मारुति सुजुकी, जो इस सेगमेंट की मार्केट लीडर है, ने सिर्फ चार हफ्तों में करीब 4 लाख बुकिंग्स दर्ज की हैं।

इनमें से लगभग 80,000 बुकिंग्स ऑल्टो के10, एस-प्रेसो, सेलेरियो और वैगनआर जैसी छोटी कारों की हैं। इससे यह साफ हो गया कि लोगों का इन कारों से मोहभंग नहीं हुआ था, बल्कि ऊंची कीमतों ने ही उन्हें दूरी बना ली थी। मारुति के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सेल्स एंड मार्केटिंग) पार्थो बनर्जी के मुताबिक, हमने देखा है कि अब शोरूम में कई खरीदार हेलमेट के साथ पहुंच रहे हैं। यह संकेत है कि दोपहिया वाहन चलाने वाले ग्राहक अब अपनी पहली कार खरीदने आ रहे हैं। छोटे कार सेगमेंट में यह नए खरीदारों की लहर बाजार को नई जान दे रही है। उन्होंने बताया कि जीएसटी 2.0 से पहले जहां एंट्री-लेवल मॉडलों की हिस्सेदारी 16.7 प्रतिशत थी, अब यह बढ़कर 22.2प्रतिशत हो गई है। टाटा मोटर्स ने भी त्योहारी सीजन में शानदार बिक्री दर्ज की है। कंपनी के चीफ कमर्शियल ऑफिसर अमित कामत के अनुसार, हमारी हैचबैक कारें टियागो और अल्ट्रोज की बुकिंग्स इस साल पिछले साल की तुलना में 45 प्रतिशत अधिक रही हैं। ग्राहक न सिर्फ बुकिंग कर रहे हैं, बल्कि तेजी से डिलीवरी भी ले रहे हैं। जीएसटी में कटौती का यह कदम अब भारतीय ऑटो बाजार में फिर से छोटे कारों का दौर लौटाता दिख रहा है। जहां पहले एंट्री-लेवल कारें महंगी होकर आम लोगों की पहुंच से बाहर हो रही थी।

बहुप्रतीक्षित अपाचे आरटीएक्स 300 को भारत में लॉन्च

नईदिल्ली

बाइक निर्माण क्षेत्र की कंपनी टीवीएस ने अपनी बहुप्रतीक्षित अपाचे आरटीएक्स 300 को भारत में लॉन्च कर दिया है। इस लॉन्च के साथ, टीवीएस अब एडवेंचर टूरर सेगमेंट में भी कदम रख चुकी है। इस बाइक की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 1.99 लाख रुपए रखी गई है। नई अपाचे आरटीएक्स ब्रांड के नए प्लेटफॉर्म पर आधारित है और इसका मुकाबला केटीएम 250 एडवेंचर, येज्दी एडवेंचर और रॉयल एनफील्ड स्क्रैम 440 जैसे मॉडल से होगा। अपाचे आरटीएक्स 300 में 299सीसी, लिक्विड-ऑयल कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर आरटी-एक्सडी4 इंजन लगाया गया है, जो 9,000 आरपीएम पर 35.5 एचपी और 7,000 आरपीएम पर 28.5 एनएम का टॉर्क प्रदान करता है। पावर मिल को 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ बाई-डायरेक्शनल क्विकशिफ्टर, असिस्ट और स्लिपर क्लच से जोड़ा गया है। बाइक की स्टील ट्रेलिस फ्रेम और एल्युमीनियम डाईकास्ट स्विंगआर्म इसे मजबूत और स्थिर बनाते हैं। बड़ा फ्यूल टैंक, साइड फेंडर और पारदर्शी विंडस्क्रीन इसे भारी और एडवेंचर-योग्य लुक देते हैं। आगे की तरफ आंख के आकार वाले एलईडी हेडलैंप, एलईडी टर्न इंडिकेटर्स और चोंच जैसे प्रोजेक्शन इसे आक्रामक लुक देते हैं। रियर में स्प्लिट सीट और अलग लगेज रैक लंबी यात्राओं के लिए उपयुक्त हैं। टीवीएस अपाचे आरटीएक्स 300 में फुल-कलर टीएफटी डिस्प्ले है जो स्पीड, कॉल और एसएमएस अलर्ट, मैप मिररिंग और गोप्रो कंट्रोल जैसी सुविधाएं प्रदान करता है। इसमें चार राइड मोड्स टूर, रैली, अर्बन और रेन और सुरक्षा के लिए एबीएस, ट्रैक्शन कंट्रोल, क्रूज कंट्रोल और टीपीएसएम फीचर्स दिए गए हैं। अपाचे आरटीएक्स 300 कई आकर्षक रंगों में उपलब्ध है, जिनमें वाइपर ग्रीन, टार्न ब्रॉन्ज़, मेटैलिक ब्लू, लाइटनिंग ब्लैक और पर्ल व्हाइट शामिल हैं। इस लॉन्च के साथ टीवीएस ने भारतीय बाजार में एडवेंचर टूरर सेगमेंट में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। बाइक का इंजन टू-वे थर्मोस्टेट, इंटेलिजेंट एयर-फ्लो तकनीक और पेटेंटेड डक्ट सिस्टम से लैस है, जो दहन को सेमलैस और तापमान को नियंत्रित रखता है

भारत में वाहनों की शिपमेंट बढकर हुई 3,72,458 यूनिट्स

नई दिल्ली

भारत में बीते सितंबर महीने में यात्री वाहनों, कारों और एसयूवी सहित वाहनों की शिपमेंट 4.4 प्रतिशत बढ़कर 3,72,458 यूनिट्स हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने यह संख्या 3,56,752 यूनिट्स थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोपहिया वाहनों की बिक्री 7 प्रतिशत बढ़कर 21,60,889 यूनिट्स रही, जो सितंबर 2024 में 20,25,993 यूनिट्स थी। तिपहिया वाहनों की शिपमेंट भी 5.5 प्रतिशत बढ़कर 84,077 यूनिट्स पहुंच गई, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 79,683 यूनिट्स था। एसआईएएम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने बताया कि 22 सितंबर से लागू नई जीएसटी दरों के बावजूद, सितंबर में यात्री, दोपहिया और तिपहिया वाहनों ने अब तक की सबसे बड़ी बिक्री दर्ज की है। उन्होंने कहा कि अनुकूल परिस्थितियों और जीएसटी 2.0 सुधार के चलते ऑटो उद्योग का आउटलूक उत्साहजनक बना हुआ है। चंद्रा ने इसे भारतीय ऑटो उद्योग और

अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक और सकारात्मक कदम बताया। जुलाई-सितंबर तिमाही में यात्री वाहनों की बिक्री 10,39,200 यूनिट्स रही, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के 10,55,137 यूनिट्स से थोड़ा कम है। इसी अवधि में दोपहिया वाहनों की बिक्री पिछले साल की तुलना में 7 प्रतिशत बढ़कर 55,62,077 यूनिट्स हो गई। तिपहिया वाहनों की बिक्री जुलाई-सितंबर तिमाही में 10 प्रतिशत बढ़कर 2,29,239 यूनिट्स रही, जो आर्थिक गतिविधियों के उच्च स्तर को दर्शाता है।

थामा का यक्षासन मेरे बच्चों को जरूर पसंद आएगा

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म थामा को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच उन्होंने अपने फिल्म के किरदार को लेकर बात की और बताया कि यह किरदार उनके बच्चों के लिए खास रूप से रोमांचक होने वाला है। आईएएनएस से बात करते हुए नवाजुद्दीन ने कहा, यह रोल मेरे लिए काफी अलग और नया है, जिसे मैं लंबे समय से निभाना चाह रहा था। फिल्म में मेरी भूमिका थोड़ी अजीब है, लेकिन यही अजीबपन बहुत दिलचस्प और मजेदार होने वाला है। मैं अपने अनुभव से बेहद खुश हूं। जब मेरे बच्चे फिल्म में मेरे किरदार यक्षासन को देखेंगे, तो यकीनन उसे जरूर पसंद करेंगे। मैंने इस किरदार को निभाने में काफी मेहनत की है। नवाजुद्दीन ने अपनी भूमिका की एक बल्लेबाज से तुलना की, जो मैच में पूरी तैयारी के बावजूद भी अनपेक्षित गेंद का सामना करता है।

उन्होंने आगे कहा, यह रोल मिलना मेरे लिए किसी सौभाग्य से कम नहीं है। फिल्मकार अब भी मुझे नए और अलग अवतार में देख रहे हैं। बता दें कि फिल्म थामा में नवाजुद्दीन सिद्दीकी यक्षासन नाम के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके अलावा, आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना और परेश रावल भी लीड रोल में हैं। वहीं पंचायत फेम फैसल मलिक भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। वह पंचायत सीरीज में प्रहलाद चाचा के रोल में दिखे थे।

यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी हॉरर है। इसमें एक वैंपायर की लव स्टोरी दिखाई जाएगी। इस फिल्म को आदित्य सरपोतदार ने निर्देशित किया है। फिल्म का निर्माण दिनेश विजान और अमर कौशिक ने मिलकर किया है। फिल्म की कहानी निरंजन भट्ट और सुरेश मैथ्यू ने लिखी है। यह मैडॉक्स फिल्म्स के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा है। इस बैनर तले स्त्री, स्त्री 2, भेड़िया, और मुंज्या जैसी मूवीज बन चुकी हैं। यह फिल्म 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दीपावली पर रिलीज हो रही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सोनम बाजवा और हर्षवर्धन राणे की फिल्म एक दीवीने की दीवानियत से टकराएगी।

मेगास्टार चिरंजीवी के साथ बड़े पर्दे पर रोमांस करती नजर आ सकती हैं मालविका मोहनन

तेलुगु सिनेमा की दुनिया से बड़ी खबर सामने आ रही है। जल्द ही प्रभास के साथ फिल्म 'द राजा साब' में नजर आने वाली साउथ की खूबसूरत अभिनेत्री मालविका मोहनन अब मेगास्टार चिरंजीवी के साथ बड़े पर्दे पर रोमांस करती नजर आ सकती हैं। यह खबर सुनते ही फैंस के बीच इसे लेकर काफी उत्साह नजर आ रहा है।

चिरंजीवी की नई फिल्म में बनेंगी लीड एक्ट्रेस

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्देशक बॉबी कोली की अगली फिल्म 'मेगा 158' में चिरंजीवी मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में दो हीरोइनों को कास्ट किया जा रहा है, जिनमें से एक के लिए मालविका मोहनन का नाम चर्चा में है। अगर सब कुछ तय हुआ, तो 'द राजा साब' के बाद यह मालविका की दूसरी तेलुगु फिल्म होगी, जो उनके करियर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

इंडस्ट्री में मालविका का सफर

केरल से ताल्लुक रखने वाली मालविका मोहनन प्रसिद्ध सिनेमैटोग्राफर के.यू. मोहनन की बेटी हैं। उन्होंने साल 2013 में मलयालम फिल्म 'पट्टम पोल' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने तमिल, हिंदी और मलयालम सिनेमा में कई अहम किरदार निभाए। उनकी पहचान 'मास्टर' (विजय के साथ), 'पेट्टा' (रजनीकांत के साथ), 'मारन' (धनुष के साथ) और 'थंगालान' (विक्रम के साथ) जैसी फिल्मों से और मजबूत हुई। अब तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखते हुए मालविका अपनी नई पहचान बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

सोशल मीडिया पर छाई मालविका

मालविका मोहनन अपने ग्लैमरस अंदाज और सोशल मीडिया एक्टिविटी को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। 'द राजा साब' के टीजर में उनका बोल्ड और कॉन्फिडेंट लुक फैंस को खूब पसंद आया था। अब खबर है कि उन्हें 'मेगा 158' जैसी मेगा फिल्म में जगह मिलने की संभावना है, जिससे वह टॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों की लिस्ट में शामिल हो सकती हैं।

चिरंजीवी के साथ काम करने पर बयान

मालविका के करीबी सूत्रों का कहना है कि अभिनेत्री के लिए मेगास्टार चिरंजीवी के साथ स्क्रीन शेयर करना किसी सपने से कम नहीं है। चिरंजीवी और बॉबी की पिछली फिल्म 'वाल्थेयर वीरैया' सुपरहिट रही थी, ऐसे में दर्शकों को इस नई जोड़ी से भी काफी उम्मीदें हैं।

करियर का टर्निंग पॉइंट

तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में पहले से ही नई अभिनेत्रियों की जबरदस्त एंट्री हो रही है– रुक्मिणी वसंथ, रितिका नायक और कयादू लोहार जैसी स्टार्स तेजी से आगे बढ़ रही हैं। ऐसे में अगर मालविका को चिरंजीवी के साथ यह मौका मिलता है, तो यह उनके करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है।

कंफर्ट जोन से निकलना चाहते थे जितेंद्र

वेब सीरीज पंचायत फेम जितेंद्र कुमार इन दिनों भागवत चैप्टर 1– राक्षस को लेकर सुर्खियों में हैं। इसमें उनके साथ अरशद वारसी भी हैं। फिल्म में उन्होंने एक कॉलेज प्रोफेसर की भूमिका निभाई है। जितेंद्र के मुताबिक– वह ऐसा चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहते थे, जिससे उन्हें कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने का मौका मिल सके।

भागवत चैप्टर 1– राक्षस में जितेंद्र, कॉलेज प्रोफेसर समीर की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं अरशद वारसी, इंस्पेक्टर विश्वास भागवत की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में अरशद कॉलेज से कई युवतियों के लापता होने की जांच कर रहे हैं। जी5 की इस फिल्म का निर्देशन अक्षय शेरे ने किया है।

जितेंद्र ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा मैं अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने के लिए बहुत उत्साहित था। मुझे यह किरदार काफी चुनौतीपूर्ण लगा क्योंकि मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं किया था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं इसे कैसे निभा पाऊंगा। हालांकि हर चुनौती के साथ मेरे अंदर एक अलग ही उत्साह था। मैं सच में एक क्राइम-थ्रिलर और कई अलग-अलग पहलुओं वाला किरदार निभाना चाहता था।

जितेंद्र ने की अरशद की तारीफ

अरशद वारसी के साथ काम करने को लेकर उन्होंने कहा वारसी के साथ काम करना प्रेरणादायक था, जो सेट पर सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश करते थे। अरशद सर जिस तरह से सेट पर खुद को पेश करते हैं, वह वाकई दिलचस्प है। वैसे तो वह बहुत शांत रहते हैं, लेकिन हर बार जब उनका कोई सीन होता था, तो वह सहजता से उसमें ढल जाते थे। जिस तरह से वह अपने किरदार में ढल जाते हैं, उसे देखकर मुझे बहुत अच्छा लगा और हमारा सेट बहुत सहयोगात्मक था। हमने हर सीन पर कई बार चर्चा की।

जल्द शुरू होगा कपिल शर्मा शो का नया सीजन, क्या नहीं दिखेंगे कीकू शारदा?

कॉमेडी इंडस्ट्री के मशहूर चेहरे कीकू शारदा इन दिनों लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। पिछले दिनों शो राइज एंड फॉल में नजर आए कॉमेडियन ने कपिल शर्मा शो के नए सीजन पर अपडेट दिया है। उन्होंने खुद के शो छोड़ने की अफवाहों को भी खारिज कर दिया है।

कीकू ने कपिल शर्मा शो पर की बात

कीकू शारदा ने बातचीत करते हुए पुष्टि की है कि लोकप्रिय शो द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो की शूटिंग जल्द ही फिर से शुरू होने वाली है। हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया था कि कीकू शो छोड़ देंगे, लेकिन अभिनेता ने इन अफवाहों का खंडन करते हुए बताया कि उनका शो और टीम के साथ जुड़ाव अब भी मजबूत है। किकू शारदा ने कहा, हम जल्दी ही शूटिंग शुरू करेंगे। टेलीविजन पर इसका प्रसारण कब होगा, इसका अभी तक कोई निश्चित समय नहीं है, लेकिन यह नवंबर में किसी समय आ सकता है।

राइज एंड फॉल में नजर आए कीकू

कीकू शारदा ने राइज एंड फॉल और अशनीर गोवर द्वारा होस्ट किए गए रियलिटी शो में अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि हालांकि वह कुछ समय के लिए शो में भाग लेने के लिए लॉक थे, लेकिन बाहर आने पर उन्हें पता चला कि उनके शो छोड़ने की अफवाहें फैल गई थीं। कीकू ने मुस्कुराते हुए कहा, लोग इतने परेशान थे, और मैं खुद भी नहीं जानता था कि यह अफवाह कैसे फैल गई। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं शो छोड़ दूंगा। मैं 13 साल से कपिल के साथ काम कर रहा हूं और मुझे यह शो बेहद पसंद है। मैंने कई काम ठुकरा दिए सिर्फ इस शो का हिस्सा बनने के लिए और मैं कभी इसे नहीं छोड़ूंगा। मंच पर जाकर मजाक करना, लोगों और सेलिब्रिटीज से खुलकर बात करना—यह मजा कुछ ऐसा है जो मैं छोड़ नहीं सकता।

शो के अनुभव पर क्या बोले कीकू?

कीकू ने बताया कि राइज एंड फॉल में भाग लेते हुए उन्हें एक अलग तरह का रचनात्मक अनुभव मिला। उन्होंने कहा, वीकेंड्स कभी-कभी काफी तनावपूर्ण हो जाते हैं, लोग एक-दूसरे पर आरोप लगाते हैं और कई चीजों पर लड़ाई होती है। इस समय कॉमेडी एक राहत देती है और ज्यादा मनोरंजन जोड़ती है। जब मैं परफॉर्म करता हूं, मैं खुद को स्वतंत्र महसूस करता हूं और जब दर्शक देखते हैं, तो उन्हें भी वही अनुभव होता है। यह एक सुंदर आदान-प्रदान है, और यही मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

लाउड होना, चिल्लाना ही ताकत का पैमाना नहीं, इंडस्ट्री में काम के घंटे बिल्कुल तय होने चाहिए

पर्दे पर एक से बढ़कर शानदार किरदारों को जीवंत करने वाली कलाकारा कोंकणा सेन शर्मा अपनी नई सीरीज सर्च- नैना मर्डर केस में घर और काम के बीच जूझती एक होनहार एसपी संयुक्ता दास की भूमिका के लिए चर्चा में हैं। इसी सिलसिले में हमने कोंकणा से की खास बातचीत-

कामकाजी औरतों के लिए घर और काम के बीच तालमेल बिठाना हमेशा एक चुनौती रहती है, जो आपकी सीरीज भी प्रमुखता से दिखाती है। आप खुद एक सिंगल मदर होने के नाते ऐक्टिंग जैसे डिमांडिंग पेशे में यह बैलेंस कैसे बनाती हैं?

मैं बहुत लकी हूं, क्योंकि हारून (बेटा) के पिता (ऐक्टर रणवीर शौरी) भी उसकी परवरिश में बराबरी से इन्वॉल्व रहते हैं, जो बहुत बड़ा सपोर्ट है। इस वजह से मैं बेफिक्र होकर ट्रैवल कर पाती हूं। हम दोनों ही काम के लिए सिलसिले में समय-समय पर ट्रैवल करते रहते हैं, तब दूसरा घर का ख्याल रखता है तो मैं इस मामले में बहुत लकी हूं, मगर वो कहते हैं न कि एक एक बच्चे को बड़ा करने में एक पूरा गांव लगता है, तो सिंगल पैरंट या जिसके भी पास भी वो गांव नहीं है, उसके लिए बहुत मुश्किल होता है। पहले दादा-दादी, बुआ-चाची जैसे परिवार के सदस्य साथ होते थे, जबकि आज के दौर में न्यूक्लियर फैमिली हैं या हम दूसरे शहरों में चले जाते हैं जहां वो कम्यूनिटी नहीं है तो निश्चित तौर पर घर और काम के बीच तालमेल बिठाना बड़ा संघर्ष है लेकिन अभी हमारे पास कोई समाधान नहीं है। मैं उम्मीद करती हूं कि इस बारे में बात करने से कोई समाधान निकले।

वर्क-लाइफ बैलेंस की बात चल रही है तो शूटिंग के घंटे तय किए जाने को लेकर छिड़ी बहस पर आपकी क्या राय है?

मैं बिल्कुल इस बात से सहमत हूं कि सेट पर काम के घंटे तय होने चाहिए, क्योंकि ऐक्टर्स ही नहीं, हमारे टेक्नीशियन तो और ज्यादा घंटे काम करते हैं, तो मुझे लगता है कि हफ्ते में 6 दिन ही काम होना चाहिए। जैसे, फ्रांस में हफ्ते में सिर्फ चार दिन काम होता है और वहां प्रोडक्टिविटी बढ़ी है। बेशक वो एक अलग देश है, मगर यहां भी हफ्ते में 6 दिन काम होना चाहिए और 12 घंटे की शिफ्ट होनी चाहिए। यह बेसिक है, जिसके हिसाब से चीजें प्लान की जानी चाहिए। बाकी, कभी जरूरत हो तो 14-15 घंटे काम करना पड़ जाए तो चलता है, लेकिन ये सामान्य कल्चर नहीं होना चाहिए।

सीरीज यह भी दिखाती है कि कैसे एक काबिल फीमेल ऑफिसर के मातहत काम करने में उसके पुरुष सहयोगी की मेल ईगो को बड़ी चोट पहुंचती है। क्या कभी इस पुरुष सत्तात्मक सोच से हमें निजात मिलेगी?

हां, ये दिक्कत तो है। पैट्रियार्की हमारे समाज में जड़ों तक धंसी हुई है। मैंने खुद यह बहुत ज्यादा देखा है, मगर यह सिर्फ औरत होने की बात नहीं है। आप अपनी अथॉरिटी (ताकत) को कैसे दिखाना चाहते हैं, यह इस पर भी निर्भर करता है। मतलब, अगर आप चिल्ला रहे हैं, गाली दे रहे हैं, लाउड हैं तो लोगों को लगता है कि अच्छा, ये अथॉरिटी है जिसकी मुझे सुननी है। वहीं, अगर आप शांति से काम करें तो लोग सुनते नहीं है तो ये किसकी गलती है कि हम लीडरशिप और अथॉरिटी को इस नजरिए से देखते हैं। हमें सुने जाने के लिए लाउड होना क्यों जरूरी है? आपको तब भी सुनना चाहिए जब कोई इंसान शांति से अपनी बात रख रहा है। मुझे अपने किरदार एसीपी संयुक्ता दास की यह खूबी बहुत कमाल की लगी कि वो उकसाए जाने पर भी धैर्य नहीं खोती। यह कला सालों के अनुभव, मुश्किल परिस्थितियों और लोगों को हैंडल करने के बाद आती है। हालांकि, वह अपने उस साथी को एक बात बोलती है कि तुम मुझे मेरी टीनेजर बेटी की याद दिलाते हो, मुझे लगता है कि यह एक लाइन किसी भी मैस्कुलिनिटी को धराशाई कर सकती है।

यह सीरीज मशहूर डैनिश सीरीज द किलिंग का अडाप्टेशन है। ऐसे में, बतौर ऐक्टर किसी और की नकल करने या दोहराव का खतरा नहीं महसूस हुआ?

मैंने वो ओरिजिनल सीरीज देखी है, जो मुझे बहुत पसंद आई थी। उसमें जो कॉम्प्लेक्स फीमेल डिटेक्टिव सारा लुंड हैं, उनकी एक बड़ी फैन फॉलोइंग है। उस किरदार ने बहुत सी फीमेल करैक्टर को इंस्पायर किया है, तो मैं असल में बहुत एक्साइटेड थी कि यह किरदार निभाना एक बड़ी जिम्मेदारी है। मुझे बिल्कुल ऐसा नहीं लगा कि इसमें किसी नकल या दोहराव का खतरा है, क्योंकि मुझे पता था कि मैं डैनिश पुलिस वाली की तरह नहीं हो जाऊंगी। उस, रोहन डायरेक्टर रोहन सिप्पी और उनकी टीम ने इसे इंडियन माहौल के हिसाब से बहुत खूबसूरती से अडाप्ट किया है।

दिवाली में लिविंग रूम को सजाते समय आप भी रखें इन बातों का ध्यान

घर का लिविंग रूम सब के लिए खास होता है। यह एक ऐसा रूम है जहां घर के सभी लोग एक साथ बैठ के क्वॉलिटी टाइम बिताते हैं। घर में आने वाले मेहमान भी लिविंग रूम में बैठते हैं। यही नहीं, किसी भी पार्टी के लिए लिविंग रूम का बड़ा ही महत्व रहता है क्यूंकि, ये वो जगह है, जहां घर की पार्टी का इंतजाम किया जाता है। अगर लिविंग रूम अट्रैक्टिव होता है, तो पार्टी की रौनक और भी बढ़ जाती है, अगर अस्त-व्यस्त हो, तो पार्टी का मजा किरकिरा हो जाता है। इस दिवाली अगर आप भी दिवाली पार्टी के लिए लिविंग रूम को शानदार तरीके से डेकोरेट करना चाहती हैं, तो आपको कुछ बुनियादी बातों पर ध्यान देना चाहिए।

वैसे तो दिवाली के दिन सभी घरों में लाइट की व्यवस्था खूब रहती है लेकिन, जब दिवाली के दिन घर पर मेहमानों के साथ पार्टी रखी है, तो आपको अन्य दिनों के मुकाबले कुछ अधिक लाइट लगा लेनी चाहिए। अगर ठीक से लाइट नहीं हो तो पार्टी के साथ कमरे की सजावट खराब हो जाती है। हो सके तो पार्टी वाले दिन रंग-बिरंगी लाइट को लिविंग रूम में लगाने से बचे क्यूंकि, खाना खाने के दौरान बहुत कम लोग ही इस तरह की लाइट्स को पसंद करते हैं।

गलत कालीन को करें साइड

दिवाली पार्टी वाले दिन आप लिविंग रूम में कालीन ना ही लगाएं तो बेहतर है। अगर आप सफेद कलर का कालीन लिविंग रूम में लगाने वाली है, तो ये गलती भूल के भी नहीं कीजियेगा, क्यूंकि एक बार अगर कालीन पर दाग लग गए फिर उसके बाद उस दाग को निकालने में आपको ही मेहनत करनी पड़ सकती है। इसलिए दिवाली पार्टी के दिन कालीन बिछाने के लिए रंग का चयन करते समय ये जरूर याद रखें।

टेबल, कुर्सी का रखें ध्यान

वैसे तो लिविंग रूम एक तरह से टेबल, कुर्सी या सोफा सेट के लिए जाना जाता है लेकिन, दिवाली पार्टी वाले दिन लिविंग रूम में अधिक कुर्सी और सोफा सेट रखने से बचें, क्यूंकि इससे लिविंग रूम की जगह भी कम हो जाती है, और लिविंग रूम एकदम से भरा-भरा दिखने लगता है, जिसके चलते कई बार आने-जाने के लिए जगह की कमी हो जाती हैं। पार्टी के लिए आप एक बड़ा सा टेबल का इस्तेमाल कीजिए जिस पर एक साथ सभी बैठकर खाना खा सके।

सेटिंग चेंज करें

लिविंग रूम को अट्रैक्टिव दिखाने के लिए इसकी सेटिंग चेंज करते रहें। अगर आपने पिछले कई महीनों से लिविंग रूम की सेटिंग चेंज नहीं की है, तो इस बार उसे भी कर लीजिए। कई बार सेटिंग चेंज करने से भी लिविंग रूम को अट्रैक्टिव बनाया जा सकता है। आप सोफा, टीवी और टेबल आदि की पोजीशन को चेंज कर दीजिये और ये भी ध्यान रखें कि कई चीजों को एक साथ ना रखें। लिविंग रूम को खुला खुला रखने की कोशिश करें ताकि बीच में आने-जाने की जगह बनी रहे।

दिवाली पर घर के हर कोने को लाइट्स से यूं सजाएं

दिवाली का त्योहार एक बार फिर से आने वाला है तो आपने अपने घर को सजाने के लिए नई लाइट्स तो खरीद ही ली होंगी। लाइट्स लगाने से घर में रौनक तो नजर आने ही लग जाती है मगर ऐसा तब ही होता है, जब आपने लाइट्स को सही स्थान पर लगाया हो। आज हम आपको बताएंगे कि घर के किस कोने में लाइट्स लगा सकते हैं और कौन सी लाइट घर के किस कॉर्नर के लिए अच्छी रहेगी।

दीवाली का त्योहार आते ही लोग अपने घर को सजाना-संवारना शुरू कर देते हैं। ज्यादातर लोग इस त्योहार पर लाइट्स से अपने घर को सजाते हैं। जाहिर है, दिवाली का त्योहार एक बार फिर से आने वाला है तो आपने अपने घर को सजाने के लिए नई लाइट्स तो खरीद ही ली होंगी। लाइट्स लगाने से घर में रौनक तो नजर आने ही लग जाती है मगर ऐसा तब ही होता है, जब आपने लाइट्स को सही स्थान पर लगाया हो। बहुत से लोग घर में जहां भी जगह पाते हैं, वहां लाइट्स लगा देते हैं, वहीं कुछ लोगों को तो यह भी नहीं पता होता है कि कौन सी लाइट को कहां और कैसे लगाना चाहिए।

एलईडी और इलेक्ट्रिक दीया

अगर आप बाजार से डिजाइनर एलईडी और इलेक्ट्रिक दीया खरीद कर लाए हैं, तो उसकी प्लेसमेंट सही जगह करें। जहां एलईडी दीये से आप घर के किसी भी कॉर्नर, टेबल, बालकनी आदि को सजा सकते हैं, वहीं इलेक्ट्रिक दीये आपको मंदिर में रखने चाहिए। हालांकि, वास्तु के हिसाब से इसे सही नहीं माना जाता है, इसलिए इन दीयों के साथ-साथ असल के दीयों से भी मंदिर को सजाएं।

फॉलिंग एलईडी लाइट्स

अगर आपके घर में गार्डन है और गार्डन में पेड़ पौधे लगे हुए हैं, तो आप फॉलिंग एलईडी लाइट्स को पेड़ में लगा सकते हैं। इससे आपका गार्डन जगमगा जाएगा। आप इस तरह की लाइट्स को बालकनी में भी सजावट के लिए लगा सकती हैं।

राइस लाइट

घर पर मौजूद सेंटर टेबल को भी आप लाइट-अप कर सकती हैं। इसके लिए आप असली के दीयों के साथ-साथ किसी शीशे की बॉटल के अंदर राइस लाइट भी भर कर रख सकती हैं। इस बात का ध्यान रखें कि राइस लाइट को ऐसे स्थान पर रखें जहां कम रोशनी हो। अधिक रोशनी में इसे रखने से सारा मजा किरकिरा हो जाता है।

हैंगिंग लाइट्स

हैंगिंग लाइट्स का इस्तेमाल आप किसी भी स्थान पर कर सकती हैं। मगर इस बात का ध्यान रखें कि जब आप हैंगिंग लाइट लगा रही हों तो उसे दीवार से सटा कर न लगाएं। हां, अगर वॉल हैंगिंग लाइट है तो आप ऐसा कर सकती हैं। मगर सीलिंग हैंगिंग लाइट्स की खूबसूरती को निहारने के लिए सही तरह से उसे फिक्स करें।

एलईडी स्ट्रिप लाइट्स

अगर आपके घर के खिड़की-दरवाजों या फिर फर्नीचर को डेकोरेट करना है तो एलईडी स्ट्रिप लाइट्स का प्रयोग करें। इतना ही नहीं, घर के मंदिर को डेकोरेट करने के लिए भी आप इन लाइट्स का प्रयोग कर सकती हैं। इन लाइट्स को लगाते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि उस स्थान पर फिर और अधिक लाइट्स न लगाएं और इन्हें रनिंग मोड पर रखें, नहीं तो यह बहुत जल्दी खराब भी हो जाती हैं।

कम समय में बनानी है खूबसूरत रंगोली तो ये 5 हैक्स करेंगे मदद

दिवाली पर अगर आप भी चाहती हैं कि घर पर खूबसूरत रंगोली बने और समय कम लगे तो किचन के कुछ सामान की मदद से आप परफेक्ट रंगोली बना सकती हैं।

दीवाली करीब आ गई है और अब घरों में रंगोली बनना शुरू हो गई होगी। कई लोग नवरात्र से शुरू करके दिवाली के बाद तक घरों के आंगन को रंगोली से सजाते हैं। यकीनन घर के बाहर अगर खूबसूरत डिजाइन की रंगोली बनी हो तो देखकर बहुत अच्छा लगता है। पर कई लोगों के साथ ये समस्या होती है कि उन्हें रंगोली की डिजाइन्स समझ नहीं आती और उन्हें इसे बनाने में बहुत समय लग जाता है। ऐसे में क्यों न हम कुछ ऐसे हैक्स का इस्तेमाल करें जिससे जल्दी से जल्दी रंगोली बन जाए। आज हम आपको कुछ ऐसे ही हैक्स बताने जा रहे हैं जो घर के सामान की मदद से ही अच्छी रंगोली बनाने में आपकी मदद कर सकते हैं। चम्मच, इयरबड, कंघी की मदद से आप खूबसूरत रंगोली डिजाइन्स बना सकते हैं। ये सभी बहुत आसानी से बनने वाले हैं और आपको इसमें समय बहुत कम लगेगा। तो चलिए जानते हैं कौन से हैं वो हैक्स

छलनी की मदद लें

आजकल ऐसी रंगोली का चलन बहुत ज्यादा है जहां अलग-अलग रंगों से बेस बनाया जाता है और उसके बाद सेंटर में सफेद या ऐसे ही लाइट रंगों से अलग-अलग तरह के डिजाइन्स बनाए जाते हैं। आप आप आटा छानने वाली छलनी में कलर डालकर एक गोलाकार सेंटर बना सकते हैं। इसके बाद चाय वाली छलनी में रंगों को भरकर उसी गोले के आस-पास कई रंगों के सर्कल बना सकते हैं। डिजाइन आप जो चाहें चुन लें छलनी की मदद से उसे बहुत आसानी से बना सकते हैं। इस तरह की रंगोली में कलर कॉम्बिनेशन का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। अगर आपने सही कलर कॉम्बिनेशन नहीं रखा तो ये भी हो सकता है कि रंगोली बने तो परफेक्ट लेकिन खराब रंगों की वजह से खिली हुई सी न दिखे।

इयरबड की मदद से बनाएं खूबसूरत रंगोली

दिवाली की खूबसूरत रंगोली बनाने के लिए आप इयरबड्स की मदद भी ले सकते हैं। इनसे बहुत अच्छे डिजाइन्स बनाए जा सकते हैं। आपको करना बस ये है कि जिस तरह का डिजाइन भी आपने दिमाग में रखा है उसके हिसाब से रंग चुनने हैं। तस्वीर में जो रंगोली दिखाई गई है उसमें बेस व्हाइट रंग डालने के बाद अलग-अलग रंगों से बड़े डॉट्स फ्लोर पर बनाए गए थे। इसके बाद इयरबड की मदद से इन्हें पत्तियों वाला डिजाइन दिया गया है। आप भी इयरबड की मदद से खूबसूरत रंगोली की डिजाइन बना सकते हैं। बस ध्यान ये देना है कि जो डॉट्स आप बनाएं वो एक ही साइज के हों। इसके लिए आप किसी पतले नॉजल वाली बॉटल या रंगोली वाले कोन्स का इस्तेमाल कर सकती हैं।

चम्मच की मदद से बनाएं

जिस तरह हम इयरबड्स का इस्तेमाल कर रंगोली बना सकते हैं उसी तरह चम्मच का इस्तेमाल कर रंगोली भी बनाई जा सकती है। इसके लिए आपको उसी तरह के डॉट्स फ्लोर पर बनाने होंगे जैसे हमने इयरबड्स के समय बनाए थे और साथ ही चम्मच की मदद से उसे शेप देना होगा। आप परफेक्ट राउंड शेप के लिए किसी स्टील की प्लेट का इस्तेमाल भी कर सकते हैं और उसके इर्द-गिर्द उस तरह के डॉट्स बना सकते हैं जैसे तस्वीर में दिखाए गए हैं। ये ट्रिक फूलों वाली रंगोली बनाने के लिए काफी मददगार साबित हो सकती है।

चॉक की मदद से बनाएं रंगोली

आप रंगोली बनाने से पहले चॉक की मदद से उसकी डिजाइन पहले फ्लोर पर बना लें। ऐसा करने से आपको समय कम लगेगा और रंगोली के बिगड़ने की गुंजाइश भी कम हो जाएगी। आप चाहें तो गेहूं वाली छलनी (बड़े छेद वाली छलनी) की मदद से डॉट्स फ्लोर पर बनाकर डॉट्स वाली रंगोली भी बना सकती हैं। इन छोटे साइज के डॉट्स को कनेक्ट कर आप कई अच्छी डिजाइन्स तैयार कर सकती हैं।

फोर्क या कंघी का करें इस्तेमाल

अगर आपको किसी डिजाइन में बारीक लाइन्स चाहिए तो आप फोर्क या कंघी या फिर टूथपिक का इस्तेमाल कर सकती हैं। पहले बेस रंग फ्लोर पर डालें और उसके बाद टूथपिक, फोर्क या कंघी की मदद से उसपर मनचाहा डिजाइन बनाएं। इस तरह की रंगोली टाइल्स पर ज्यादा अच्छी तरह से बनती है।

मेन डोर के लिए रंगोली डिजाइंस

दिवाली का त्योहार आते ही लोग तरह-तरह से अपने घर की सजावट शुरू कर देते हैं। वैसे हिंदू धर्म में हर त्योहार पर रंगोली बनाने को बहुत ही शुभ माना गया है।

वैसे तो घर के आंगन, रसोई के बाहर, पूजा स्थल पर और घर के मेन गेट आदि स्थानों पर रंगोली बनाई जा सकती है, मगर घर के मुख्य द्वार पर बनाई जाने वाली रंगोली हमेशा बहुत ही अर्थपूर्ण और आकर्षक होनी चाहिए, क्योंकि रंगोली का धार्मिक महत्व भी होता है। घर के मुख्य द्वार पर बनने वाली रंगोली की कुछ आसान और खूबसूरत डिजाइंस

लक्ष्मी जी के चरण वाली रंगोली

लक्ष्मी जी के चरण को बहुत ही शुभ माना जाता है। अमूमन लोग अपने घर में लक्ष्मी जी के चरणों के स्टीकर लगाते हैं। मगर वास्तु शास्त्र में प्लास्टिक को अशुभ माना जाता है और आमतौर पर बाजार में आपको प्लास्टिक के ही स्टीकर मिलेंगे। ऐसे में आप मुख्य द्वार पर लक्ष्मी जी के चरणों की रंगोली बना सकती हैं। यह रंगोली आप रंगोली के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रंगों से भी बना सकती हैं और ताजे फूलों से भी आप इस तरह की रंगोली बना सकती हैं। अगर आप बहुत ज्यादा मेहनत नहीं करना चाहती हैं, तो बहुत बड़ी रंगोली बनाने की जगह बॉर्डर डिजाइन ही बनाएं। यह कम समय और मेहनत में बन जाएगी।

कॉर्नर पर बनाएं रंगोली

आजकल ज्यादातर लोग फ्लैट्स में रहते हैं। ऐसे में मेन डोर पर रंगोली बनाने से आने-जाने वालों को दिक्कत हो सकती है। इतना ही नहीं, आपके द्वारा मेहनत से बनाई गई रंगोली खराब भी हो सकती है। ऐसे में आप मेन डोर के कॉर्नर पर रंगोली बना सकती हैं।

इस तरह की रंगोली के लिए आप मंडला आर्ट का चुनाव कर सकती हैं। मगर इसके लिए आपका आर्ट में माहिर होना बहुत जरूरी है। वैसे आपको बाजार में रेडीमेड नेट मिल जाएगा, जिसमें पहले से ही डिजाइन बनी होती है और आपको उसमें रंगोली के रंग भरने होते हैं। अगर आप खुद से ही मंडला आर्ट करके रंगोली बनाना चाहती हैं, तो आपको आटे की मदद से पहले आउटलाइन तैयार कर लेनी चाहिए और फिर रंगोली में रंग भरने चाहिए।

कमल देवी लक्ष्मी को अति प्रिय है। जगत पिता श्री हरि नारायण को भी कमल का फूल अति प्रिय है। वैसे तो घर के प्रवेश द्वार पर एक जल भरे पात्र में आपको खिला हुआ कमल का फूल रखना ही चाहिए। मगर यदि ऐसा संभव न हो तो आप प्रवेश द्वार पर कमल के फूल की डिजाइन वाली रंगोली भी बना सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि द्वार पर कमल का फूल देख कर देवी लक्ष्मी उस स्थान पर वास करने जरूर आती हैं।

फूल की रंगोली

घर के मुख्य द्वार पर आप फूलों की रंगोली भी बना सकती हैं। इसके लिए आप 2 से 3 तरह के फूल ले सकती हैं। फूलों की रंगोली से घर भी सुगंधित होता है, जिससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है। फूलों की रंगोली बनाने के लिए आपको पहले ही आटे की मदद से आउटलाइन बना लेनी होगी। फिर आप फूलों की पंखुड़ियों से रंगोली को भर सकती हैं।

दीयों की रंगोली

दिवाली का त्योहार दीपों का त्योहार होता है। इसलिए आप दीयों से भी अपनी रंगोली को सजा सकती हैं। वास्तु शास्त्र के लिहाज से अगर आप चौमुखी दीपक को घर के प्रवेश द्वार पर जलाते हैं, तो चारों दिशाओं से सुख और समृद्धि आती है। ऐसे में आप दीपक की गोलाई में रंगोली बना सकती हैं। आप ऊपर दी गई तस्वीर में दिखाई गई डिजाइन से आइडिया ले सकती हैं।

ज्यादा दिनों तक चलने के साथ वेट कंट्रोल करेगी गुलाब नारियल बर्फी

गुलाब नारियल बर्फी एक ऐसी मिठाई है, जिसे आप कई दिनों तक रख सकते हैं। साथ ही नारियल होने की वजह से इसमें ज्यादा चीनी का इस्तेमाल भी नहीं करना पड़ता। इस वजह से इसे खाने से वेट भी नहीं बढ़ता। वहीं अगर आप चीनी खाना पूरी तरह छोड़ चुके हैं, तो आप चीनी की जगह गुड़ का इस्तेमाल करके भी गुलाब नारियल बर्फी बना सकते हैं। फेस्टिव सीजन खासकर दिवाली के लिए आप यह मिठाई बना सकते हैं।

गुलाब नारियल बर्फी बनाने की सामग्री

- 1 कप मावा
- 2 कप नारियल पाउडर
- 3/4 कप चीनी बूरा
- 2-4 बूंद रोज एसेंस
- 1 टीस्पून इलायची पाउडर
- 1/4 टीस्पून रेड फूड कलर
- 2 टेबलस्पून पिस्ता कटे हुए
- 2 टेबलस्पून नारियल पाउडर

गुलाब नारियल बर्फी बनाने की विधि

सबसे पहले एक बर्तन में नारियल पाउडर, गुलाब एसेंस, इलायची पाउडर और चीनी बूरा डालकर मिक्स कर 20 मिनट के लिए ढककर रख दें। तय समय के बाद मीडियम आंच पर पैन रख दें। इसमें मावा, नारियल पाउडर वाला मिश्रण और चीनी डालकर इसके घुलने तक पकाएं। जब मिश्रण पैन छोड़ने लगे तब गैस बंद कर इसे प्लेट पर निकाल लें। मिश्रण को दो भागों में बांट लें। एक भाग में रेड फूड कलर मिलाएं। अब ट्रे पर घी लगाकर चिकना कर लें। पहले सादा मिश्रण डालें फिर ऊपर से कलर वाला मिश्रण डालकर सेट करें। इस पर नारियल पाउडर छिड़ककर कटे हुए पिस्ता डाल दें। ट्रे को फ्रिज में 1 घंटे तक सेट होने के लिए रख दें। तय समय के बाद फ्रिज से ट्रे निकाल लें। तैयार है गुलाब नारियल बर्फी। मनचाहे पीस में काटकर सर्व करें।

इस बार त्योहार पर बनाएं खाजा मिठाई

अगर आप त्योहार के मौके पर स्वीट्स में कुछ डिफरेंट बनाने की सोच रही हैं, तो आप आंध्र प्रदेश की यह फेमस रेसिपी ट्राई कर सकती हैं।

भारत अपनी परंपराओं और स्वादिष्ट व्यंजनों के लिए जाना जाता है। हर राज्य की अपनी अलग संस्कृति और खान-पान है। यहां हर उत्सव को खास तरीके से मनाया जाता है, कई पारंपरिक व्यंजन भी बनाए जाते हैं। अब दीपावली का त्योहार भी आने वाला है। त्योहार के मौके पर सभी के घरों में मिठाइयां बनने लगती हैं। ज्यादातर घरों में महिलाएं लड्डू बनाना पसंद करती हैं। लेकिन अगर आप इस बार त्योहार के मौके पर स्वीट्स में कुछ डिफरेंट बनाने की सोच रही हैं, तो आप आंध्र प्रदेश की फेमस मिठाई खाजा की यह रेसिपी ट्राई कर सकती हैं।

आपको बता दें कि यह आंध्र प्रदेश की एक पारंपरिक डिश है, जिसे मैदा और शुगर सिरप में डीप करके तैयार किया जाता है। इसे लोग खास त्योहार के मौके पर बनाना पसंद करते हैं। हालांकि, इसे कई नामों से पुकारा जाता है जैसे आंध्र चिरोटी, खाजा आदि। साथ ही, यह डिजर्ट बिहार में भी काफी लोकप्रिय है और बहुत से लोग इसे बिहारी खाजा के नाम से भी जानते हैं। आप इसे बहुत ही आसानी से बना सकती हैं, कैसे? आइए जानते हैं.

बनाने की विधि

खाजा मिठाई बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में मैदा छान लें और फिर इसमें सभी सामग्रियों जैसे बेकिंग पाउडर, घी आदि डालें और अच्छी तरह से मिक्स कर लें।

अब आप आटे में पानी डालें और उसे अच्छी तरह से गूंथ लें। फिर 20 मिनट के लिए अलग रख दें।

जब आटा अच्छी तरह से सेट हो जाए, तो आटे को रोल करें और आटे की बराबर मात्रा में लोइयां बना लें।

अब सारी लोइयों को रोटी की तरह पतला-पतला बेल लें और साइड में बेल कर रख लें।

अब आपको खाजा बनाना है, इसके लिए आप एक प्लेट में रोटी रखें और उसके ऊपर मैदा, घी लगा लें। ताकि आटे (रोटी) की लेयर आपस में चिपके नहीं।

फिर उसके ऊपर दूसरी रोटी रखें और इसी तरह आप सारी बेली हुई रोटियों की परत बना लें।

अब इन रोटियों को फोल्ड करके एक रोल बना लें। फिर रोल को साइड से पतला-पतला (ज्यादा नहीं) खाजा के शेप में काट लें।

अब धीमी आंच पर कढ़ाही में तेल गर्म कर लें। जब तेल गर्म हो जाए, तो खाजा को डीप फ्राई कर लें।

अब आपको चाशनी बनानी है, इसके लिए आप एक बर्तन में चीनी और पानी डालें और चाशनी तैयार कर लें।

अब तले हुए खाजा को एक एक करके चाशनी में डाल दें और कुछ देर इसे ही छोड़ दें। फिर कुछ देर बाद चाशनी से खाजा निकल लें और अपने मेहमानों को सर्व करें।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन की संसद में उठा बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का मुद्दा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की संसद में बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचार और हिंसा का मुद्दा जोरशोर से उठाया गया। इस मामले में ब्रिटिश सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह किसी भी तरह की नफरत या हिंसा की कड़ी निंदा करती है, जो किसी भी अल्पसंख्यक धार्मिक समुदाय के खिलाफ हो। यह मामला ब्रिटिश हिंदुओं की संसदीय समिति के अध्यक्ष और कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने उठाया। उन्होंने हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें बताया गया कि बांग्लादेश में हिंदुओं को दिवाली से पहले प्रताड़ना, हिंसा और हत्या का सामना करना पड़ रहा है, उनके मंदिरों को तोड़ा जा रहा है और घरों को जला दिया जा रहा है। हाउस ऑफ कॉमन्स में सरकार की ओर से जवाब देते हुए सर एलन कैंपबेल, जो कि सदन में नेता हैं, ने कहा कि हम बांग्लादेश में मानवाधिकार और मानवीय स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं और अंतरिम सरकार के साथ मिलकर वहां शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक बदलाव में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रिटेन धर्म की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

प्रिंस एंड्रयू ने छोड़ा 'ड्यूक ऑफ यॉर्क' की उपाधि

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू ने शुक्रवार को घोषणा की कि वे अपनी शाही उपाधि 'ड्यूक ऑफ यॉर्क' छोड़ रहे हैं। यह फैसला उस समय आया है जब यौन अपराधी जेफ्री एप्सटीन के साथ उनकी पुरानी दोस्ती एक बार फिर सुर्खियों में आई है। किंग चार्ल्स तृतीय के छोटे भाई एंड्रयू ने बकिंघम पैलेस की ओर से जारी एक बयान में कहा कि मेरे खिलाफ जारी आरोप महामहिम राजा और शाही परिवार के कार्यों से ध्यान भटका रहे हैं, इसलिए मैंने यह कदम उठाने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि एंड्रयू पहले भी एप्सटीन से संबंधों को लेकर विवादों में घिर चुके हैं और 2022 में उन्हें सार्वजनिक भूमिकाओं से भी हटाया गया था।

पाकिस्तान में आत्मघाती हमला नाकाम, चार आतंकियों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को सुरक्षा बलों ने एक आत्मघाती हमले की साजिश नाकाम कर दी। अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी वजीरिस्तान जिले के मीर अली क्षेत्र में आतंकियों ने एक सैन्य कैंप को निशाना बनाने की कोशिश की। एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से भरी गाड़ी कैंप की दीवार से टकरा दी, जिससे जोरदार धमाका हुआ। इसके बाद तीन अन्य आतंकी कैंप में घुसने की कोशिश कर रहे थे, जिन्हें सुरक्षाबलों ने गोलीबारी में मार गिराया। इस पूरे ऑपरेशन में चारों आतंकी ढेर हो गए और सुरक्षाबलों को कोई नुकसान नहीं हुआ। इसी तरह की घटनाएं बाजौर और बन्नू जिलों में भी हुईं, जहां सुरक्षाबलों ने समय रहते विस्फोटकों से भरी गाड़ियों को निशाना बनाकर बड़ा आतंकी हमला टाल दिया। बन्नू में एक थ्री-व्हीलर मरीन पुलिस स्टेशन की ओर बढ़ रहा था, जिसे पुलिस ने समय रहते उड़ा दिया। अधिकारियों के मुताबिक, बीते दो दिनों में पूरे क्षेत्र में की गई कारवाई में अब तक 88 आतंकियों को मारा गया है।

ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट से मांगी शिकागो में गार्ड तैनाती

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि शिकागो क्षेत्र में नेशनल गार्ड (सैनिक बल) की तैनाती करने की अनुमति दी जाए। यह कदम डेमोक्रेटिक गवर्नरों के साथ बढ़ते टकराव के बीच उठाया गया है, जो अमेरिका में सैन्य बलों की तैनाती को लेकर ट्रंप का विरोध कर रहे हैं। इससे पहले एक संघीय न्यायाधीश ने कम से कम दो हफ्तों के लिए इलिनॉय और टेक्सास से आने वाले गार्ड सैनिकों की तैनाती पर रोक लगा दी थी। इसके बाद फेडरल अपील कोर्ट ने भी इस आदेश को पलटने से इनकार कर दिया।

... दूसरों के दुःख को अपना समझे। इसी सोच को लेकर ... पावर ऑफ ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन ने गुरुग्राम से अपनी यात्रा शुरू की और आज पूरे देश में मानव अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने का अभियान चला रहा है। यह संस्था न केवल समाज के कमजोर वर्गों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करती है बल्कि सरकार और प्रशासन के साथ मिलकर उनकी समस्याओं का समाधान भी करती है। संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, रक्तदान, वृक्षारोपण, आपदा राहत, और महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे कई सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

अफ्रीकी देश मोजाम्बिक के पास नाव पलटने से 3 भारतीयों की मौत, 5 लापता

मापुटो , एजेंसी। दक्षिण पूर्वी अफ्रीकी देश मोजाम्बिक के बेइरा पोर्ट के पास शुक्रवार को एक नाव के पलटने से 3 भारतीयों की मौत हो गई और पांच लोग लापता हो गए। भारतीय उच्चायोग के अनुसार, यह हादसा एक टैंकर के क्रू मेंबर्स को किनारे से जहाज तक ले जाने के दौरान हुआ। नाव में कुल 14 भारतीय नागरिक सवार थे। उच्चायोग ने अपने बयान में कहा- बेइरा पोर्ट के पास क्रू ट्रांसफर के दौरान एक नाव पलट गई, जिसमें 14 भारतीय नागरिक थे। कुछ भारतीयों को बचा लिया गया है, लेकिन कुछ की मौत हो गई और कुछ अभी भी लापता हैं।

अफगानिस्तान पर पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक, तीन क्रिकेटर्स समेत 10 लोगों की मौत और कई घायल

काबुल, एजेंसी। पाकिस्तान ने शुक्रवार देर रात अफगानिस्तान के अंदर हवाई हमले किए, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हैं। इन हमलों ने 48 घंटे के युद्धविराम को तोड़ दिया, जिसने सीमा पर लगभग एक सप्ताह की हिंसक झड़पों को शांत किया था। तालिबान अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान ने पक्तिका प्रांत में तीन जगहों पर बमबारी की है। अब अफगानिस्तान इसका जवाब देगा। प्रांतीय अस्पताल के अधिकारी ने बताया कि मृतकों में 2 बच्चे शामिल हैं।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि टूर्नामेंट के लिए मौजूद तीन खिलाड़ी भी हमलों में मारे गए। अब बोर्ड ने अगले महीने पाकिस्तान के साथ होने वाली त्रिकोणीय टी20आई सीरीज से हटने का फैसला किया। वहीं, पाकिस्तान के सीनियर सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि ये सटीक हवाई हमले अफगान सीमा में हाफिज गुल बहादुर गुट को निशाना बनाकर किए गए, जो तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान से जुड़ा है। इस्लामाबाद ने दावा किया कि यह समूह उत्तरी वजीरिस्तान में सैन्य शिविर पर आत्मघाती हमले और गोलीबारी में शामिल था, जिसमें 7 पाकिस्तानी अर्धसैनिक सैनिक मारे गए थे।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान में क्यों बढ़ा तनाव : पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव का मुख्य कारण सुरक्षा मुद्दे हैं। इस्लामाबाद का आरोप है कि अफगानिस्तान अपनी

जमीन पर टीटीपी जैसे उग्रवादी समूहों को पनाह देता है, जिसे काबुल ने खारिज किया है। शनिवार से सीमा पर हिंसा तेजी से बढ़ी थी, जब काबुल में विस्फोट हुए उस समय जब तालिबान के विदेश मंत्री भारत की यात्रा पर थे। तालिबान ने इसके बाद पाकिस्तान के साथ दक्षिणी सीमा पर आक्रामक कार्रवाई शुरू की, जिसके जवाब में इस्लामाबाद ने कड़ा रुख अपनाने की बात कही। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने काबुल पर भारत का प्रॉक्सी बनने और पाकिस्तान के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया।

क्रिकेट मैच खेलकर लौट रहे खिलाड़ियों पर हमला हुआ : एसीबी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान जारी कर बताया कि यह हमला पक्तिका प्रांत की राजधानी शराना में एक फ्रेंडली क्रिकेट मैच खेलकर लौट रहे खिलाड़ियों कबीर, सिब्घतुल्लाह और हारून पर हुआ।ष्छक्नने हमले के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान में होने वाली टी-20 सीरीज नाम वापस लिया हमले के बाद अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने नवंबर में पाकिस्तान में होने वाली ट्राई टी-20 सीरीज से नाम वापस ले लिया। टीम को 17 और 23 नवंबर को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले खेलने थे। यह पहली बार होता जब अफगानिस्तान, पाकिस्तान की सरजमीं पर उसके खिलाफ खेलता। हालांकि, इससे पहले अफगानिस्तान ने 2023 एशिया कप और इस साल की चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान में खेले थे, लेकिन तब उसका मेजबान टीम पाकिस्तान से मुकाबला नहीं हुआ था। पाकिस्तानी हमले से काबुल में स्कूल-घरों को नुकसान तालिबान ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने बुधवार को काबुल पर दो ड्रोन हमले किए। काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जाद्रान के मुताबिक, ड्रोन ने एक घर और बाजार को निशाना बनाया। इन हमलों में कम से कम 5 लोगों की मौत हुई और दर्जनों घायल हैं।

हमले में पास का एक स्कूल भी प्रभावित हुआ। इस स्कूल में 500 से ज्यादा बच्चे पढ़ते हैं और करीब 50 क्लासरूम हैं। हमले के समय छात्र घर जा चुके थे। स्कूल के अधिकारी मोहम्मद सादिक ने कहा, आज जब बच्चे और उनके परिवार लौटे और स्कूल की हालत देखी, तो कई की आंखों में आंसू थे। यह एक शैक्षणिक स्थान है, कोई सैन्य ठिकाना नहीं। इस स्कूल का क्या कसूर था। पाकिस्तानी हमले से अफगानिस्तान में अब तक 37 मौतें यूएन के मुताबिक पाकिस्तानी हमलों में इस हफ्ते अफगानिस्तान के 6 प्रांतों में 37 नागरिक मारे गए और 425 घायल हुए। जबकि पाकिस्तान का कहना है कि उसने आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की। पाकिस्तानी रक्षामंत्री बोले- तालिबान के फैसले दिल्ली से हो रहे इसके बाद गुरुवार को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बयानबाजी तेज कर दी। उन्होंने भारत पर आरोप लगाते हुए कहा कि तालिबान के फैसले दिल्ली से लिए जा रहे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व सांसद की सजा माफ की, धोखाधड़ी के लिए हुई थी सात साल की जेल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व सांसद जॉर्ज सेंटोस की सजा माफ की। सेंटोस पर धोखाधड़ी और लोगों की पहचान चुराने के आरोप लगे थे, जिसके चलते उन्हें सात साल से अधिक की जेल हुई थी। सेंटोस ने पिछले साल कबूल किया था कि उन्होंने दान देने वालों (डोनर) को धोखा दिया और अपने चुनावी अभियान के लिए 11 लोगों की पहचान चुराई थी, जिसमें उनके परिवार के लोग भी शामिल थे। सेंटोस को जुलाई में न्यू जर्सी की एक कम क्षमता वाली जेल में भेजा गया था, जहां करीब पचास कैदी रहते थे। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर बताया कि सेंटोस को तत्काल रिहा किया जाएगा। उन्होंने सेंटोस को शुभकामनाएं भी दीं। वहीं, सेंटोस के वकील ने कहा कि पूर्व सांसद का परिवार जेल पहुंच रहा है और उन्होंने उनकी रिहाई के लिए राष्ट्रपति की कार्रवाई की सराहना की है। जेल प्रशासन की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सेंटोस ने जेल में रहते हुए स्थानीय अखबार में जेल की स्थिति पर नियमित रिपोर्ट लिखी। हाल ही में उन्होंने ट्रंप से सीधे अपील की कि उन्हें परिवार और समुदाय के पास लौटने का मौका दिया जाए। ट्रंप की ओर से कई रिपब्लिकन नेताओं की सजा पहले माफ की चुकी है। मई में उन्होंने पूर्व सांसद माइकल ग्रिम को भी माफ किया था, जो अपने रेस्तरां में

वेतन और आमदनी के गलत तरीके के लिए दोषी पाए गए थे। लेकिन सेंटोस का मामला अपनी पार्टी के भीतर विवादास्पद रहा है। वह 2022 में सार्वजनिक तौर पर ट्रांसजेंडर रिपब्लिकन सांसद बने। लेकिन जल्द ही उनके जीवन की झूठी कहानी सामने आ गई। उन्होंने दावा किया था कि वह एक सफल व्यवसाय सलाहकार हैं। मगर बाद में पता चला कि उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई पूरी नहीं की और न ही उन्होंने कथित प्रतिष्ठित कंपनियों में काम किया था। वह यहूदी भी नहीं थे, जैसा उन्होंने बताया था। वास्तव में सेंटोस आर्थिक रूस से तंगी में थे और उन्हें बेघर होने का खतरा था। 2023 में उन पर दाताओं से चोरी, बेरोजगारों से धोखाधड़ी और कांग्रेस (संसद) में झूठ बोलने के आरोप लगे। कुछ ही महीनों में उन्हें प्रतिनिधि सभा से निकाल दिया गया और वह इतिहास के छठे सांसद बने जिन्हें सदस्यों ने हटाया। सेंटोस ने मुकदमे से पहले ही अपना गुनाह कबूल किया। पूर्व सहयोगी सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन ने उनके लिए सजा माफी की अपील की थी।

रेड क्रॉस को सौंपा गया इस्राइली बंधक ताबूत, नेतन्याहू के कार्यालय ने की पुष्टि

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल को शुक्रवार को एक और बंधक का शव सौंपा गया है। इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि हमास ने यह शव रेड क्रॉस के जरिये सौंपा गया। शव सौंपकर हमास युद्ध को खत्म करने के लिए जारी संघर्षविराम को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। बाद में रेड क्रॉस ने यह शव इस्राइली सेना और सुरक्षा एजेंसियों को सौंप दिया। शव को इस्राइल के राष्ट्रीय फोरेंसिक चिकित्सा केंद्र को भेजा गया, जहां से इसकी पहचान की प्रक्रिया पूरी होगी। इसके बाद ही परिजनों की इसकी सूचना दी जाएगी। हमास की तरफ से शव की पुष्टि हमास के लड़ाकू संगठन कसम ब्रिगेड ने कहा कि यह शव एक कब्जे में लिए गए कैदी का है। इसका मतलब है कि यह शव किसी इस्राइली नागरिक का है, न कि किसी अन्य देश के बंधक का। संघर्षविराम समझौते के तहत शवों की वापसी जरूरी है। इसके अलावा, सहायता सामग्री की आपूर्ति, सीमा खोलना और गाजा के पुनर्निर्माण जैसे मुद्दे भी इस समझौते का हिस्सा हैं। ट्रंप की चेतावनी

और शवों की खोज हमास का कहना है कि वह संघर्षविराम के नियमों का पालन कर रहा है और शवों को लौटाने की कोशिश कर रहा है। इस हफ्ते हमास ने इस्राइल को नौ बंधकों के शव सौंपे हैं। एक अतिरिक्त शव भी दिया गया, जिसे इस्राइल ने कहा कि वह बंधक का नहीं था।

इस्राइली सेना और सुरक्षा एजेंसियों ने कहा कि हमास को समझौते के तहत सभी शव लौटाने होंगे। उधर, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर हमास सभी शव नहीं लौटाता तो वह इस्राइल को युद्ध फिर से शुरू करने की अनुमति देगा।

ट्रंप बोले- मुझे नोबेल पुरस्कार की नहीं, जिंदगियां बचाने की परवाह

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने अब तक आठ संघर्षों को सुलझा लिया है और अब वह अफगानिस्तान व पाकिस्तान के बीच जारी संघर्ष को भी आसानी से हल कर सकते हैं। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह उनके लिए आसान मामला है।

ट्रंप का यह बयान उस समयआया है, जब अफगानिस्तान व पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव बढ़ा हुआ है। अफगान तालिबान के अधिकारियों ने शुक्रवार देर रात दावा किया कि पाकिस्तान ने संघर्षविराम का उल्लंघन करते हुए फिर से हमला किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष खत्म करने का दावा दोहराया। इसके बाद वह अफगानिस्तान-पाकिस्तान के मुद्दे की तरफ आगे बढ़े। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पाकिस्तान ने हमला किया या अफगानिस्तान के साथ हमले जारी हैं। अगर मुझे इसे हल करना पड़ा तो यह मेरे लिए एक आसान मामला है।

उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने कई संघर्ष सुलझा लिए हैं, जिसमें भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम भी शामिल है। हालांकि भारत ने उनके इस दावे को कई बार सिरे से खारिज किया है। ट्रंप ने यह भी कहा कि इतने सारे संघर्षों को सुलझाने के बावजूद उन्हें नोबेल पुरस्कार नहीं मिला। उन्होंने कहा, यह (नोबेल पुरस्कार) किसी और को मिल गया। वह एक बहुत अच्छी महिला हैं। मैं उन्हें नहीं जानता लेकिन वह उदार हैं। मुझे इन चीजों की परवाह नहीं है। मुझे केवल जिंदगियां बचाने की परवाह है। ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार विजेता वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो की बात कर रहे थे। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हाल ही में सीमा पर खूनी झड़पें हुईं, जिसके बाद दोनों देशों ने 48 घंटे के संघर्षविराम पर सहमति जताई थी। दोनों देशों ने इसके लिए एक-दूसरे की जिद को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि, अफगानिस्तान के अधिकारियों ने शुक्रवार रात कहा कि पाकिस्तान ने संघर्षविराम को तोड़ते हुए अफगानिस्तान के अंदर हवाई हमले किए, जिनमें दस लोग मारे गए। तालिबान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने समाचार एजेंसी एएफपी को बताया, पाकिस्तान ने संघर्षविराम को तोड़ते हुए पक्तिका प्रांत में तीन जगहों पर बमबारी की है। अफगानिस्तान इसका जवाब देगा। इन हमलों में अफगानिस्तान में के तीन स्थानीय क्रिकेट खिलाड़ियों की भी मौत हो गई, जिसकी पुष्टि अफगानिस्तान के क्रिकेट बोर्ड ने की है। ये खिलाड़ी पक्तिका प्रांत के उरगुन जिले के रहने वाले थे। क्रिकेट बोर्ड ने हमले को कायरतापूर्ण बताया। इससे पहले इस हफ्ते तालिबान सरकार ने दावा किया था कि उन्होंने पाकिस्तान की 25 चौकियां कब्जे में ली हैं, जिसमें 58 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं और 30 घायल हुए हैं। इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत काबुल के अब्दुल हक चौक पर हुए विस्फोट से हुई थी। उस समय तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भारत दौरे पर थे। अफगान अधिकारियों ने इस धमाके लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। लेकिन पाकिस्तान ने इसमें अपनी कोई भूमिका होने से इनकार किया। हिंसक झड़पों के बाद दोनों पक्षों ने युद्धविराम पर सहमति जताई।

भारत की गोद में जा बैठा तालिबान, बौखलाया पाकिस्तान बोला- खत्म हो गए सारे रिश्ते

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान के साथ तनाव के बीच पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी जहर उगल दिया है। उन्होंने कहा कि अब दोनों देशों के बीच पुराने संबंधों का युग समाप्त हो गया है। आसिफ ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान में रहने वाले अफगान नागरिक तुरंत अपने देश की ओर रवाना हो जाएं। उन्होंने कहा, अब उनकी अपनी सरकार है। हमारी धरती और संसाधन केवल 25 करोड़ पाकिस्तानियों के लिए हैं।

बता दें कि पाकिस्तान की एयरस्ट्राइक के बाद दोनों देशों में तनाव काफी बढ़ गया था। सीमा पर गोलीबारी में दोनों तरफ का नुकसान हुआ। इसके बाद बॉर्डर पर 48 घंटे का सीजफायर हो गया। शुक्रवार शाम को 6 बजे सीजफायर खत्म होने से पहले ही ऐलान हो गया कि इस अस्थायी युद्धविराम को दोहा में वार्ता खत्म होने तक बढ़ाया जाता है। इसके बाद भी पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के पत्तिका प्रांत में एयरस्ट्राइक कर दी।

इसको लेकर तालिबानी अधिकारियों ने का कहा कि दोनों के बीच समझौता टूट गया है। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से अफगानिस्तान को 836 प्रोटेस्ट नोट भेजे गए हैं। इसके अलावा उससे 13 मांगें रखी गई हैं। यह सभी सीमा पार आतंकवाद से संबंधित हैं। उन्होंने कहा, अब कोई भी प्रतिनिधिमंडल काबुल नहीं जाएगा। अब कोई प्रोटेस्ट नोट और शांति की अपील नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, आतंक जहां भी पल रहा है, उसे उसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

भारत का भी लिया नाम : आसिफ ने बीच में भारत को भी घसीटते हुए कहा कि तालिबान सरकार भारत की तरफ से काम कर रही है और पाकिस्तान के खिलाफ साजिश रच रही है। उन्होंने कहा, काबुल के शासक आज भारत की गोद में जा बैठे हैं। वे कभी हमारी हिफाजत में रहते थे। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि अगर सीमा पर अफगानिस्तान कोई भी उकसावे की गतिविधि करता है तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। बता दें कि पाकिस्तान ने काबुल पर उस समय एयरस्ट्राइक की थी जब अफगान विदेश मंत्री भारत की यात्रा पर थे। इससे साफ जाहिर होता है कि वह आतंकी घटनाओं से ज्यादा भारत और अफगानिस्तान की बढ़ती करीबी से परेशान है।

जहां हैं, वहीं रुक जाएं और युद्ध खत्म करें.., जेलेंस्की के साथ बैठक के बाद यूक्रेन और रूस से बोले ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में यूक्रेनी समकक्ष वोलोदिमिर जेलेंस्की से लंबी बैठक के बाद कीव और मॉस्को से कहा कि जहां हैं, वहीं रुक जाएं और अपने क्रूर युद्ध को समाप्त करें। पिछले नौ महीनों में इस युद्ध को लेकर ट्रंप की नाराजगी कई बार सामने आ चुकी है, जब से वह दोबारा राष्ट्रपति बने हैं। लेकिन इस बार उन्होंने संकेत दिया कि यक्रेन को वह इलाका छोड़ देना चाहिए जो रूस ने कब्जे में ले लिया है।

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा, काफी खून बह चुका है। अब जमीन की सीमाएं युद्ध और साहस से तय हो रही हैं। अब उन्हें वहीं रुक जाना चाहिए। दोनों ही पक्ष खुद को विजेता मानें और ऐतिहासिक फैसला करें। बाद में जब ट्रंप फ्लोरिडा पहुंचे (जहां वह साप्ताहांत बिता रहे हैं), तो उन्होंने दोनों देशों से तत्काल युद्ध बंद करने की अपील की और संकेत दिया कि रूस वही जमीन अपने पास रख सकता है, जो उसने यूक्रेन से ले ली है। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, आप जंग के मोर्चे की जो स्थिति है, उसी को मानें। वरना मामला बहुत जटिल हो जाएगा। उसी मोर्चे पर रुकें और दोनों पक्ष घर जाएं, अपने परिवारों के पास लौटें, हत्या बंद करें। बस वही होना चाहिए। ट्रंप का रवैया समय के साथ बदलता रहा है। पहले वह यूक्रेन को जमीन छोड़ने की सलाह दे रहे थे। लेकिन हाल के हफ्तों में उन्होंने रूस के राष्ट्रपति पुतिन के प्रति नाराजगी जताई और यूक्रेन की ज्यादा मदद करने की बात करने लगे थे। इसका मतलब है कि ट्रंप की सोच स्थिर नहीं रही। कभी वो यूक्रेन को समर्थन देने की बात करते हैं, तो कभी उसे समझौता करने के लिए कहते हैं। पिछले महीने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान जेलेंस्की से मुलाकात के बाद ट्रंप ने यहां तक कहा था कि उन्हें लगता है यूक्रेन वो सभी इलाके वापस ले सकता है जो उसने फरवरी 2022 में रूस के हमले के बाद खो दिए। यह ट्रंप का एक बड़ा यू-टर्न था, क्योंकि इससे पहले वह कहते थे कि यूक्रेन को शांति के लिए जमीन छोड़नी होगी।

बांग्लादेश: सांविधानिक सुधारों से युवा असंतुष्ट, संसद परिसर में किया बवाल, मुख्य गेट फांदकर घुसे प्रदर्शनकारी

ढाका, एजेंसी। राजनीतिक दलों ने शुक्रवार को लोकतांत्रिक सुधार सुनिश्चित करने वाले जुलाई चार्टर पर हस्ताक्षर कर दिए लेकिन युवाओं के भारी विरोध व नवगठित (नेशनल सिटिजन पार्टी-एनसीपी) के विरोध के कारण अंतरिम सरकार का जश्न फीका पड़ गया। हालात यह रहे कि जुलाई चार्टर के सांविधानिक प्रावधानों में अपनी मांगों की अनदेखी से नाराज युवा प्रदर्शनकारी मुख्य दरवाजे को फांदकर संसद भवन परिसर में दाखिल हो गए और जमकर बवाल काटा। इस दौरान सरकार विरोधी नारे भी लगे।

खुद को हसीना को सत्ता से बेदखल करने वाले प्रदर्शनकारी बताते हुए युवा शुक्रवार सुबह से ही संसद भवन के पास एकत्र होने लगे थे। वे इस बात पर नाराजगी जता रहे थे कि नए चार्टर में उनकी चिंताओं का समाधान नहीं किया गया है, जबकि हसीना के खिलाफ बड़े पैमाने पर हुए विद्रोह के दौरान उनके कई प्रियजनों की मौत हुई है। देखते ही देखते प्रदर्शन हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारियों ने जब पीछे हटने से इन्कार किया तो पुलिस ने उनको तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े, लाठीचार्ज किया और तेज आवाज करने वाले ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। इस बीच यूनुस ने संसद भवन के बाहर एकत्रित जनसमूह को बताया कि जुलाई चार्टर में हस्ताक्षरों का अर्थ है कि एक नया बांग्लादेश आकार ले रहा है। उन्होंने कहा, हम बर्बरता से निकलकर एक सभ्य समाज में प्रवेश कर चुके हैं।

सांविधानिक व कानूनी बदलावों का नया रोडमैप है जुलाई चार्टर : जुलाई 2024 में शुरू हुए राष्ट्रीय विद्रोह के नाम पर रखा गया जुलाई राष्ट्रीय चार्टर सांविधानिक संशोधनों, कानूनी परिवर्तनों और नए कानूनों के लिए एक रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। यूनुस सरकार द्वारा गठित एक राष्ट्रीय सहमति आयोग ने हसीना की

अवामी लीग पार्टी को छोड़कर, प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ कई दौर की बातचीत के बाद चार्टर तैयार किया। पूर्व पीएम खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और आठ समान विचारधारा वाली पार्टियों ने कहा कि वे चार्टर पर हस्ताक्षर करेंगे जबकि एनसीपी ने इससे इन्कार कर दिया है। फरवरी में चुनावों पर अनिश्चितता यूनुस ने अगला राष्ट्रीय चुनाव फरवरी में कराने का वादा किया है, 17 करोड़ की आबादी वाले मुस्लिम बहुल देश में इस्लामी पवित्र महीना रमजान शुरू होने से पहले। लेकिन सवाल यह है कि क्या हसीना की पार्टी और उसके सहयोगियों के बिना यह चुनाव समावेशी होगा। देश की सबसे बड़ी इस्लामी पार्टी, जमात-ए-इस्लामी ने भी चार्टर पर हस्ताक्षर करने को लेकर अब तक कोई फैसला नहीं लिया है। पिछले अगस्त में भारी विरोध प्रदर्शनों के बाद सत्ता से बेदखल हुई हसीना भारत में निर्वासन में हैं और मानवता के विरुद्ध अपराधों के आरोपों में उनकी अनुपस्थिति में उन पर मुकदमा चल रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि हफ्तों तक चले विद्रोह में करीब 1,400 लोग मारे गए हैं।

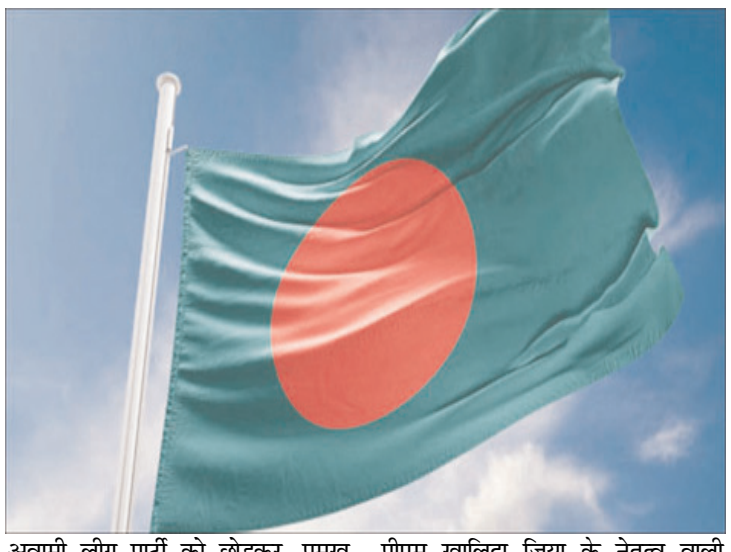

मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक लव जैन द्वारा स्वास्तिका क्रिएशन, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से छपवाकर 400/12, जैकबपुरा, न्यू रेलवे रोड, अपोजिट वर्मा (ईएनटी) से प्रकाशित किया, संपादक लव जैन पीआरबी एक्ट के अंतर्गत रचनाओं के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का निपटारा गुड़गांव न्यायालय में होगा।